सुविचार
श्रम और पूंजी दोनों मिलकर आश्चर्यजनक काम कर सकते हैं।

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज *Published from Ranchi*

Ranchi ● Sunday, 09 June 2024 ● Year : 02 ● Issue : 141 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

12
Payal Rajput's Fashion Game...

SHARE

सेंसेक्स	:	76,693.36
निफ्टी	:	23,290.15

SARAFA

सोना	:	6,740
चांदी	:	96.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

नजर आया चांद, 17 को मनाई जाएगी बकरीद

RANCHI : दारूल कजा इमारत शरीया रांची के काजी शरीअत मुफ्ती मोहम्मद अनवर कासमी ने कहा कि जीकादा 1445 हिजरी की 29 तारीख और शुक्रवार 7 जून 2024 को जिल्हीज्जा महीने का चांद देश के विभिन्न स्थानों पर आम तौर पर नजर आया है। इसलिए शनिवार आठ जून को जिल्हीज्जा महीने की पहली तारीख है और सोमवार 17 जून को जिल्हीज्जा महीने की दसवीं तारीख यानी ईदुल अजहा (बकरीद) है। उन्होंने कहा कि यही फैसला मरकजी दारुल कजा इमारत शरीया फुलवारीशरीफ पटना का है।

सीता सोरेन का इस्तीफा अब तक स्वीकार नहीं

RANCHI : दुमका लोकसभा सीट से बीजेपी के टिकट पर चुनाव लड़ीं सीता सोरेन ने करीब ढाई माह पहले अपनी बेटी के ई-मेल आईडी से झारखंड विधानसभा के स्पीकर को इस्तीफा सौंपा था। लेकिन स्पीकर ने अब तक उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया है। जानकारी के अनुसार, स्पीकर ने सीता को नियम के अनुसार इस्तीफा देने को कहा है। नियम के अनुसार, सीता सोरेन को खुद या फिर अपने विशेष दूत के माध्यम से त्यागपत्र भेजना होगा। बताते चलें कि सीता सोरेन झामुमो से तीन बार विधायक रही हैं।

सरकार के लिए अगले 7 दिन महत्वपूर्ण : निशिकांत

RANCHI : गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे ने एक बार फिर झारखंड का सियासी पारा बढ़ा दिया है। उन्होंने शनिवार को ट्वीट में कहा कि चंपाई दा होशियार, कल्पना भाभी आ गयी हैं, झारखंड की वर्तमान सरकार के लिए आने वाला सात दिन बहुत ही महत्वपूर्ण होने वाला है। निशिकांत के इस ट्वीट के बाद कयासों का बाजार गर्म हो गया है। इससे पहले भी उन्होंने ट्वीट कर कई भविष्यवाणी की है। निशिकांत दुबे का कहना है कि वह जो भी कहे हैं, वह सच हुआ है। उन्होंने राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की जेल जाने की बात कही थी, वह सच साबित हुआ। निशिकांत दुबे ने गोड्डा लोकसभा से चौथी बार सांसद का चुनाव जीता है।

आज आएगा जेईई एडवांस्ड परीक्षा का रिजल्ट

NEW DELHI : आज यानी 9 जून को देश के विभिन्न भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) में दाखिले के लिए इस वर्ष हुई जेईई एडवांस्ड परीक्षा का रिजल्ट जारी कर दिया जाएगा। इस बार इस परीक्षा का आयोजन आईआईटी मद्रास की ओर से किया गया था। जेईई एडवांस्ड की आधिकारिक वेबसाइट jeeadv.ac.in के माध्यम से अपना रिजल्ट देख व डाउनलोड कर सकेंगे। शेड्यूल के अनुसार जेईई एडवांस्ड के रिजल्ट का लिंक रविवार की सुबह 10 बजे एक्टिव होगा।

संघर्ष की प्रेरणा का स्रोत हैं भगवान बिरसा मुंडा

पुण्यतिथि आज

उलगुलान के महानायक को नमन, ब्रिटिश शासन को चुनौती देनेवाला महायोद्धा

PHOTON NEWS RANCHI : आज यानी 9 जून को भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि है। उनका संघर्ष और बलिदान आदिवासी जीवन के संघर्ष की प्रेरणा का स्रोत है। बिरसा मुंडा आदिवासी समाज के ऐसे नायक थे, जिन्होंने जनजातीय समाज के लोगों के लिए संघर्ष किया। देश की आजादी और आदिवासी समाज के उत्थान में उनका बड़ा योगदान था। यही वजह है कि उन्हें भगवान का दर्जा दिया गया है। बिरसा मुंडा ने ब्रिटिश शासन के बढ़ते जुल्म को देखते हुए 25 साल की उम्र में ही अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह कर दिया। उनका प्रभाव इतना था कि अंग्रेज सरकार ने उनकी गिरफ्तारी के लिए उस समय 500 रुपये के इनाम की भी घोषणा कर दी। वे दुनिया के ऐसे पहले लोक नायक थे, जिन्होंने स्वंत्रता आंदोलन के साथ समाज सुधार की बात की।

15 नवंबर 1875 को हुआ था जन्म

बिरसा मुंडा के जन्म को लेकर कई जगहों पर अलग अलग तिथियों का उल्लेख किया गया है। लेकिन, भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी कुमार सुरेश सिंह की लिखी किताब के अनुसार उनका जन्म 19वीं शताब्दी के अंत में बंगाल प्रेसीडेंसी में 15 नवंबर 1875 को खूंटी के उलिहातू में हुआ था। उनकी प्रारंभिक शिक्षा चाईबासा के जर्मन मिशन स्कूल में हुई। पढ़ाई के दौरान ही बिरसा के क्रांतिकारी तेवर दिखाई देने लगे थे।

उलगुलान की शुरुआत

बिरसा मुंडा ने उलगुलान नाम से एक आंदोलन की शुरूआत की थी। यह आंदोलन सरदार और मिशनकारियो के खिलाफ था, जो कि मुख्य रूप से खूंटी, तामाड़, सरवाडा और बंदगांव में केंद्रित था। जब जमींदारों और पुलिस का अत्याचार दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा था, तब उन्होंने इसके खिलाफ आवाज उठाने की सोची। वह अंग्रेजों के लगान के भी खिलाफ थे। यह तभी संभव था, जब जब अंग्रेज अफसर और मिशनरी पूरी तरह से हट जाएं। उस वक्त स्थिति ये थी कि अंग्रेजो ने आदिवासियों को उनकी ही जमीन के इस्तेमाल करने पर रोक लगा दी थी। इन कारणों से ही उन्होंने उलगुलान आंदोलन की शुरूआत की। बिरसा मुंडा की पढ़ाई जर्मन मिशन स्कूल में हुई। वहां उन्हें पढ़ई के दौरान पता चला कि अंग्रेज आदिवासियों को धीरे-धीरे इसाई धर्म में परिवर्तित करा रहे हैं।

चंद्रबाबू नायडू 12 जून को मुख्यमंत्री पद की लेंगे शपथ, मोदी होंगे शामिल

NEW DELHI : नायडू गन्नावरम हवाई अड्डे के पास केसरपल्ली आईटी पार्क में पद एवं गोपनीयता की शपथ लेंगे। 12 जून को सुबह 11:27 बजे चंद्रबाबू नायडू गन्नावरम हवाईअड्डे के पास केसरपल्ली आईटी पार्क में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा एनडीए के वरिष्ठ नेता भी शामिल हो सकते हैं। नायडू पहली बार लगभग 30 साल पहले 1995 में मुख्यमंत्री बने थे और 2004 तक इस पद पर रहे। साल 2004 में वह चुनाव हार ये थे और उनकी जगह वाई एस राजशेखर रेड्डी मुख्यमंत्री बने। एक दशक के बाद और संयुक्त राज्य को तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में विभाजित करने के बाद, नायडू 2014 में नवगठित राज्य के पहले मुख्यमंत्री बने।

मीटिंग में राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी व अन्य।

तानाशाही ताकतों को चुनाव में जनता ने दिया तगड़ा जवाब : खड़गे

- चुनाव परिणाम के बाद दिल्ली में हुई कांग्रेस वर्किंग कमेटी की मीटिंग
- सोनिया गांधी, राहुल गांधी सहित सभी सदस्यों और चुने गए सांसदों ने लिया हिस्सा
- पार्टी को 18वीं लोस के चुनाव में मत प्रतिशत के साथ सीटों की संख्या में हुआ बड़ा इजाफा

AGENCY NEW DELHI : लोकसभा चुनाव परिणामों के बाद रविवार को दिल्ली के अशोका होटल में कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक हुई। इसमें कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, सभी निर्वाचित सांसदों और कमेटी के अन्य सदस्यों ने हिस्सा लिया। बैठक की शुरूआत में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने देशभर के कांग्रेस कार्यकताओं और नेताओं को धन्यवाद दिया है। खड़गे ने कहा, जनता ने तानाशाही और असंवैधानिक ताकतों को तगड़ा जवाब दे दिया है। लोगों को कांग्रेस में विश्वास है। देश के वोटर्स ने बीजेपी के 10 साल के शासन को नकारा है। बीजेपी ने इस देश में बांटने की और घृणा की राजनीति की है। सीडब्ल्यूसी की तरफ से खड़गे ने नवनिर्वाचित सांसदों को बधाई दी। उन्होंने कहा, हम लड़े और जीते। परिस्थितियां प्रतिकूल थीं। फिर भी हमारी जीत हुई। खड़गे ने पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी को भी चुनाव के दौरान सक्रिय रहने के लिए धन्यवाद दिया।

शपथ ग्रहण ग्रहण समारोह को भव्य बनाने की तैयारियां पूरी

आज तीसरी बार PM बनेंगे मोदी

दिल्ली नो फ्लाइंग जोन घोषित

- देश-विदेश के 8000 मेहमान कार्यक्रम में हो सकते हैं शामिल
- विकसित भारत के राजदूतों और ड्रोन दीदियों को भी किया गया है आमंत्रित
- बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पहुंचीं दिल्ली

AGENCY NEW DELHI : रविवार यानी आज 9 जून को शाम 6 बजे नरेंद्र मोदी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। एनडीए गठबंधन के संसदीय दल की बैठक में सर्वसम्मति से इसपर फैसला लिया गया है। बता दें कि नरेंद्र मोदी ने 7 जून को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की और सरकार बनाने का प्रस्ताव दिया। इस दौरान सभी सांसदों की सहमति के दस्तावेजों को भी उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को दिया था। इस बार के मंत्रिमंडल में एनडीए के घटक दलों की बहुतायतता देखने को मिलेगी। नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह को भव्य बनाने की सारी तैयारियां पूरी की जा चुकी हैं। प्रधानमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह कई मायनों में बेहद खास होगा। इस समारोह में जहां एक तरफ दुनियाभर के शीर्ष नेता शामिल होंगे, तो वहीं सफाईकर्मी, ट्रांसजेंडर, मजदूर भी इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बनेंगे।

पैरामिलिट्री फोर्स की पांच कंपनियां तैनात

राष्ट्रपति भवन की सुरक्षा में पैरामिलिट्री फोर्स की पांच कंपनियां तैनात की जाएंगी। इसके अलावा ऊंची इमारतों पर एनएसजी कमांडो, ड्रोन और स्नाइपर्स भी तैनात किए जाएंगे। शपथ ग्रहण समारोह में कई विदेशी मेहमान भी शामिल होंगे। ऐसे में पूरी राजधानी हाई अलर्ट पर रहेगी। विदेशी मेहमानों की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी खुफिया एजेंसियों के कंधों पर होगी। हर राष्ट्राध्यक्ष के प्रोटोकॉल के मुताबिक सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। इसके अलावा जिन होटलों में विदेशी मेहमान रुकेंगे, उनकी सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक राष्ट्रपति भवन के आसपास संसद मार्ग, रफी मार्ग, रायसीना रोड, राजेंद्र प्रसाद रोड, मदर टेरेसा क्रिसेंट, सरदार पटेल मार्ग पर कार्यक्रम के दौरान सिर्फ उन्हीं वाहनों को प्रवेश की अनुमति होगी जिनके पास पास होंगे।

इन लोगों ने स्वीकार किया निमंत्रण

श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे, मालदीव के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जु, सेशेल्स के उपराष्ट्रपति अहमद अफीफ, बांग्लादेश की प्रधानमंत्री, शेख हसीना, मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ, नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' और भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे ने प्रधानमंत्री मोदी के शपथ ग्रहण समारोह का निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। यह भी बताया जा रहा है कि शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के अलावा यह सभी नेता उसी शाम राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा आयोजित भोज में भाग लेंगे। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना कार्यक्रम में भाग लेने के लिए दिल्ली शनिवार को ही पहुंच चुकी हैं। एशिया की पहली लोको पायलट सुरेखा यादव भी तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने जा रहे नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगी।

सुरक्षा के व्यापक इंतजाम

समारोह के लिए व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। सभी मेहमान और समारोह स्थल तिहरे सुरक्षा घेरे में रहेंगे। राष्ट्रपति भवन के आसपास के इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पूरी दिल्ली को नो फ्लाइंग जोन घोषित कर दिया गया है। दिल्ली पुलिस कमिश्नर द्वारा यह आदेश जारी कर दिया गया है। शपथ ग्रहण समारोह के चलते दिल्ली में किसी भी तरह का ड्रोन, पैराग्लाइडिंग, पैराजंपर और रिमोट ऑपरेटेड उपकरण के उड़ान पर पाबंदी लगा दी गई है। हालांकि नयी दिल्ली एरिया पहले से ही ही नो फ्लाइंग जोन घोषित है। दिल्ली में 2 दिन के लिए ड्रोन, पैराग्लाइडर्स या ऐसी कोई भी चीज उड़ाने पर पाबंदी लगाई गई है।

सोनिया बनीं संसदीय दल की अध्यक्ष, राहुल को लोस में विपक्ष का नेता बनाने की मांग

AGENCY NEW DELHI : शनिवार को सोनिया गांधी को कांग्रेस संसदीय दल का अध्यक्ष चुन लिया गया है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने संसद के सेंट्रल हॉल में पार्टी नेताओं की बैठक में सोनिया के नाम का प्रस्ताव रखा। गौरव गोगोई और तारिक अनवर ने इसका समर्थन किया। इससे पहले कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की बैठक हुई। इसमें कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बनाए जाने का भी प्रस्ताव पास किया गया। इस पर राहुल ने कहा, 'मुझे सोचने का वक्त दीजिए। लोकसभा में पिछले 10 साल से नेता प्रतिपक्ष का पद खाली है। 2014 में कांग्रेस को 44 सीटें और 2019 में 52 सीटें मिली थीं। भाजपा के बाद सबसे ज्यादा सीटें कांग्रेस को मिली थीं। फिर भी कांग्रेस को नेता प्रतिपक्ष की कुर्सी नहीं मिली थी।

3 महिला व 3 पुरुष माओवादियों के शव मिले

नारायणपुर मुठभेड़ में छह नक्सली ढेर, हथियार बरामद

AGENCY NARAYANPUR : छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के दंतेवाड़ा, नारायणपुर और बस्तर जिले की सीमा में गोबेल के जंगल में नक्सलियों से हुई मुठभेड़ में जवानों ने 6 नक्सलियों को मार गिराया। सर्चिंग के दौरान अब तक 3 महिला व 3 पुरुष नक्सलियों के शव एवं हथियार बरामद किए गए हैं। हथियारों में 3 राइफल व बीजीएल लॉन्चर सहित कुल 6 हथियार और नक्सल सामग्री बरामद की गई है। नक्सलियों के

शवों की शिनाख्त की जा रही है। मुठभेड़ में शामिल जवानों का दावा है कि मुठभेड़ में बड़ी संख्या में नक्सली घायल हुए हैं। पुलिस के अनुसार गुप्त सूचना मिली कि पूर्व बस्तर डिवीजन इलाके में मुंगेड़ी, गोबेल गांव के जंगल में बड़ी संख्या में नक्सली मौजूद हैं।

नीट-यूजी रिजल्ट को हाईकोर्ट में चुनौती

BHOPAL : देश के मेडिकल और डेंटल कॉलेजों में दाखिले के लिए हुए नेशनल इलिजिबिलिटी कम एंट्रेस टेस्ट फॉर यूजी (नीट-यूजी) टॉप 13 छात्रों के रोल नंबर आसपास के होने के कारण चर्चा में है। भोपाल और जबलपुर की दो छात्राओं ने रिजल्ट पर सवाल उठाते हुए मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है। छात्राओं ने नीट-यूजी कराने वाली संस्था नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के रिजल्ट को गलत ठहराया है। इधर, एनएसयूआई ने भोपाल में प्रदर्शन कर रिजल्ट की सीबीआई से जांच कराने की मांग की है। भोपाल छात्रा के मुताबिक एनटीए की आंसर-की से रिस्पोंड शीट का मिलान करने पर उन्हें 617 नंबर मिल रहे हैं, लेकिन रिजल्ट में 340 अंक ही आए।

40 मिनट तक हुई बातचीत, संगठनात्मक कार्यों पर भी दोनों नेताओं ने की मंत्रणा

पूर्व सीएम हेमंत सोरेन से मिले चम्पाई सोरेन

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवार को मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने होटवार जेल में जाकर पूर्व सीएम हेमंत सोरेन से मुलाकात की। करीब 40 मिनट तक जेल में हुई दोनों नेताओं की मुलाकात के दौरान राज्य की वर्तमान राजनीतिक परिस्थिति और सरकार के कामकाज को लेकर चर्चा हुई। जानकारी के अनुसार, मुलाकात के दौरान जेल में बंद आलमगीर आलम के मंत्री पद को लेकर भी बातचीत हुई है। इसके अलावा संगठनात्मक कार्यों को लेकर भी दोनों नेताओं ने मंत्रणा की।

- सरकार के कामकाज का संचालन होटवार जेल से होने का बीजेपी ने लगाया आरोप
- चम्पाई मुलाकात करने के लिए जाते हैं, तो भाजपा के पेट में दर्द क्यों : कांग्रेस

भाजपा ने की आलोचना

बीजेपी ने मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन के लगातार होटवार जेल जाकर झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन से की जा रही मुलाकात की तीखी आलोचना की है। बीजेपी विधायक सीपी सिंह ने चम्पाई सोरेन को नाममात्र का मुख्यमंत्री बताते हुए सरकार के कामकाज का संचालन होटवार जेल से होने का आरोप लगाया है। उन्होंने सीएम पर तंज कसते हुए कहा कि जितना समय होटवार जेल जाने में मुख्यमंत्री व्यतीत करते हैं, उतना यदि वे सरकार के कामकाज में लगाएंगे तो राज्य का भला हो जाएगा।

कांग्रेस ने किया बचाव

सरकार में शामिल कांग्रेस ने मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन का बचाव करते हुए कहा है कि भारतीय जनता पार्टी को यह समझना चाहिए कि हेमंत सोरेन झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकारी अध्यक्ष हैं और मुख्यमंत्री उनसे मुलाकात करने के लिए जाते हैं, तो उनके पेट में दर्द नहीं होना चाहिए। प्रदेश कांग्रेस महासचिव और पार्टी के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने भारतीय जनता पार्टी पर पलटवार करते हुए कहा है कि उनके दल में भले ही अध्यक्ष को कोई तरजीह नहीं दिया जाता हो, मगर झामुमो में तो ऐसी परंपरा जरूर है।

जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता केसी त्यागी ने किया बड़ा खुलासा

सीएम नीतीश को मिला था पीएम बनाने का ऑफर

सियासत का सच

AGENCY NEW DELHI : लोकसभा चुनाव परिणाम सामने आने के बाद नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) को नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनाने का निमंत्रण मिल चुका है। आज यानी 9 जून को शपथ ग्रहण समारोह होने जा रहा है। इस बीच सियासत के एक सच से हलचल पैदा हो गई है। जदयू के खेमे से बड़ी जानकारी सामने आ रही है। जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता केसी त्यागी ने एक न्यूज चैनल पर दिए इंटरव्यू में दावा किया है कि 'इंडिया' गठबंधन की ओर से नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री पद का ऑफर किया गया था। इस विषय को लेकर शनिवार को कांग्रेस की ओर से प्रतिक्रिया भी आ गई। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल ने कहा कि इस तरह के ऑफर के विषय में उन्हें किसी प्रकार की कोई जानकारी नहीं है।

कांग्रेस ने कहा- इस तरह के ऑफर की उसके पास कोई जानकारी नहीं

नीतीश कुमार

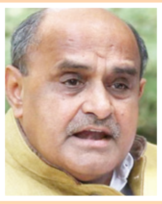
केसी त्यागी

केसी वेणुगोपाल

जदयू ने ठुकरा दिया प्रस्ताव

त्यागी ने बताया कि जदयू ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया और एनडीए के साथ ही पार्टी मजबूती से एनडीए की नयी सरकार चलाएगी। त्यागी ने कहा कि जब हम साथ थे तो नीतीश कुमार को ये संयोजक बनाने के लिए तैयार नहीं हुए। आज प्रधानमंत्री पद का प्रस्ताव दे रहे हैं। केसी त्यागी ने एनडीए में मजबूती से होने की बात कही।

बिहार के मुख्यमंत्री ने क्लियर कर दिया स्टैंड

बता दें कि शुक्रवार को एनडीए संसदीय दल की बैठक हुई, जिसमें एनडीए के सभी जीते हुए सांसद व पार्टी के दिग्गज नेता शामिल हुए। नरेंद्र मोदी को एनडीए संसदीय दल का नेता चुना गया। सभी ने प्रधानमंत्री पद के नरेंद्र मोदी के नाम पर अपनी सहमति दी। इस दौरान अपने संबोधन में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि वो मजबूती से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का साथ देते रहेंगे। नीतीश कुमार ने कहा कि जदयू प्रधानमंत्री पद के लिए नरेंद्र मोदी के नाम पर सहमत है और देश में लगातार तीसरी बार एकजुट रहकर सभी एनडीए की सरकार चलाएंगे। सीएम नीतीश कुमार ने संसद के सेंट्रल हॉल में आयोजित एनडीए की बैठक में कहा कि नरेंद्र मोदी की अगुवाई मे बनने वाली एनडीए की नयी सरकार से बिहार और देश को बड़ी उम्मीदें है। नयी सरकार देश और बिहार के सभी बाकी कामो को पूरा करेगी। सीएम नीतीश ने कहा कि हम सब इस सरकार और इसके नेता नरेंद्र मोदी के साथ रहेंगे। पीएम के कामकाज की तारीफ भी नीतीश कुमार ने की। बता दें कि इसबार लोकसभा चुनाव परिणाम में जनादेश एनडीए को जरूर मिला है, लेकिन नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पहली बार अकेले भाजपा को बहुमत नहीं मिल सका।

इजरायल ने हमास की कैद से छुड़ाए 4 बंधक

NEW DELHI : इजरायल ने हमास की कैद से 4 बंधकों को छुड़ा लिया है। इजरायल ने शनिवार को दावा किया है कि उनकी सेना ने गाजा के नुसीरत इलाके में फायरिंग के बीच इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। इजरायलियों को छुड़ाने के लिए चलाए ऑपरेशन में 50 फिलिस्तीनियों की मौत हुई है। इजराइल की डिफेंस फोर्सेस ने इसकी जानकारी दी है। छुड़ाए गए बंधकों में 25 साल की नोआ अर्गमानी नाम की वो लड़की भी है, जिसे हमास लड़ाके जबरन मोटरसाइकिल पर उठा ले गए थे। 7 अक्टूबर को इजराइल पर हुए हमले के बाद नोआ का वीडियो काफी वायरल हुआ था। नोआ के अलावा हमास की कैद से 3 युवकों को छुड़ाया गया है। इजराइल डिफेंस फोर्सेस के प्रवक्ता डेनियल हगारी ने कहा है कि बंधकों को छुड़ाने का ऑपरेशन काफी मुश्किल और जोखिम भरा था।

मणिपुर के जिरीबाम में फिर भड़की हिंसा

उग्रवादियों ने पुलिस चौकी व कई घरों में लगाई आग

PTI @ IMPHAL : शनिवार को मणिपुर के जिरीबाम जिले में संदिग्ध उग्रवादियों ने एक पुलिस चौकी और कई घरों में आग लगा दी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि उग्रवादियों ने देर रात करीब 12:30 बजे बराक नदी के किनारे चोटोबेकरा इलाके में स्थित जिरी पुलिस चौकी को आग के हवाले कर दिया था। राज्य की राजधानी इंफाल से लगभग 220 किलोमीटर दूर स्थित जिले के मोधुपुर क्षेत्र के लामताई खुनौ में पहाड़ी क्षेत्र के संदिग्ध उग्रवादियों ने अंधेरे का फायदा उठाकर कई हमले किए।

जिरीबाम के जिलाधिकारी ने बताया कि जिरीबाम के बाहरी इलाके के कई घरों में आग लगा दी गई, हालांकि अभी सटीक संख्या की पुष्टि नहीं की जा सकती। पुलिस ने बताया कि उग्रवादियों के खिलाफ सुरक्षा अभियान में सहायता के लिए मणिपुर पुलिस की एक कमांडो टुकड़ी को शनिवार सुबह इंफाल से जिरीबाम भेजा गया।

उदयपुर : राजस्थान का मुकुट

घुमक्कड़ की पाती

संजय शेफर्ड
नई दिल्ली

> उदयपुर एक ऐसा शहर है, जिसे एक दिन में पूरा का पूरा घूमा जा सकता है, लेकिन आसपास की जगहों को एक्सप्लोर करने में थोड़ा ज्यादा वक़्त लगता है। इसलिए जिस दिन उदयपुर पहुंचे, उसी दिन हम शहर के प्रमुख पर्यटन स्थलों को एक्सप्लोर करने में लग गए।

राजस्थान के सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में शुमार उदयपुर को झीलों की नगरी कहा जाता है, जिसे देखने के लिए देश ही नहीं, दुनिया भर से लोग आते हैं। इस जगह पर इन झीलों के अलावा तमाम तरह की ऐतिहासिक इमारतें, भव्य किले और कई प्रकार के मंदिर भी देखने को मिलते हैं। यह जगह पर्यटन के साथ-साथ अपने खान-पान और अपनी अलहदा संस्कृति के लिए भी काफी विख्यात है। चारों ओर से सुंदर अरावली पहाड़ियों से घिरे इस शहर को राजस्थान राज्य का मुकुट रत्न भी कहा जाता है। इस जगह पर आकर आप प्राकृतिक सौंदर्य को देखने के साथ, नौका विहार और ऊंट की सवारी का भरपूर मजा ले सकते हैं। हमें राजस्थान की संस्कृति देखनी थी और किसी ऐसे जगह की तलाश थी, जो खूबसूरत होने के साथ ही गर्मी में घूमने के लिए अनुकूल हो। फिर भला उदयपुर से अच्छी जगह कहां मिल सकती थी। हमने तीन दिन की ट्रिप प्लान की और निकल पड़े।

सहेलियों की बाड़ी

उदयपुर एक ऐसा शहर है, जिसे एक दिन में पूरा का पूरा घूमा जा सकता है, लेकिन आसपास की जगहों को एक्सप्लोर करने में थोड़ा ज्यादा वक़्त लगता है। इसलिए जिस दिन उदयपुर पहुंचे, उसी दिन हम शहर के प्रमुख पर्यटन स्थलों को एक्सप्लोर करने में लग गए। सबसे पहले हम सहेलियों की बाड़ी गए, जो फतेहसागर झील के किनारे स्थित है। यह बाड़ी अपने खूबसूरत झरने, गुलाब के बगीचे, बड़े पार्क और संगमरमर के बने फब्बारों के लिए जानी जाती है। इस जगह पर आकर लोग घूमना और अच्छा समय व्यतीत करना पसंद करते हैं। यहां का हरा-भरा वातावरण लोगों को काफी पसंद आता है। यहां एक संग्रहालय भी है, जिससे आपको शाही परिवारों की झलक देखने को मिल सकती है। यह सब हमें बहुत ही अच्छा लगा। किसी ने सुझाव दिया कि गुलाब बाग भी जाना।

गुलाब बाग उदयपुर के सबसे प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों में से एक है। यह एक बहुत बड़े क्षेत्र में फैला उदयपुर का सबसे बड़ा पार्क है। यदि आप प्रकृति और तरह-तरह के फूलों को देखने का शौक रखते हैं तो उदयपुर की यात्रा के दौरान इस जगह पर जरूर जाएं। इस जगह पर एक बहुत ही खूबसूरत लाइब्रेरी है, जिसे सरस्वती लाइब्रेरी के नाम से जाना जाता है। इसी जगह पर विक्टोरिया हॉल भी है, जहां शाही वस्तुओं को रखा गया है। किसी ने शिल्पग्राम के बारे में बताया। शिल्प ग्राम उदयपुर आने वाले पर्यटकों के लिए एक लोकप्रिय स्थान है। इस जगह पर आप देश भर के आदिवासियों की संस्कृति और उनकी जीवनशैली को जान और समझ सकते हैं। इस जगह पर आप तरह-तरह की हाथ की बनी वस्तुएं भी देख और खरीद सकते हैं। शिल्प ग्राम में हर साल दिसंबर के महीने में मेले का आयोजन होता है, जहां आदिवासियों द्वारा बनाए गए हस्तकला की वस्तुओं की बिक्री की जाती है। हमें भी शहर के बाहरी हिस्से में स्थित यह जगह बहुत ही अच्छी लगी।

सनसेट देखना हो तो जाएं दूध तलाई

हम एक और जगह भी गए, जिसे दूध तलाई झील के नाम से जाना जाता है। यह उदयपुर बस स्टैंड से महज दो किमी की दूरी पर है। दूध तलाई लोग डूबते हुए सूर्य को देखने के लिए जाते हैं। इस जगह पर आप भी शाम को जाकर सनसेट देखने का आनंद ले सकते हैं। हम भी शाम को पहुंच गए। इस जगह पर पहुंचने के लिए रोपवे की सवारी लेनी पड़ती है। इस रोपवे के जरिए जैसे-जैसे हम अपने गंतव्य की तरफ पहुंचते हैं, वैसे-वैसे पहाड़ियों का एक अद्भुत नजारा पर्यटकों को देखने को मिलता है।

हल्दीघाटी की मिट्टी आज भी पीली

दूसरे दिन की शुरूआत हमने उदयपुर की बजाय उदयपुर के आसपास की जगहों को घूमने से की। उदयपुर के आसपास वैसे तो काफी कुछ है। लेकिन सभी जगहों को एक दिन में घूम पाना सम्भव नहीं है। इसलिए हम उदयपुर से हल्दीघाटी के लिए निकल पड़े।

हल्दीघाटी महाराणा प्रताप और उनके घोड़े चेतक की गौरवमयी कहानी का प्रतीक है। इस जगह पर पहुंचकर उनकी लड़ी लड़ाइयाँ और शौर्यगाथा की याद आ जाती है। सबसे पहले हमारा सामना एक घाटी से हुआ, जिसकी मिट्टी अभी भी हल्दी की तरह पीली है। इसीलिए इस जगह का नाम हल्दीघाटी पड़ा था। कुछ दूर और आगे जाने पर हमारा परिचय रक्त तलाई, चेतक की समाधि और महाराणा प्रताप संग्रहालय से हुआ।

रक्त तलाई एक बहुत बड़ा सा मैदान है। ऐसा कहा जाता है कि इसी जगह पर हल्दीघाटी का युद्ध लड़ा गया था, जिसकी वजह से यहाँ पूरा तालाब खून से भर गया था, जिसकी वजह से इस जगह की मिट्टी अभी भी लाल है। इस जगह पर लोग इतिहास के पन्नों में पढ़ी गई सच्चाई को ताजा करने के लिए जाते हैं। हम भी गए पर इस जगह पर एक पार्क से ज्यादा कुछ नहीं मिला।

इसी जगह पर चेतक की समाधि है जो हल्दीघाटी के सबसे बड़े आकर्षणों में से है। ऐसा कहा जाता है कि इसी जगह पर महाराणा प्रताप के घोड़े चेतक ने अपना दम तोड़ा था। इस जगह पर ही उसका समाधि स्थल बनाया गया है, जो पुरातत्व विभाग के अधीन आता है। इस जगह पर आपको एक छोटे से पार्क के अंदर बनी उसकी समाधि दिखाई देगी।

दूसरी तरफ का रास्ता महाराणा प्रताप स्मारक की तरफ जाता है। महाराणा प्रताप स्मारक हल्दीघाटी की देखने लायक जगहों में है। इस जगह पर एक बहुत ही बड़ी महाराणा प्रताप की प्रतिमा स्थापित है। यह जगह काफी ऊँचाई पर है, जिसकी चढ़ाई करके पहुँचना होता है। इस जगह से आसपास की पहाड़ियों का दृश्य बहुत ही खूबसूरत दिखाई देता है।

कचौरी और मिर्ची-बड़ा का अनूठा स्वाद

उदयपुर में तीसरा दिन हमने घूमने के साथ-साथ इस जगह के स्ट्रीट फूड को एक्सप्लोर करने में बिताया। उदयपुर में राजस्थान के लोकप्रिय भोजन का स्वाद लेने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। आप घूमने के लिए निकले हैं तो वैसे भी स्वादिष्ट व्यंजन के बिना यात्रा अधूरी होती है। उदयपुर इस मामले में समृद्ध है।

मिर्ची-बड़ा आपने निश्चित ही खाया होगा। यह पूरे राजस्थान के लोकप्रिय स्ट्रीट फूड में से एक है। आपको यह जोधपुर में भी खाने को मिला होगा। उदयपुर में मानक बालाजी स्ट्रीट फूड 1967 से अपने बेहतरीन स्वादिष्ट और मसालेदार मिनी मिर्ची बड़ा पाव के लिए प्रसिद्ध है। इस जगह पर जाकर आपको भी मिनी मिर्ची बड़ा ट्राई करना चाहिए। इस जगह पर उदयपुर की यात्रा करने वाले पर्यटक की लंबी कतार लगी रहती है।

उदयपुर में शाकाहारी व्यंजन के अतिरिक्त आपको मांसाहारी व्यंजन भी देखने को मिल जाएगा। यह बंजारा भी एक तरह का मांसाहारी व्यंजन है, जो लोगों को काफी पसंद आता है। यह बंजारा मुर्ग कई प्रकार के मसालों के साथ धीमी आंच पर चिकन को पकाकर बनाया जाता है। आप यदि खाने-पीने के शौकीन हैं तो आपको भी यह डिश ट्राई करनी चाहिए।

राजस्थान ही नहीं, कचौरी तो पूरे देश में प्रसिद्ध है। बावजूद इसके उदयपुर की कचौरी की बात ही कुछ और ही है। उदयपुर में आपको यह हर जगह पर खाने को मिल जाएगी। एक बार बस चखने की देर है, मसालेदार कुरकुरे कचौरी का स्वाद हर किसी को अपनी ओर आकर्षित कर लेता है। इस जगह पर कचौरी कई प्रकार के दाल और मसालों की स्टफिंग करके प्याज, दही और बहुत कुछ ऐड करके चटनी के साथ परोसा जाता है।

हमने घूमने के साथ उदयपुर के खानपान का भी भरपूर मजा लिया और यह तीन दिन की यात्रा हमेशा हमेशा के लिए हमारी स्मृतियों में बस गई।

कविता

प्रतिभा प्रसाद 'कुमकुम'
जमशेदपुर

मैं हूं नारी

पांव में जो बेड़ियां है, बंधन रखती
खास।
मर्यादित रहने की खातिर, सत्य
सनातन पास।।
हवन कुंड सम जलती रहेगी, हर
हविश में पलती रहेगी।
नारी तो नारी ही रहेगी, सृजन
संसार भौतिक आधारा।।

रिश्तों का बंधन है प्यारा, नारी
नाम हमारा।
मेरी खातिर घर है प्यासा, घर
संसार तुम्हारा।।

बोलो कब मैं नहीं तुम्हारे, कब
जीवन नहीं हारा।
कर्म धर्म में पाप पुण्य में, खिले
प्रसून हमारा।।

हम बिन तुम नहीं, तुम बिन हम
नहीं यारा।
घर संसार हम दोनों का, यही
मुकाम हमारा।।

एक ही चाहत है नारी की, जग में
सम्मान हमारा।
नेह स्नेह से भर दो झोली,
स्वाभिमान हमारा।।

मात-पिता का बंधन प्यारा,
बहन-भाई दुलारा।
मैके से परिपूरित होकर, धन
धान्य ससुराल हमारा।।

साजन की सजनी बन चहकूं, यह
अरमान हमारा।
चूड़ी कंगन बिंदी ही नहीं, सनातन
पहचान हमारा।।

पांव लगे महावर भी हैं, लक्ष्मी रूप
हमारा।
दुर्गा काली लक्ष्मीबाई, लक्ष्य
साधक शक्ति रूप हमारा।।

किन रूपों में चाह तुम्हारी, है वही
रूप हमारा।
मिलो स्नेह से लिए नेह तुम, तजो
तंज अपमान हलाहल सारा।।

रिश्तों में बंट जीना सीखा, ममता
करुणा दया स्वरूपा।
माँ बहन बेटी भगनि हो, सभी रूप
अति प्यारा।।

मैं नारी हूं, हूं मैं नारी, नर से सदा
रही मै भारी।
एक नहीं दो-दो मात्राएं, कर्त्तव्य
सदा वहन करी सारी ।।

कहानी

नंबर वन

गीता दुबे
जमशेदपुर

मैं अपनी जिंदगी से बिल्कुल संतुष्ट थी, कोई शिकायत नहीं थी मुझे जिंदगी से। विवाह के आठ वर्ष बाद ईश्वर ने हमें एक बेटा दिया था, हम दोनों ने उसे नाजों से पाल-पोसकर बड़ा किया, अच्छे स्कूल में पढ़ाया, पढ़ लिखकर वह ऑफिसर बन गया, हमने एक अच्छी लड़की देख उसका विवाह भी कर दिया, वह जल्दी ही दो बच्चों का पिता बन गया और मैं दादी मां बन गई। हमारा भरा-पूरा परिवार था, बेटे और बहू अपनी अपनी नौकरी में व्यस्त थे। वे जिंदगी की दौड़ में बहुत आगे निकल जाना चाहते थे, इसके लिए वे परिश्रम भी किया करते। इस बीच मेरे पति ने मेरा साथ छोड़ दिया, मैं तो टूट ही गई, मैंने तो अपनी सबसे बड़ी ताकत को खो दिया था, लेकिन मैंने देखा बेटे-बहू में कोई खास फर्क नहीं आया, वे पहले की ही तरह व्यस्त रहते थे, हों भी क्यों न! उन्हें समय से पहले बहुत कुछ हासिल करना था। पति के चले जाने के बाद से मैं अक्सर बीमार रहने लगी, शुगर, ब्लड प्रेशर की शिकार तो पहले से ही थी, अब कुछ ब्रीदिंग प्रॉब्लम भी रहने लगी। जोड़ों में दर्द जैसी सारी बीमारियों ने मुझे जकड़ लिया और मैं बिस्तर पर पड़ गई। मैं जानती थी कि बहू-बेटे पर मैं एक बोझ बन गई हूं, लेकिन क्या करूं, मैं लाचार थी। बहू-बेटे ने मुझसे कभी कुछ नहीं कहा, मेरी देख-भाल के लिए उन्होंने एक फुल-टाइम अटेंडेंट रख दिया। मैं भी अपनी कोई परेशानी उनसे नहीं कहती, मैं जानती थी-

क्या मिलेगा कहकर, जो भी परेशानी है उसे सह लेना ही बेहतर है। वैसे भी मैं उनके आगे बढ़ने में, समय से पहले सब कुछ हासिल करने में बाधा बनना नहीं चाहती थी, मुझे आभास हो गया था कि इसी बिस्तर पर मैं अपनी अंतिम सांसें लूंगी।

एक दिन एक घटना मेरे साथ हो गई, घर पर अकेला पाकर यमराज जी मेरे सामने प्रकट हो गए, कहने लगे- तुम्हारे दिन अब पूरे हो चुके हैं, किसी से कुछ गिला-शिकवा है तो दूर कर लो। मैंने कहा–नहीं यमराज जी, मुझे किसी से कुछ गिला-शिकवा नहीं है, पूरे डेढ़ महीने से इस बिस्तर पर पड़ी हूं, अब उठा लीजिए। बस आपसे एक ही विनती है। यमराज जी ने कहा- क्या है विनती?

विनती यह है यमराज जी कि इस घर में सभी काफी व्यस्त रहते हैं, रविवार को सभी देर से सोकर उठते हैं, सुबह के 10-11 बजे तक नाश्ता करते हैं और फिर उसके बाद तीन चार घंटे फ्री रहते हैं, उसी समय आप मुझे उठा लीजिएगा, ताकि अपने फ्री टाइम में ही वे मुझे निपटा लें। मां हूं न! बच्चों का ख्याल हमेशा सर्वोपरि रहता है और एक बार फिर कहती हूँ कि उनकी व्यस्त दिनचर्या में मैं बाधा बनना नहीं चाहती।

यमराज ने मुस्कुराकर कहा-

कोई और विनती होती तो मैं जरुर मान लेता, लेकिन मेरी मजबूरी है मैं आपकी यह विनती नहीं मान सकता, यह पूर्णतः मेरी इच्छा पर निर्भर करता है कि मैं किसे, कब, कहां और कैसे अपने पास बुला लूं, अतः मैं आपकी यह विनती नहीं मान सकता।

दूसरे दिन ज्यादा काम होने के कारण बेटे को घर आते-आते रात के ग्यारह बज गए। काफी थका दिख रहा था, उसे देखकर ऐसा लग रहा था, मानो वह खड़े-खड़े ही निद्रा देवी की गोद में समा जाए। मैं चाहती थी कि वह जल्द से जल्द खा-पीकर बिस्तर पर चला जाए, लेकिन मेरे लाख मना करने पर भी यमराज जी नहीं माने, मुझसे उन्होंने उसी समय कहा कि अब तुम्हारा समय पूरा हो गया। अभी इसी वक्त तुम्हे मेरे पास आना होगा, फिर अचानक मेरे सीने में ऐसा दर्द हुआ कि मैं छटपटाने लगी, बेटा- बहू दौड़कर मेरे पास आए, मुझे अस्पताल ले जाने लगे लेकिन अस्पताल पहुंचने के पहले ही रास्ते में ही मैं यमराज जी के पास चली आई थी। मैं यमराज जी के पास आकर संतुष्ट थी, मेरी आत्मा कोई भटकने वाली नहीं थी, मेरी सभी इच्छाएं पूरी हो चुकीं थीं। मैंने देखा मेरे बेटे-बहू कुछ निश्चिंत लग रहे थे, रात भर के लिए उन्होंने मुझे अस्पताल के शव गृह में छोड़ दिया और वे दोनों घर चले आए। दूसरे दिन मैं सुबह-सुबह घर पर लाई गई, घर के पास कुछ लोगों की भीड़ लगी हुई थी, मेरी पूजा की गई, मुझे फूलों से सजाया गया, फिर एक ट्रक पर रखकर मुझे शमशान लाया गया, वहां पहले से ही पाँच शव इन्तजार कर रहे थे। मैंने सुना बेटा एक सफेद कमीज वाले व्यक्ति से कह रहा था–

अरे जाकर बात कर नंबर-वन पे ले चलिए, कुछ ले-देकर बात बन जाती है तो ठीक है, कहिए कि हम पांच मिनट में पूजा खत्म करवा देंगे और फर्नेस में ही जलाएंगे, पर्यावरण के हिसाब से भी ठीक है और समय की बचत भी है। चार-पांच लोगों के साथ बेटा खड़ा था, कह रहा था, डेढ़ महीने से खटिया पकड़ ली थी.. कल 11 बजे ऑफिस से लौटने के बाद..फिर हमलोग अस्पताल ले गए.. ऑफिस में काम बहुत बढ़ गया है..परसों नए प्रोजेक्ट का प्रेजेंटेशन है.. कैंसिल नहीं कर सकते.. बाहर से क्लाइंट आ रहा है.. मैं इन्तजार में थी कि मेरा इकलौता बेटा बस इतना ही कहता कि मैं अब अनाथ हो गया या मेरी माँ एक अच्छी माँ थी या कुछ भी मेरे बारे में, लेकिन उसने ऐसा नहीं कहा। मुझे नंबर-वन मिल गया और कुछ ही सेकेंड में शरीर के रूप में जो मेरी अस्तित्व बची थी, वह खत्म हो गई।

SCAN ME

1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।
2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

BRIEF NEWS

कृपा इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी में तैनात गार्ड की मौत

RANCHI : कृपा इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी में तैनात एक गार्ड की संदिग्ध परिस्थिति में छत से गिरकर मौत हो गयी. यह घटना आज शनिवार को नामकुम थाना क्षेत्र में घटी. वीएसएफ कंपनी का गार्ड कृपा इंफ्रास्ट्रक्चर में तैनात था. मृतक गार्ड की पहचान पुरषोत्तम कुमार तिवारी रूप में हुई है. कृपा इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी बिल्डिंग निर्माण का काम करती है. घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची. गार्ड के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया. गार्ड ने छत से कूद कर आत्महत्या की है या उसकी गिरने से मौत हुई है, पुलिस इसकी जांच कर रही है.

बैंक ऑफ इंडिया 12 जून को मनाएगा समझौता दिवस

RANCHI : बैंक ऑफ इंडिया देश भर में 12 जून को समझौता दिवस मना रहा है। बैंक अपनी सभी शाखाओं, अंचल और एफजीएमओ में एकमुश्त समझौता (ओटीएस) के तहत उधारकताओं के एनपीए ऋण खातों का निपटान करने के लिए यह दिवस मना रहा है। समझौता दिवस विशेष रूप से उन एनपीए उधारकताओं के लिए आयोजित किया गया है जो उधारकर्ता व्यवसाय/चिकित्सा स्थिति में परेशानी या किसी अन्य वास्तविक कारण के कारण समय पर अपना ऋण नहीं चुका सके हैं। बताया गया कि बैंक के पास छोटे मूल्य के खातों और मध्यम आकार के खातों के निपटान के लिए विशेष ओटीएस योजनाएं हैं, जिसके माध्यम से एनपीए उधारकताओं को विशेष और अच्छी छूट की सुविधा है।

डीजीपी 10 को पुलिस मुख्यालय में करेंगे बैठक

RANCHI : डीजीपी अजय कुमार सिंह आगामी 10 जून को 11.30 बजे से विधि व्यवस्था समेत कई महत्वपूर्ण बिंदुओं को लेकर झारखंड पुलिस मुख्यालय में समीक्षा बैठक करेंगे। आचार संहिता हटने के बाद पहली बार सभी जिलों के एसपी, रेंज के डीआईजी और जोनल आईजी के साथ बैठक आयोजित की गयी है।

परीक्षा दोबारा करने के लिए छात्रों ने किया प्रदर्शन

RANCHI : शनिवार को रांची शहर के राजकीय पुस्तकालय से लेकर अल्बर्ट एक्का चौक तक पुस्तकालय के छात्रों द्वारा जेएसएससी सीजीएल परीक्षा जल्द से जल्द आयोजन करवाने को ले कर कैंडल मार्च निकाला अल्बर्ट एक्का चौक पर प्रदर्शन किया गया। ज्ञात हो की पूर्व में जेएसएससी द्वारा सीजीएल परीक्षा का आयोजन किया गया था। पेपर लीक होने के कारण परीक्षा रद्द कर दी गई थी। छात्रों का कहना है कि परीक्षा रद्द हुए करीब 5-6 महीने हो चुके हैं, उसके बावजूद परीक्षा नहीं कराई जा रही है। इससे छात्रों में असंतोष बढ़ रहा है। प्रदर्शन में मुस्लिम स्टूडेंट फेडरेशन के रांची विवि के अध्यक्ष शाहबाज हुसैन सहित काजल सर, आमिर फिरदौस , आशिक अंसारी, हाफिज अंसारी, रवि कुमार , जतिन राम, रामेश्वर सहित सैकड़ों छात्र शामिल हुए।

7.65 एमएम की एक पिस्टल, 2 राउंड गोली, एक देशी कट्टा, कारतूस, मोबाइल बरामद

पुलिस को बड़ी सफलता, कंटेनर में मजदूर को जिंदा जलाने वाले 5 अपराधी गिरफ्तार

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड की राजधानी रांची में बीएसएनएल के लिए ऑप्टिकल फाइबर बिछा रही कंपनी के एक कंटेनर में मजदूर को जिंदा जलाने के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है. इस केस में पुलिस ने 5 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान रवि मुंडा उर्फ प्रभात जी पिता राजू मुंडा ग्राम महुआटांड़ चारा थाना चान्हो जिला रांची, महेश उरांव पिता सुकरा उरांव ग्राम तेतरटोली थाना चान्हो जिला रांची, रुपेश पाहन उर्फ रूपेश मुंडा पिता झरी पाहन ग्राम दुल्ली थाना मैक्लुस्कीगंज जिला रांची, दिनेश उरांव पिता चुंडा उरांव ग्राम महुआटांड़ थाना चान्हो जिला रांची और अनीश केरकेट्टा पिता अशोक मुंडा ग्राम केदल थाना मैक्लुस्कीगंज जिला रांची के रूप में हुई है। रांची के एसपी (ग्रामीण) के निर्देश पर मामले की जांच के लिए एक टीम का गठन किया गया। इसमें खलारी के पुलिस उपाधीक्षक के अलावा खलारी के थाना प्रभारी, मैक्लुस्कीगंज के थाना प्रभारी और अन्य पुलिसकर्मियों को शामिल किया गया। टीम बनने के बाद जांच शुरू कर दी गई। पुलिस ने बताया कि शिकायत करने वालों के पास धमकी का एक ऑडियो था। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से ऑडियो की आवाज की पहचान की। उसके आधार पर अभियुक्तों तक पहुंची और अन्य सूत्रों से घटना को अंजाम देने वालों की पहचान के बाद उनको गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि इन लोगों की गिरफ्तारी के लिए मैक्लुस्कीगंज थाना क्षेत्र एवं आसपास के इलाकों में लगातार छापेमारी की जा रही थी। इसी दौरान शुक्रवार (7 जून) को पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि दुल्ली गांव के पास स्थित जंगल के पास 3 अपराधी रवि मुंडा उर्फ प्रभात जी, रुपेश पाहन उर्फ रुपेश मुंडा एवं महेश उरांव मौजूद हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने इन तीनों को हिरासत में ले लिया। इन लोगों से सघन पूछताछ की गई, तो सभी ने अपराध स्वीकार कर लिया। कंटेनर को जलाने की बात भी स्वीकार की। इन लोगों ने बताया कि 13 मई को कंपनी की साइट पर जाकर मजदूरों को धमकी दी थी। कंपनी के चालक का मोबाईल भी ये लोग ले गए थे। उसी मोबाईल से ठेकेदार को फोन करके उससे 2 लाख रुपए रंगदारी देने के लिए कहा गया था। ठेकेदार ने कहा कि वह 20 हजार रुपए से अधिक नहीं देगा। ठेकेदार ने इतने पैसे भी नहीं दिए, तो गुस्से में आकर उनलोगों ने घटना को अंजाम दिया। इन लोगों ने घटना में शामिल अन्य लोगों के नाम भी उजागर कर दिए। इन अपराधियों ने पुलिस को यह भी बताया कि 19 मार्च 2024 को हुरहू बसरिया में बन रहे पुल के संवेदक से उग्रवादी संगठन जेजेएमपी के प्रभात जी के नाम पर रंगदारी मांगने के लिए गए थे। वहां भी कई मजदूरों के साथ मारपीट की थी। मजदूरों के 2 मोबाईल फोन भी छीनकर ले गए थे।

29 मई को मजदूर को जिंदा जला दिया गया था

रांची पुलिस ने बताया कि जिले के मैक्लुस्कीगंज में 29 मई की रात को चामा-मैक्लुस्कीगंज रोड पर स्थित दुल्ली करमकोचा टडोला के पास सड़क किनारे खड़े कंटेनर को अज्ञात अपराधियों ने आग लगा दी थी। इस कंटेनर में संजय भुइयां नामक मजदूर जिंदा जल गया था। इस संदर्भ में सिंह इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड के चालक अखिलेश ठाकुर की लिखित शिकायत पर मैक्लुस्कीगंज थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

अपराधियों के बारे में जानकारी देते पुलिस अधिकारी। ● फोटोन न्यूज

अपराधियों के पास से पुलिस को मिलीं ये चीजें

इनके पास से पुलिस ने 7.65 एमएम की एक पिस्टल, 7.65 एमएम की 2 राउंड गोली, एक देशी कट्टा, 8 एमएम के 4 कारतूस, विभिन्न कंपनियों के 5 मोबाईल फोन, लूटे गए 2 मोबाईल फोन और 2 मोटरसाइकिल बरामद किया है। पकड़े गए अपराधियों रवि मुंडा और रूपेश मुंडा का आपराधिक इतिहास रहा है। रवि बेड़ो का रहने वाला है, जबकि रूपेश रांची जिले के ही मैक्लुस्कीगंज थाना क्षेत्र का निवासी है।

विशेष लोक अदालत में 115 केस निष्पादित, 4.87 करोड़ का सेटलमेंट

PHOTON NEWS RANCHI : मोटर वाहन दुर्घटना से संबंधित विशेष लोक अदालत में शनिवार को 115 मामलों का निष्पादन कर 4.87 करोड़ की राशि प्राप्त की गयी। इस राशि को पीड़ितों और पीड़ितों के आश्रितों के बीच बांटा गया। न्यायायुक्त के हाथों भी पक्षकारों के बीच चेकों का वितरण किया गया। झारखंड हाई कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस और झालसा के कार्यपालक अध्यक्ष सुजीत नारायण प्रसाद के दिशा-निर्देश और रांची सिविल कोर्ट के प्रधान न्यायायुक्त दिवाकर पांडे के मार्गदर्शन पर मोटर वाहन दुर्घटना से संबंधित विशेष लोक अदालत लगायी गयी। तीन जून से सात जून तक रांची के व्यवहार न्यायालय परिसर में पक्षकारों के साथ मोटर वाहन दुर्घटना के मामलों पर समझौते के लिए प्री-लोक अदालत की बैठक आयोजित की गयी। इस विशेष लोक अदालत (मोटर दुर्घटना दावा मामले) के लिए एक बेंच का गठन किया गया था। इस विशेष लोक अदालत में कुल 500 चिह्नित वादों को निष्पादन के लिए बेंच के समक्ष रखा गया, जिनमें से कुल 115 वादों का निष्पादन किया गया और 4,87,45,000 (चार करोड़, सतासी लाख पैंतालिस हजार) की राशि प्राप्त की गयी।

लोक अदालत में मौजूद लोग। ● फोटोन न्यूज

चम्पाई जैसा रीढ़विहीन सीएम आज तक नहीं देखा: बाबूलाल

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने सीएम चंपाई सोरेन पर निशाना साधा है। सोशल मीडिया एक्स में लिखा है कि झारखंड ने चंपाई सोरेन जैसा रीढ़विहीन मुख्यमंत्री आज तक नहीं देखा। आलमगीर आलम के भ्रष्टाचार उजागर होने के बावजूद चंपाई सोरेन उन्हें मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे। सूचना के मुताबिक कठपुतली मुख्यमंत्री ने आलमगीर आलम के दायित्व वाले विभाग वापस लिए हैं, लेकिन मंत्री पद से नहीं हटाया है। बीते 4 साल झारखंड की जनता विशेषकर युवाओं के लिए भारी रहे हैं। झारखंड के युवा नौकरी की आस में टकटकी लगाए बैठे रहे लेकिन हेमंत सोरेन ने स्थानीय युवाओं को नियोजन नीति, 60:40, बाहरी-भीतरी और पेपर लीक जैसे मुद्दों में उलझा कर नौकरियों की सौदेबाजी करने का प्रयास किया। हेमंत के जेल जाने के बाद जनता को आस थी कि चम्पाई सोरेन नियुक्ति प्रक्रिया में पारदर्शिता लाएंगे, भ्रष्टाचार को रोकेंगे, अपराधियों पर लगाम कसेंगे लेकिन हुआ इसके ठीक विपरीत।

मांडर की टीम बनी यूनाइटेड प्रीमियर लीग की विजेता

विजेता टीम को पुरस्कार देते अतिथि। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS PITHAURIYA : शनिवार को यूनाइटेड क्रिकेट क्लब के तत्वावधान में अंडर 14 यूनाइटेड प्रीमियर लीग का पहला फाइनल मैच कांके के सुकुरहुट्टू मैदान में खेला गया। फाइनल मुकाबला नाइट रॉयल क्रिकेट क्लब और मांडर स्पोर्ट्स क्रिकेट क्लब के बीच खेला गया। इस साल के सीजन की विजेता मांडर की टीम रही। टूर्नामेंट में मुख्य अतिथि के रूप में कांके प्रखंड उप प्रमुख अंजय बैठा और विशिष्ट अतिथि के रूप में झारखंड अंडर-23 टीम के खिलाड़ी पंकज यादव भी शामिल हुए। मौके पर उप प्रमुख अंजय बैठा ने कहा कि मेरा हमेशा प्रयास रहता है कि छोटे-छोटे कस्बों, गांवों से खिलाड़ी अपनी प्रतिभा को पूरे देश दुनिया मे निखारें और हर क्षेत्र से धोनी की तरह खिलाड़ी निकलें।

झारखंड से चलने वाली 36 ट्रेनों का समय बदला

PHOTON NEWS RANCHI : रांची रेल मंडल से चलने वाली कुछ ट्रेनों की समय सारणी में 11 जून से परिवर्तन किया गया है। इसमें 36 ट्रेनों के समय सारिणी में विभिन्न स्टेशनों पर परिवर्तन किया गया। इनमें 08149 हटिया-राउरकेला पैसेंजर का बालसिरिंग से प्रस्थान सुबह 08:10 बजे, 12835 हटिया-बेंगलुरू एक्स. का हटिया से प्रस्थान शाम 6:05 बजे, बानो से प्रस्थान 7:14 बजे, 12836 बेंगलुरू-हटिया एक्सप्रेस का हटिया आगमन शाम 6:15 बजे होगा। उसी तरह रांची से चलने वाली 18637 हटिया-बेंगलुरू एक्सप्रेस का हटिया से प्रस्थान शाम 6:05 बजे, ट्रेन संख्या 18638 बेंगलुरू-हटिया एक्सप्रेस का हटिया आगमन सुबह 11:45 बजे, 12811 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-हटिया एक्सप्रेस का हटिया आगमन सुबह 4:30 बजे, 22837 हटिया-एणार्कुलम एक्सप्रेस का हटिया से प्रस्थान शाम 6:05 बजे, 22838 एणार्कुलम-हटिया एक्सप्रेस का हटिया आगमन दोपहर 3:20 बजे, 18616 हटिया-हावड़ा क्रिया योग एक्सप्रेस का हटिया से प्रस्थान रात 9:30 बजे व रांची से प्रस्थान रात 10:00 बजे करेगी।

जमा हथियार वापस ले जाने का आदेश जारी

RANCHI : रांची जिला प्रशासन ने स्वतंत्र, निष्पक्ष और भयमुक्त लोकसभा चुनाव संपन्न कराने के लिए लाइसेंसी हथियार धारकों से हथियार जमा करवाये थे. चुनाव संपन्न होने के बाद प्रशासन ने जमा हथियारों को वापस ले जाने का आदेश जारी किया है। बता दें कि रांची में लगभग 3417 लाइसेंसधारी हैं, जिनमें से लगभग 2288 लोगों ने अपने लाइसेंस जमा करवाये थे। वहीं 525 लाइसेंस धारकों को छूट दी गयी थी। लोकसभा चुनाव को कर 20 मार्च को रांची जिला प्रशासन लाइसेंस जमा करने का आदेश जारी किया था। लाइसेंस जमा नहीं कराने वाले 396 लाइसेंसधारियों के लाइसेंस, जिला प्रशासन ने शस्त्र अधिनियम 1959 की धारा-17 के अन्तर्गत कार्रवाई करते हुए रद्द कर दिये थे।

संत पीटर चर्च में 30 बच्चों ने परम प्रसाद किया ग्रहण, 60 बच्चों का हुआ दृढ़ीकरण संस्कार

PHOTON NEWS RANCHI : ब्राम्बे के संत पीटर चर्च में शनिवार को परम प्रसाद और दृढ़करण संस्कार का आयोजन किया गया। इसमें कैथोलिक के 30 बच्चों ने प्रभु यीशु के परम प्रसाद को संस्कार के रूप मे ग्रहण किया। वहीं 60 बच्चों ने पहली बार दृढ़ीकरण संस्कार ग्रहण किया। धर्मविधि की अगुवाई आर्चबिशप विसेंट आइंद ने की। इससे पहले आर्चबिशप विसेंट आइंद का जोरदार स्वागत किया गया। नाचते-गाते और ढोल-नगाड़ा बजाते आर्चबिशप विसेंट आइंद को चर्च में प्रवेश कराया गया। मिस्सा बलिदान अर्पित करने के बाद सभी बच्चों का संस्कार कराया गया। आर्चबिशप विसेंट आइंद ने बच्चे और बच्चियों को पवित्र आत्मा के सात वरदानों का मर्म समझाया। कहा कि पवित्र आत्मा जीवन जीने में सहायता करते हैं। जिससे हमारा जीवन संचालित होता है। जीवन का मिशन कार्य पूरा होता है। इसमें पवित्र आत्मा सहायता करते हैं। तभी हम अपने जीवन में सफल होते हैं। मौके पर ब्राम्बे के पल्ली पुरोहित इरेनियूस केरकेट्टा, सहायक पुरोहित फादर प्रदीप मिंज व फादर रोशन टोप्पो, फादर एडवाड, फादर असीम मिंज समेत अन्य धर्म विश्वासी मौजूद रहे।

वन उपज पर वन निगम का कब्जा, ग्रामीणों को कम मिलती है मजदूरी, पेसा और वन अधिकार अधिनियम 2006 कानून देता है ग्राम सभा को अधिकार

कानून तो बना, पर झारखंड के 11 हजार गांवों को नहीं मिले अधिकार

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में केंदू पत्ता संग्रहण में लगभग एक लाख परिवार लगे हैं, जिन्हें साल भर में 20 से 30 दिन तक का रोजगार मिलता है। राज्य सरकार ने केंदू पत्ता संग्रहण को लेकर 2015 में नीति बनायी थी। सरकार ने केंदू पत्ता संग्रहण को बढ़ावा देने की जिम्मेवारी झारखंड राज्य वन विकास निगम लिमिटेड को सौंपी है। केंदू पत्ता सबसे अधिक रांची, गढ़वा, पलामू के अलावा धालभूमगढ़ में होता है। पलामू में सिर्फ पलामू व्याघ्र परियोजना (पीटीआर) के अंदर केंदू पत्ता संग्रहण पर रोक है, जबकि पेसा और वन अधिकार अधिनियम ने केंदू पत्ते सहित लघु वन उपज के संग्रहण और बिक्री का अधिकार ग्रामसभा को दिया है, लेकिन राज्य में इसे कभी भी सही तरीके से लागू नहीं किया गया। इसके कारण राज्य के 11 हजार से अधिक गांव जो वन क्षेत्र के करीब है, वहां से आदिवासियों का पलायन रोकने में राज्य सरकार कभी भी सक्षम नहीं हो सकी। वहीं महाराष्ट्र के गोंदिया व गढ़चिरौली इलाके में ग्राम सभा के माध्यम से फेडरेशन बनाकर केंदूपत्ता और लघु वन उपज का व्यापार किया जा रहा है। इसके कारण वहां के लोगों को प्रति मानक बोरा दस हजार रुपये तक मिल रहे हैं। लेकिन राज्य वन विकास निगम लिमिटेड झारखंड में केंदू पत्ता संग्रह करने वाले परिवार को मात्र 1750 रुपये प्रति मानक बोरा देता है। लघु वन उपज जैसे केंदू पत्ता, गैर-लकड़ी वन उत्पादों को इकट्ठा करने और बिक्री करने का अधिकार ग्राम सभा को देता है। इसके बाद भी राज्य में इसे कभी लागू नहीं किया गया। झारखंड में करीब 11 हजार गांव वन क्षेत्र में है। इन इलाकों से रोजगार के लिए आदिवासियों का पलायन अधिक होता है। पेसा और वन अधिकार के प्रावधानों को बेहतर तरीके से लागू करने पर इस इलाके की हालत में कुछ बदलाव संभव हो सकता है। महाराष्ट्र के गोंदिया व गढ़चिरौली के इलाके में ग्राम सभा के माध्यम से फेडरेशन बनाकर भी केंदू पत्ता और लघु वन उपज का व्यापार किया जा रहा है, जिसका फायदा वहां रहने वाले लोगों को मिल रहा है। महाराष्ट्र के 5 जिलों में 170 से अधिक गांवों में 7 ग्रामसभा महासंघ इस बिजनेस मॉडल पर काम कर रहे हैं। इस वर्ष केंदू पत्ता का रेट 10,000 रुपये प्रति मानक बोरी से भी ऊपर तक गया है।

कानून लागू होने से गांवों में आएगी समृद्धि

फादर जार्ज मोनोपोली कहते हैं कि वन विभाग आदिवासियों को अधिकार नहीं देना चाहता है। वह सीधे तौर पर कानून को ताक पर रख काम कर रहा है, सरकार भी चुप है। राज्य सरकार को इस दिशा में पहल करनी चाहिए। सुधीर पाल कहते हैं कि सरकार वन अधिकार कानून और पेसा को सही तरीके से लागू करे तो झारखंड के गांव पलायन के लिए नहीं बल्कि समृद्धि को लिए जाने जायेंगे।

क्या है कानून में प्रावधान

सामुदायिक वन संसाधन अधिकार (सीएफआर) : धारा 3(1) वन में रहने वाली अनुसूचित जनजातियों और अन्य पारंपरिक वन निवासियों को मामूली वन संसाधनों को इकट्ठा करने और निपटान करने का अधिकार देता है।

स्वामित्व और पहुंच : धारा 3(1)(सी) इन समुदायों को केंदू पत्ता सहित लघु वन उपज पर स्वामित्व अधिकार प्रदान करती है। वे इन उत्पादों को स्थायी रूप से एकत्र, उपयोग और निपटान कर सकते हैं।

प्रबंधन और बिक्री का अधिकार : समुदाय लघु वन उपज को व्यक्तिगत रूप से या सहकारी समितियों या अन्य सामुदायिक संस्थानों के माध्यम से बेच सकता है।

राज्य नियंत्रण से छूट : अधिनियम की धारा 4(1) में कहा गया है कि केंदूपत्ता सहित लघु वन उपज का अधिकार, वन विभागों द्वारा लगाये गये पिछले प्रतिबंधों के अधीन नहीं है, जो प्रभावी रूप से समुदायों को इन संसाधनों पर अधिक स्वायत्तता प्रदान करता है।

साकची के बोधि मंदिर मैदान में विद्यापति स्मृति पर्व समारोह में जुटे पूरे शहर के मैथिल

'आजु मिथिला नगरिया निहाल सखिया'

दिल्ली व दरभंगा से आए लोकगायकों ने बांधा समां, अतिथियों को भेंट किया पाग

PHOTON NEWS JSR: मिथिला सांस्कृतिक परिषद की ओर से शनिवार की शाम साकची के बोधि मंदिर मैदान में सचमुच मिथिला नगरी अवतरित हो गई थी। उस पर मैथिली गायक-गायिकों ने अपने मिथिला के पारंपरिक लोकगीतों से चार चांद लगा दिया। विद्पति स्मृति पर्व में 'आजु मिथिला नगरिया निहाल सखिया, चारों दुलहा में बड़का कमाल सखिया...' जैसे गीतों से जमशेदपुर की माटी मिथिला की महानता से सराबोर हो उठी। यही नहीं विद्यापति के गीत 'अभिनव कोमल सुन्दर पात।
सगर कानन पहिरल पट रात।
मलय-पवन डोलय बहु भांति
अपन कुसुम रसे अपनहि माति...'
ने उस महान कवि की स्मृति को ताजा कर दिया, जिसकी स्तुति करने पूरे शहर से मैथिल जुटे थे। दिल्ली से आए विकास झा व स्वाति झा, दरभंगा के रामसेवक ठाकुर, ऋषभ झा व पूनम मिश्रा के अलावा स्थानीय गायक पंकज झा व शंकरनाथ झा ने अपने गीतों से सभी को निहाल कर दिया।

कार्यक्रम में शहर के गणमान्य अतिथियों ने भी मिथिला की महानता का बखान किया। सभी अतिथियों को मिथिला का पाग पहनाकर सम्मानित किया गया। आयोजन समिति के सदस्य भी मिथिला की वेशभूषा में उपस्थित रहे। इस मौके पर बतौर अतिथि स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता, कांग्रेस जिलाध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे, जुस्को श्रमिक यूनियन के अध्यक्ष रघुनाथ पांडेय व कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष नट्टू झा उपस्थित थे। आयोजन को सफल बनाने में अध्यक्ष शिशिर कुमार झा, महासचिव सुजीत कुमार झा, कोषाध्यक्ष अमर कुमार झा, प्रेस प्रभारी बबलू झा, मोहन ठाकुर, पंकज राय, रणजीत झा, शिवचंद्र झा, राजेश झा, सुर रंजन राय, अनिल झा, गोपालजी चौधरी, मिथिलेश झा, धीरेंद्र झा, चंद्रभान झा, राजेंद्र कर्ण आदि सक्रिय रहे।

साकची के बोधि मंदिर मैदान में लोकगीत प्रस्तुत करते कलाकार • फोटोन न्यूज

विद्यापति स्मृति पर्व समारोह में उपस्थित मैथिल महिलाएं • फोटोन न्यूज

प्रदर्शनी में दिखी मिथिला की कला-संस्कृति

गीत-संगीत के साथ कार्यक्रम स्थल पर न केवल मिथिला के व्यंजनों के स्टॉल लगे थे, बल्कि प्रदर्शनी भी लगी थी। यहां मिथिला के साहित्य, हस्तकला व मिथिला पेंटिंग का भी शहरवासियों ने अवलोकन किया। व्यंजन वाले स्टॉल में अदौरी, तिलौरी, तिलकोर, सकरोड़ी, मखाना खीर, मछली का अचार आदि थे।

'गलवान वीर' को मिला सर्वश्रेष्ठ संथाली फिल्म अवार्ड

JAMSHEDPUR : सिदगोड़ा स्थित बिरसा मुंडा टाउन हॉल में शनिवार को रंगारंग प्रस्तुति के साथ 12वां संताली फिल्म रास्का अवार्ड-2024 हुआ। इसमें सर्वश्रेष्ठ फिल्मों के लिए तीन फिल्मों को चुना गया था, जिसमें गलवान वीर को सर्वश्रेष्ठ फिल्म (व्यूअर्स च्वाइस) का अवार्ड मिला, जबकि बिंदी गाणाक व निमार्या को भी कई पुरस्कार मिले। उदघाटन समारोह के उदघाटनकर्ता व मुख्य अतिथि टाटा स्टील फाउंडेशन ट्राइबल आइडेंटिटी के हेड जीरेन जेवियर टोपनो, जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय समापन समारोह के मुख्य अतिथि थे। इस समारोह में पद्मश्री चामी मुर्मू, साहित्य अकादमी बाल साहित्य पुरस्कार विजेता मानसिंह माझी, साहित्य अकादमी अनुवाद पुरस्कार विजेता वीर प्रताप मुर्मू को सम्मानित किया गया। इस अवार्ड समारोह में जिन कलाकारों ने नृत्य व गीत से दर्शकों-श्रोताओं का मनोरंजन किया, उसमें माधुरी डांस ग्रुप, रोमियो बास्के डांस ग्रुप, राजू राज एंड सोनी डांस ग्रुप, गायक नुनाराम मुर्मू एवं गायिका डुमनी मुर्मू शामिल थी।

समाचार सार

समर कैंप में विद्यार्थियों ने सीखा रिज्यूम बनाना

JAMSHEDPUR : वर्कर्स कॉलेज में सात दिवसीय समर कैंप के दूसरे दिन योग, स्पोर्ट्स, स्पोकन इंग्लिश, तथा बॉयोडाटा राइटिंग का वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस वर्कशॉप में प्रो शोभा मुवाल, प्रो. अमित मेहता, प्रो. मोनीदीपा दास ने प्रतिभागियों को व्यक्तित्व विकास और प्रस्तुतिकरण के गुर बताये। समर कैम्प के कार्यक्रम संयोजक डॉ वाजदा तबस्सुम ने बताया कि कैंप में विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक विकास के साथ उन्हें मनोरंजन और ज्ञान भी प्राप्त हो रहा है। यह समर कैम्प 13 जून तक प्रतिदिन प्रातः 8.30 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक चलेगा।

रवि मुर्मू ने 25वीं बार किया रक्तदान, सम्मानित

JAMSHEDPUR : करनडीह क्षेत्र के गईताडीह निवासी रवि मुर्मू ने तीन बार एसडीपी डोनेशन के साथ साथ 25वीं बार रक्तदान किया। इनका ब्लड ग्रुप ड+ है। इस अवसर पर जमशेदपुर ब्लड सेंटर के जीएम संजय चौधरी ने उन्हें मेमेंटो देकर सम्मानित किया। रवि मुर्मू सामाजिक संस्था नई जिंदगी परिवार, जमशेदपुर के सक्रिय सदस्य हैं और नियमित रूप से रक्तदान करते रहते हैं।

पीएम के शपथ ग्रहण में शामिल होंगे भाजपा नेता

JAMSHEDPUR : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को तीसरी बार प्रधानमंत्री पद का शपथ ग्रहण करेंगे। इस समारोह में भाग लेने जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा के साथ जमशेदपुर लोकसभा के संयोजक नंदजी प्रसाद, पूर्वी सिंहभूम ग्रामीण जिलाध्यक्ष चंडी चरण साव एवं सरायकेला जिलाध्यक्ष उदय सिंह देव भी शामिल होंगे।

सुंदरनगर थाना पहुंचे ग्रामीण एसपी

JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम जिले के ग्रामीण एसपी ऋषभ गर्ग शनिवार को सुंदरनगर थाना पहुंचे। यहां उन्होंने थाना के साथ-साथ अभिलेखों का भी निरीक्षण किया। लंबित वारंट और कुर्की का समय पर पहल करने के लिए कहा गया। अपराध पर नियंत्रण के लिए सघन गश्ती करने को कहा। ग्रामीण एसपी ने थाना क्षेत्र की भी जानकारी ली। कहीं अगर किसी तरह की समस्या है तो उसके बारे में भी पूछा।

आसनसोल मेमू 11 को नहीं आएगी टाटानगर

JAMSHEDPUR : आद्रा मंडल में लाइन ब्लॉक के कारण आसनसोल मेमू ट्रेन 11 जून को टाटानगर नहीं आकर आद्रा से ही अपडाउन करेगी। रांची हावड़ा इंटरसिटी एक्सप्रेस 23 से 25 जून तक आद्रा की बजाय कोटशिला, पुरुलिया व चांडिल के बाद टाटानगर स्टेशन होकर अप डाउन करेगी। दूसरी ओर दीघा मालदा टाउन एक्सप्रेस 23 जून को चांडिल से जयचंडी पहाड़ के बजाय टाटानगर होकर चलेगी। जबकि आद्रा, खड़गपुर, मिदनापुर व अन्य मार्ग की 11 लोकल ट्रेनों को रह करने का आदेश दक्षिण पूर्व रेलवे जोन से हुआ है।

एनटीटीएफ में छात्रों ने लगाए पौधे, की सफाई

JAMSHEDPUR : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गोलमुरी स्थित एनटीटीफ-आरडी टाटा एजुकेशन सेंटर द्वारा पौधरोपण एवं सफाई अभियान चलाया गया। कार्यक्रम का संचालन मृत्युंजय कुमार महतो ने किया, जबकि छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रिंसिपल प्रीता जॉन, वाईस प्रिंसिपल रमेश राय, हरीश, दीपक सरकार, मिथिला, नेहा, मंजुला, राजीव रंजन, नकुल कुमार, लक्ष्मण आदि सक्रिय रहे।

ओडिशा एनसीसी बटालियन का शिविर आयोजित

ROURKELA : राज्य परिवहन प्राधिकरण और नौवीं ओडिशा एनसीसी बटालियन अनुकूल ने शनिवार को डालमिया कॉलेज राजगांगपुर परिसर में सड़क सुरक्षा शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि सुंदरगढ़ आरटीओ परशुराम साहू और विशिष्ट अतिथि डालमिया कॉलेज के अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र पलाई, 9वीं ओडिशा बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल शशांक चंद्रकांत कुलकर्णी ने शिविर का उद्घाटन किया। शिविर का संचालन मास्टर ट्रेनर शुभेंदु पांडा, भरत साहू, अमित राउत ने किया। इस वार्षिक प्रशिक्षण में 400 कैडेटों ने भाग लिया। इन्हें सड़क सुरक्षा पर जानकारी दी गई।

एनआईटी के दो छात्रों की डूबकर मौत

ROURKELA : वेदव्यास घाट पर ब्राह्मणी नदी में डूबने से 2 छात्रों की मौत हो गई, जबकि 4 छात्रों को स्थानीय लोगों और पुलिस ने बचा लिया। बचाए गए छात्रों को राउरकेला सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ब्राह्मणी नदी के वेदव्यास घाट में डूबने से दो इंजीनियरिंग छात्रों की मौत हो गई, जबकि एक छात्र और 4 अन्य छात्रों को बचा लिया गया। छात्रों को राउरकेला सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राउरकेला विधायक शारदा प्रसाद नायक अस्पताल पहुंचे और भर्ती छात्रों की स्वास्थ्य स्थिति को समझा और एनआईटी निदेशक और रजिस्ट्रार से चर्चा की.

एडीएल की आज होने वाली एजीएम अवैध : गुरुनाथ

JAMSHEDPUR : एडीएल सोसाइटी के बर्खास्त कमेटी द्वारा रविवार को एजीएम बुलाया जाना अवैध और असंवैधानिक है। एजीएम बुलाने वाले एडीएल सोसाइटी के अध्यक्ष वाई ईश्वर राव गलत काम कर रहे है। इसका सोसाइटी से जुड़े पदाधिकारी भारी विरोध करेंगे, इसकी सूचना पुलिस प्रशासन को दे दी गई है। यह कहना था कमेटी से निष्कासित किए गए पूर्व महासचिव के गुरुनाथ राव का। कदमा के मंगल सिंह क्लब में शनिवार को प्रेस क्रांफ्रेंस कर के गुरुनाथ राव और एम. रवि कुमार ने कहा कि वाई ईश्वर राव ने पिछले 10 वर्षों में एडीएल सोसाइटी में काफी घोटाला किया है। जिस भी व्यक्ति ने इसका विरोध किया है, उसे कमेटी से बाहर का रास्ता दिखाया गया।

शंख मैदान में निर्माण रोकने को उपायुक्त से किया आग्रह

उपायुक्त को ज्ञापन सौंपते मंदिर समिति के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JSR: सिदगोड़ा स्थित सूर्य मंदिर परिसर के शंख मैदान में शंखनुमा संरचना एवं वॉलीबॉल, बास्केटबॉल कोर्ट व अन्य निर्माण कार्य को लेकर सूर्य मंदिर समिति का प्रतिनिधिमंडल उपायुक्त से मिला। सूर्य मंदिर समिति के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह के नेतृत्व में शनिवार को समिति के प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त अनन्य मित्तल से शंख मैदान में किसी भी प्रकार के निर्माण कार्य पर रोक लगाने का आग्रह किया गया। मंदिर समिति के सदस्यों ने बताया कि सूर्य मंदिर समिति को विभिन्न स्त्रोतों से पता चला है कि विधायक सरयू राय द्वारा शंख की संरचना, चबूतरा निर्माण कार्य समेत बास्केटबॉल, वॉलीबॉल कोर्ट जैसे निर्माण कार्य की अनुशंसा की गई है। प्रतिनिधिमंडल में सूर्य मंदिर समिति के वरीय सदस्य दिनेश कुमार, पवन अग्रवाल, खेमलाल चौधरी, अमरजीत सिंह राजा, रूबी झा, कंचन दत्ता, प्रेम झा, प्रमोद मिश्रा, सुशांत पांडा, राकेश सिंह समेत अन्य सदस्य मौजूद रहे।

वाहन दुर्घटना दावा से जुड़े 42 मामलों का हुआ निष्पादन

JAMSHEDPUR : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा) के तत्वावधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) जमशेदपुर की ओर से शनिवार को मोटर वाहन दुर्घटना दावा से जुड़े विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया, जिसमें 42 मामलों का निष्पादन किया गया। इसमें 2,64,04,984 रुपये मोटर वाहन दुर्घटना दावा के तहत विभिन्न लाभार्थियों के बीच वितरित किया गया।
प्रधान जिला जज अनिल कुमार मिश्रा ने लोक अदालत का उद्घाटन किया। मौके पर उन्होंने कहा कि समय-समय पर विशेष लोक अदालतों का आयोजन कर लंबित मामलों का निष्पादन किया जाता है, जिससे लोग लाभान्वित होते हैं। लाभुकों को चेक प्रदान किया। इस दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव राजेंद्र प्रसाद के अलावा अन्य न्यायिक पदाधिकारी मौजूद थे।

बिष्टुपुर में दो बाइक की टक्कर एक की मौत, दो हुए घायल

बिष्टुपुर में पीएम मॉल के पास घटनास्थल पर जुटी भीड़ व पुलिसकर्मी • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JSR: बिष्टुपुर थाना अंतर्गत पीएम मॉल के पास शुक्रवार देर रात दो बाइक आपस में टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइक के परखच्चे उड़ गए। इस घटना में दोनों बाइक सवार सहित तीन युवक घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। पास ही मौजूद पीसीआर वाहन में घायलों को तत्काल टीएमएच पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने एक व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया। दो गंभीर रुप से घायल हैं। मृतक की पहचान कदमा रामजनमनगर निवासी 32 वर्षीय रवि रंजन पाल के रुप में की गई। वहीं घायलों में जुगसलाई निवासी सब्बीर अली और उसका साथी सम्राट बागची शामिल है। सब्बीर का इलाज टीएमएच के सीसीयू में चल रहा है, जबकि सम्राट के सिर पर गंभीर चोट आई है। पुलिस ने रवि रंजन के परिजनों को सूचना दी। सूचना पाकर परिजन देर रात ही टीएमएच पहुंचे।

31 दिवसीय सुखमणि साहेब के पाठ का समापन, बंटा लंगर

बर्मामाइंस गुरुद्वारा में उपस्थित सिख संगत • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JSR: बमार्माइंस गुरुद्वारा में सिख स्त्री सत्संग सभा द्वारा किए जा रहे 31 दिवसीय सुखमणि साहेब के पाठ का शनिवार को समापन हो गया। शहीदों के सरताज श्री गुरु अर्जन देव जी के शहीदी दिवस को समर्पित यह पाठ किया जा रहा था। शनिवार को 31वें दिन पाठ के साथ गुरबाणी कीर्तन गायन किया गया। इसके बाद ग्रंथी बाबा इकबाल सिंह ने अरदास की और संगत के बीच गुरु का अटूट लंगर वितरित किया गया। इस दौरान 1984 में तत्कालीन केंद्र सरकार द्वारा दरबार साहेब अमृतसर में हुए सिख श्रद्धालुओं के नरसंहार को याद करते हुए सिख शहीदों के लिए विशेष अरदास की गई। वहीं शुक्रवार को उत्तर प्रदेश में सड़क दुर्घटना में मृत जमशेदपुर के कविशर जसबीर सिंह, उनके दामाद और एक साथी के लिए विशेष अरदास हुई।

सुखमणि साहिब जत्था ने बाबा बुड्ढा जी निवास के लिए किया सहयोग

JAMSHEDPUR : बीबियों द्वारा संचालित सुखमणि साहिब जत्था ने साकची गुरुद्वारा में चल रहे ग्रंथी बाबाओं की रिहाइश 'बाबा बुड्ढा जी निवास' उसारी कार्य के लिए 51 हजार रुपये का सहयोग किया गया। इस दौरान पिछले 40 दिनों से चले आ रहे लड़ीवार सुखमणि साहिब पाठ के समापन पर साकची गुरुद्वारा के सेवादारों सहित ग्रंथी और रागी जत्थों को भी सम्मानित किया गया। गुरु अर्जन देव की शहीदी को समर्पित 40 दिनों से चले आ रहे लड़ीवार सुखमणि साहिब का पाठ संपन्न हुआ।

जमशेदपुर के 59 केंद्रों पर कल होगी सीडीपीओ की नियमित नियुक्ति परीक्षा

PHOTON NEWS JSR: बाल विकास परियोजना पदाधिकारी (सीडीपीओ) की नियमित नियुक्ति परीक्षा पूर्वी सिंहभूम जिला के 59 परीक्षा केंद्रों में 10 जून को आयोजित की जाएगी। दो पालियों में होने वाली इस परीक्षा को शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त संपन्न कराने के लिए जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त अनन्य मित्तल ने मजिस्ट्रेट व पुलिस पदाधिकारियों की ब्रीफिंग में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। एक्सएलआरआई के टाटा ऑडिटोरियम में आयोजित ब्रीफिंग में सिटी एसपी मुकेश लुणायत, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर अनंत कुमार, एसडीओ धालभूम पारूल सिंह व घाटशिला एसडीओ सच्चिदानंद महतो भी उपस्थित रहे।

एक्सएलआरआई में उपस्थित पदाधिकारी व केंद्र अधीक्षक • फोटोन न्यूज

25,424 अभ्यर्थी परीक्षा में होंगे शामिल

10 जून को 59 केंद्रों पर आयोजित परीक्षा में 26424 अभ्यर्थी शामिल होंगे। पहली पाली पूर्वाह्न 10 से 12 बजे तक एवं दूसरी पाली अपराह्न 2 बजे से 4 बजे तक होगी। परीक्षा को कदाचार मुक्त कराया जा सके, इसके लिए सभी केंद्रों में वीडियोग्राफी कराई जाएगी। बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, कोषागार पदाधिकारी, सभी प्रतिनियुक्त स्टेटिक व उड़नदस्ता दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं सभी केंद्र अधीक्षक मौजूद थे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में हुई समीक्षात्मक बैठक, विकास कार्यों व विभागीय योजनाओं में गति लाने के दिए निर्देश

लंबित योजनाएं निर्धारित समय पर पूरा करें : उपायुक्त

PHOTON NEWS JSR: समाहरणालय सभागार में जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त अनन्य मित्तल द्वारा सभी कार्यालय प्रधान के साथ विभागीय योजनाओं में प्रगति की समीक्षा कर तेजी लाने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि जितनी भी योजनाएं लंबित हैं, उन्हें समय पर पूरा कराएं, गुणवत्ता से समझौता नहीं हो, इसे सुनिश्चित करें।
उपायुक्त ने कहा कि राज्य सरकार के दिशा-निर्देशानुसार विकास और जनहित के कार्यों में अपेक्षित तेजी लाना है। पदाधिकारी फील्ड विजिट करें, जिससे योजनाओं की जमीनी हकीकत पता चले और उसी हिसाब से रणनीति बनाते हुए कार्य करें। उन्होंने कहा कि योजनाओं का टाइमलाइन तय है, अगर योजनाओं में देर होती है तो किस स्तर पर कितना विलंब हुआ, इसकी भी जानकारी उपायुक्त कार्यालय को दें। योजनाएं धरातल पर उतर रही हैं या नहीं, गुणवत्ता के साथ काम हो रहा है या नहीं, इसका सत्यापन कराया जाएगा।

समाहरणालय सभागार में बैठक को संबोधित करते उपायुक्त अनन्य मित्तल

इनकी रही उपस्थिति

बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी ममता प्रियदर्शी, उप विकास आयुक्त मनीष कुमार, सिविल सर्जन डॉ. जुझार माझी, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर अनंत कुमार, एडीएम (एसओआर) महेंद्र कुमार, कार्यपालक दंडाधिकारी डेविड बलिहार, जिला पंचायत राज पदाधिकारी रिंकू कुमारी, एसडीओ घाटशिला, एसडीओ धालभूम, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक समेत सभी तकनीकी विभागों के कार्यपालक अभियंता उपस्थित थे।

इन विभागीय योजनाओं की हुई समीक्षा

समीक्षा के क्रम में ग्रामीण विकास, पंचायती राज, आईटीडीए, समाज कल्याण, सामाजिक सुरक्षा, कृषि पशुपालन एवं सहकारिता, पेयजल एवं स्वच्छता, खनन, राजस्व, स्वास्थ्य, शिक्षा, श्रम नियोजन एवं कौशल विकास समेत नगरीय विकास, पथ, पर्यटन, कला संस्कृति एवं खेलकूद समेत सभी अन्य सभी विभागों द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई तथा पूर्व में दिए गए लक्ष्य के आलोक में अब तक हुई प्रगति पर चर्चा करते हुए जहां कमी पाई गई, उसे निश्चित समय में दूर करने का निर्देश दिया गया। पेयजल, आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा विभागीय योजनाएं, सामुदायिक वन पट्टा वितरण, खनिजों के अवैध खनन के विरूद्ध प्रभावी कार्रवाई पर बल देते हुए निर्देशित किया कि विभिन्न विभागों के बीच तालमेल हो, ताकि बेहतर क्रियान्वयन किया जा सके। जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं सभी बीडीओ, सीओ नियमित मॉनिटरिंग करें, ताकि उसमें अगर किसी प्रकार की समस्या आए तो उसका समाधान निकाला जा सके एवं समयबद्ध रूप से योजनाओं को पूर्ण किया जा सके।

अवैध खनन व परिचालन के विरुद्ध कार्य योजना निर्धारित कर कार्रवाई सुनिश्चित करें : उपायुक्त

जिले के विभिन्न क्षेत्र में स्थल चिन्हित कर चेकपोस्ट बनाने का दिया गया निर्देश

PHOTON NEWS SARAIKELA: जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त रविशंकर शुक्ला की अध्यक्षता में शनिवार को जिला स्तरीय माइनिंग टास्क फोर्स (डीएमएफटी) से संबंधित समीक्षा बैठक हुई। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित समीक्षा बैठक में उपायुक्त ने पूर्व की बैठक में दिए गए दिशा-निर्देशों की समीक्षा कर अवैध खनन तथा परिचालन के विरुद्ध कार्ययोजना निर्धारित कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि एनजीटी (राष्ट्रीय हरित अधिकरण) के निर्देश के आलोक में 10 जून से 15 अक्टूबर तक बालू उठाव पर पूर्णतः रोक रहेगी। इस अवधि में वैध स्टॉक यार्ड से बालू का उठाव या बिक्री की जा सकेगी।

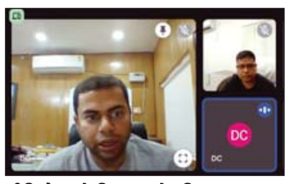

वीडियो कांफ्रेंसिंग करते रविशंकर शुक्ला

बैठक के क्रम में बिंदुवार चर्चा करते हुए उपायुक्त नें कहा कि बालू, कोयला एवं पत्थर आदि के अवैध खनन एवं परिचालन मे संलिप्त लोगों पर सुसंगत धाराओं के तहत कार्रवाई सुनिश्चित करें। इसके साथ ही अवैध खनन पर नियंत्रण तथा अवैध खनन के परिचालन में संलिप्त लोगों पर कार्रवाई के लिए विभिन्न प्रभावित क्षेत्रों में औचक निरीक्षण करने, जिला अंतर्गत विभिन्न चौक-चौराहों (चावलिबासा, पातकुम, मिलन चौक, प्रखंड कार्यालय कुकड़ू आदि) पर चेकपोस्ट स्थापित करने तथा तीन शिफ्ट में पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक मनीष टोप्पो ने सभी अंचलधिकारी एवं थाना प्रभारी को आपसी समन्वय स्थापित कर विभिन्न क्षेत्रों में औचक निरीक्षण कर अवैध खनन के विरुद्ध नियमसंगत करवाई करने तथा नियमित रुप से संभावित क्षेत्र के मुख्य चौक चौराहो पर बड़े वाहनों की जाँच करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला वन प्रमंडल पदाधिकारी आदित्य नारायण, उप विकास आयुक्त प्रभात कुमार बर्दियार, प्रशिक्षु आईएएस कुमार रजत भी थे।

BRIEF NEWS

प्रधानाध्यापक का स्कूल में फंदे पर लटका मिला शव

PALAMU : जिले के छत्तरपुर प्रखंड क्षेत्र के न्यू प्राथमिक विद्यालय चुरवाही के प्रभारी प्रधानाध्यापक जीतन सिंह का शव स्कूल के बरामदे में फंदे से लटका शनिवार सुबह बरामद किया गया। संदिग्ध स्थिति में शव विद्यालय से बरामद होने पर पूरे गांव में सनसनी फैल गयी है। प्रधानाध्यापक जीतन सिंह का घर विद्यालय से कुछ ही दूरी पर स्थित है। घटना की जानकारी मिलने के बाद छत्तरपुर के थाना प्रभारी राजेश रंजन मौके पर पहुंचे एवं पूरे मामले की जांच कर रहे हैं।

डिग्री कॉलेजों में इंटर की पढ़ाई बंद न हो : दिलीप

KHUTI : खूंटी झारखंड विकास मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष और समाज सेवी दिलीप मिश्रा ने स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव को पत्र लिखकर खूंटी जिला सहित राज्य के अन्य जिलों के आदिवासी और आर्थिक रूप से कमजोर छात्र-छात्राओं का नामांकन प्लस टू स्कूल तथा पूर्व की तरह डिग्री कॉलेज में करने की मांग की है। पत्र में दिलीप मिश्रा ने कहा कि वर्तमान में प्लस टू स्कूल की पढ़ाई में छात्र-छात्राओं को काफी परेशानी हो रही है। डिग्री कॉलेज में इंटर की पढ़ाई इस सत्र से बंद कर दी गई है। अधिकतम छात्र-छात्राएं जैक बोर्ड द्वारा ही उत्तीर्ण हुए हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय विद्यालयों में प्लस टू की पढ़ाई सभी जगहों पर नहीं होती है। मिश्रा ने झारखंड राज्य के छात्राओं की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखकर प्लस टू स्कूलों की संख्या तथा सीट बढ़ाने तथा डिग्री कॉलेजों में पूर्व की तरह इंटर की पढ़ाई सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

सैलून संचालक का डाक बंगला से शव बरामद

PALAMU : जिले के पांकी मुख्यालय स्थित कर्पूरी ठाकुर चौक के समीप डाक बंगला भवन से एक युवक का शव संदिग्ध स्थिति में बरामद किया गया। उसके गर्दन पर गंभीर जख्म के निशान मिले हैं। युवक की पहचान पुरानी पांकी निवासी सोनू ठाकुर (22) के रूप में हुई है।

कार्यकारी अध्यक्ष बने जय सिंह यादव

RANCHI : झारखंड प्रदेश बस ऑनर्स एसोसिएशन की बैठक शनिवार को रातू रोड स्थित जय सिंह यादव के आवास पर हुई। सर्वसम्मति से जयसिंह यादव को रांची जिला बस ऑनर्स एसोसिएशन का कार्यकारी अध्यक्ष मनोनीत किया गया, उन्हें एक माह में रांची जिला बस ऑनर्स एसोसिएशन की चुनाव से संबंधित सभी जरूरी प्रक्रिया पूरी कर चुनाव संपन्न कराने को कहा गया। साथ ही सहयोग के लिए कृष्ण कुमार दुबे, पवन सिंह, अशोक कुमार उपाध्याय, गोपाल यादव व राजू यादव का मनोनयन किया गया।

अबकी बार मानसून संथाल परगना के रास्ते झारखंड में प्रवेश करेगा

राज्य में 9 और 10 जून से प्री-मानसून वर्षा के आसार, भरपूर होगी बौछार

PHOTON NEWS RANCHI : मौसम विज्ञान केंद्र रांची का अनुमान है कि पिछले वर्ष की तुलना में इस बार वर्षा की बौछार होगी। बारिश का आंकड़ा 1200 मिमी के पार पहुंचेगा। इस वर्ष मानसून पिछले वर्ष की तुलना में तीन दिनों पहले संथाल परगना के रास्ते झारखंड में 15 जून तक प्रवेश करेगा। जबकि 9 और 10 जून से राजधानी रांची समेत पूरे राज्य में प्री-मानसून वर्षा की बौछार होगी। केंद्र के पूवार्नुमान की माने तो मानसून केरल में प्रवेश कर पूर्वोतर भारत की ओर लगातार बढ़ रहा है। बताया गया कि बंगाल की खाड़ी के रास्ते मानसून केरल होते हुए देश के तटीय क्षेत्रों में प्रवेश करता है। झारखंड में मानसून के 15 जून तक पहुंचने की उम्मीद है। समय पर मानसून के प्रवेश से किसानी को भी बल मिलेगा और कृषि

विज्ञानियों ने कृषकों को खेत तैयार करने की सलाह दी है। पिछले तीन दिनों से रांची समेत आसपास के जिलों में काले बादल छा रहे हैं। हालांकि 9, 10, 11 और 12 जून को राज्य के निकटवर्ती मध्य भाग रांची, रामगढ़, हजारीबाग, गुमला, बोकारो और खूंटी के साथ साथ उत्तर पश्चिमी हिस्से यानी पलामू, गढ़वा, चतरा, कोडरमा, लातेहार और लोहरदगा के अलावे दक्षिणी हिस्से यानी पूर्वी और पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला खरसावां में कहीं कहीं हीटवेव की स्थिति देखने को मिलेगी। जबकि 12 जून को उत्तर पूर्वी क्षेत्र देवघर, दुमका, गोड्डा, पाकुड़, जामताड़ा, गिरिडीह, धनबाद और साहिबगंज में मेघगर्जन के साथ वज्रपात होने की संभावना है। इसे लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं रांची व आसपास के जिलों में 13 और 14 जून को आंशिक बादल छाए रहने और हल्की वर्षा होने की संभावना है। मौसम विभाग की रिपोर्ट की माने तो राज्य के 18 जिलों में एक बार फिर तापमान 40 के पार पहुंच चुका है। जिससे लोगों को भीषण गर्मी की मार सहनी पड़ रही है। आमतौर पर बंगाल की खाड़ी के रास्ते मानसून केरल होते हुए देश के तटीय क्षेत्रों में प्रवेश करता है। 1 जून तक मानसून केरल प्रवेश कर चुका है। अबकी बार झारखंड में पिछले वर्ष की तुलना में अबकी बार तीन दिनों पूर्व मानसून प्रवेश करेगा। पिछले वर्ष भी मानसून पांच दिनों की देरी से 18 से 20 जून तक झारखंड में प्रवेश किया था जबकि वर्ष 2022 को 6 दिनों की देरी से मानसून ने झारखंड में प्रवेश किया था जबकि झारखंड में 12 जून तक मानसून प्रवेश का पूवार्नुमान किया जाता है।

युवक की गोली मारकर हत्या, लोगों में आक्रोश

PHOTON NEWS PALAMU : जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के शाहपुर के रहने वाले लकी कुमार (18)। की बंदुवा खोहरी में गोली मारकर हत्या कर दी गयी। युवक का सिर का हिस्सा प्लास्टिक में बंद पाया गया। मौके से रस्सी भी मिली है। युवक का सिर का हिस्सा चोटिल था और काफी रक्त भी बहा हुआ नजर आया। आंख के उपर पिस्टल से गोली मारने के निशान मिले हैं। पहले तेज धारदार नुकीले हथियार से गोदने की चर्चा थी, लेकिन पोस्टमार्टम के बाद गोली लगने की पुष्टि हुई। युवक बंदुवा के खोहरी में कैसे पहुंचा, इसके लिए छानबीन तेज की गई है। परिजनों का बयान लिया गया है। बंदुवा के खोहरी में शनिवार की सुबह एक युवक का शव देखे जाने के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जुड़ गई। इसी बीच इसकी सूचना पुलिस को भी हुई। चैनपुर पुलिस मौके पर पहुंची और डेड बॉडी को कब्जे में लिया। जरूरी प्रक्रिया पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक के दोस्त राहुल कुमार के अनुसार

मृतक की फाइल फोटो।

लकी से शुक्रवार सुबह 10 बजे पहली मुलाकात हुई। दोनों शाहपुर किला के पास साथ में नाश्ता किए। फिर दो तीन घंटे तक घुमा। दोपहर 2 बजे खाना खाने के लिए राहुल और लकी अपने अपने घर चले गए। लकी के यहां खाना नहीं बना था, उसने अपने छोटे दादा विजय चन्द्रवंशी की किला के सामने दुकान में बिरयानी खायी। 4 बजे तक लकी किला के आस पास नजर आया। इसी बीच रोहित, पवन, बाबा तिवारी, विक्की एवं नबी उससे मिलने आए। बातचीत हुई और फिर दो अलग अलग बाइक से लकी के साथ सभी निकल गए।

आयुष्मान की बकाया राशि का भुगतान कराने की मांग

PHOTON NEWS RANCHI : संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव, झारखंड प्रभारी विजय शंकर नायक ने बताया कि आयुष्मान भारत योजना के तहत बकाया राशि होने के कारण गरीब मरीजों का इलाज बंद है। पिछले 6 माह से बकाया करोड़ों की राशि के अविलंब भुगतान के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन एवं हेल्थ मिनिस्टर बन्ना गुप्ता को ईमेल के माध्यम से पत्र भेजकर ध्यान आकृष्ट कराया है। बताया कि राशि का भुगतान नहीं होने से राज्य के सभी प्राइवेट अस्पताल ने गरीब गुरबा मरीजों का इलाज करने से मना कर दिया है। सरकारी अस्पताल में इस योजना के लाभार्थियों को इलाज कराने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। इस कारण फिलहाल आयुष्मान कार्ड के तहत किसी तरह की सेवा इन गरीब गुरबा

मरीजों को नहीं मिल पा रही है। कई अस्पताल तो विधिवत अपने नोटिस बोर्ड पर सूचना चिपका दिए हैं कि वर्तमान में अभी आयुष्मान कार्ड धारकों के इलाज की सुविधा बंद है। कई अस्पताल संचालकों ने इस संदर्भ में यह भी जानकारी दी है कि पूरे राज्य में आयुष्मान भारत योजना के तहत निजी अस्पतालों के करीब 100 करोड़ रुपये फंसे हुए हैं। डॉक्टर और स्टाफ का वेतन भुगतान रोक कर वह मरीज की सेवा करना उनके लिए मुश्किल साबित हो रहा है।

किसानों में अनुदानित दर पर उन्नत किस्म के धान बीज का वितरण

KHUTI : तोरपा महिला कृषि बागवानी स्वावलंबी सहकारी समिति और जिला कृषि विभाग के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को तोरपा प्रखंड के दियांकेल स्थित तोरपा को ऑपरेटिव से जुड़े करीब एक सौ किसानों के बीच धान बीज का वितरण किया गया। बीज विनियम वितरण योजना अंतर्गत 50 फीसदी अनुदान पर धान के हाइब्रिड और ललाट किस्म कें बीज उपलब्ध कराये गय। खरीफ मौसम के लिए अनुदानित बीज वितरण कार्यक्रम का उद्घाटन जिला कृषि पदाधिकारी संतोष लंकड़ा और प्रखंड प्रमुख, उप प्रमुख ने किया। जिला कृषि पदाधिकारी ने किसानों को आश्वासत किया कि तोरपा कॉपरेटिव के माध्यम से सभी सीमांत और लघु किसानों को जरूरत के आधार पर अनुदानित बीज उपलब्ध कराया जाएगा।

कुडू में पिता का श्राद्ध करने गया पुत्र तालाब में डूबा, गांव में पसरा मातम

PHOTON NEWS LOHARDAGA : जिले में शनिवार को पिता का श्राद्ध करने गए पुत्र की तालाब में डूबने से मौत हो गई। इस घटना के बाद से गांव में मातम पसरा है। घटना जिले के कुडू थाना क्षेत्र के ओपा गांव की है। गांव के नवा पोखरा तालाब में युवक के डूबने की सूचना मिलने के बाद पुलिस पहुंची और जांच में जुट गई।शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। शनिवार को ओपा में उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया। बताया जाता है कि लोहरदगा जिले के कुडू थाना क्षेत्र अंतर्गत ओपा गांव निवासी परमेश्वर साहू की 31 मई को मौत हो गई थी।शनिवार को श्राद्ध कर्म के नौवें दिन उसका पुत्र सूरज साहू श्राद्ध कर्म करने के लिए अपनी

शव के समीप विलाप करते परिजन व ग्रामीण। ● फोटोन न्यूज

पत्नी प्रभा देवी के साथ गांव के नया पोखरा तालाब में गया था। तालाब के किनारे बांधे गए कुश में पानी तथा दतवन देने के बाद वह नहाने के लिए तालाब में उतरा था। तालाब में स्नान करने के दौरान अचानक सूरज साहू गहरे पानी में चला गया और डूबने से उसकी मौत हो गई। सूरज के गहरे पानी में जाने के बाद तालाब के बाहर बैठी पत्नी प्रभा देवी ने शोर मचाया। उसके शोर को किसी ने नहीं सुना। जब कोई मदद के लिए नहीं आया, तो उसने अपने गांव में फोन किया और परिजनों को बताया कि नहाने के लिए तालाब में उतरा सूरज अब तक बाहर नहीं आया है। इसके बाद गांव के लोग वहां पहुंचे तथा तालाब में से सूरज के निकाला।सूरज को लेकर लोग तत्काल लोहरदगा सदर अस्पताल पहुंचे। यहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों ने सूरज का परीक्षण करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। शव का पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। सूरज का शव गांव पहुंचने के बाद से गांव का माहौल गमगीन हो गया है। परिजनों का रो-रोकर हाल बेहाल है। परिजन तथा गांव वाले सूरज के शव को लेकर ओपा गांव पहुंचे तथा दोपहर बाद अंतिम संस्कार कर दिया।

हजारीबाग की दनुआ घाटी में दो ट्रक पलटे, चालक और उपचालक घायल

PHOTON NEWS HAJARIBAGH : जिले में स्थित दनुआ घाटी में शनिवार को एक बार फिर बड़ा हादसा हो गया। गनीमत रही इस दुर्घटना में किसी की जान नहीं गयी। दरअसल चौपारण जिले के एनएचटू स्थित इस घाटी में दो ट्रक पलट गया। जिसमें ट्रक चालक तथा उनके साथ मौजूद उपचालक घायल हो गए। घटना के बाद सड़क के दोनों ओर लंबी जाम लग गयी। इधर जैसे ही इसकी सूचना हजारीबाग पुलिस को मिली वह घटनास्थल पर पहुंचकर दुर्घटनाग्रस्त वाहन को हटाने में लग गयी। कड़ी मशक्कत के बाद ट्रक को वहां से हटा लिया गया। जब जाकर राहगीरों ने राहत की सांस ली।

जाम में फंसे रहने के कारण यात्रियों को तपती गर्मी में परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं घायल चालक व उपचालक को उपचार के अस्पताल में ले जाया गया। दुर्घटनाग्रस्त ट्रक में सरिया लदा हुआ था। बता दें कि हजारीबाग के दनुआ घाटी को मौत की घाटी कहा जाता है। यहां आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती है। हादसे की वजह कई जगहों पर टर्निंग प्वॉइंट व जंपिंग प्वॉइंट होना है। जिस वजह से इस रास्ता से गुजरने वाला हर वाहन चालक अपना संतुलन बना नहीं पाता है। तीखे मोड़ व जंपिंग प्वॉइंट को लेकर यहां पर कोई साइन भी लगाया गया। इससे रात में आने जाने वाले लोगों को अक्सर दुर्घटना का खतरा मंडराता है।

स्वास्थ्य केंद्र पर नहीं थे डॉक्टर सर्पदंश से बच्चे की गयी जान

KODARMA : सतगावां में स्वास्थ्य केंद्र पर चिकित्सक के नहीं रहने के कारण शुक्रवार रात इलाज के लिए पहुंचे बच्चे की मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार पांच महीने के रोहित कुमार को रात में सोते समय सांप ने डस लिया था। परिजन उसे लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे पर वहां कोई चिकित्सक नहीं मिला। इलाज के अभाव में बच्चे की मौत हो गयी। ड्यूटी रोस्टर के हिसाब से डॉ प्रियांशु कुमारी की ड्यूटी थी, लेकिन उनकी अनुपस्थिति में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी रामाशीष चौधरी की ड्यूटी थी। परन्तु वे भी रात में बिहार राज्य के नवादा स्थित अपने निवास स्थान में थे जिस कारण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कोई भी पदाधिकारी या चिकित्साकर्मी मौजूद नही था।

ज्वेलर्स की दुकान में चोरी करने वाले पांच चोर चढ़े पुलिस के हत्थे

PHOTON NEWS HAJARIBAGH : गत 16 मार्च को काली बाड़ी स्थित गीताजली ज्वेलर्स में हथियार के भय से गोली चलाते हुए लूट की घटना को अंजाम देने वाले पांच बदमाशों को पुलिस गिरफ्तार करने में सफल हुई है। इसकी जानकारी शनिवार को पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह ने पत्रकारों को दी। उन्होंने कहा कि अनुसंधान और कांड के उद्भेदन के लिए शिवशीष कुमार अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर हजारीबाग के नेतृत्व में विशेष अनुसंधान टीम का गठन किया गया। विशेष अनुसंधान टीम द्वारा कांड के अनुसंधान में प्राप्त साक्ष्यों का टेक्निकल विशलेषण तथा

गिरफ्तार चोरों के बारे में जानकारी देते पुलिस अधिकारी। ● फोटोन न्यूज

सूचना तंत्र के आधार पर कांड की पूर्ण तरीके से. उद्भेदन करते हुए इस कांड में शामिल सभी पांच अपराधकर्मियो को कांड में लूटा हुआ आर्टिफिसियल जेवर तथा घटना में प्रयुक्त हथियार (दो ऑटोमेटि पिस्तौल, गोली के साथ गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अपराधियों में डेविड मिंज , अविनाश कुमार, विद्या कुमार उर्फ बेदिया, पंकज कुमार और विक्रम कुमार शामिल है। इनके पास से चोरी गए सभी सामान बरामद कर ली गई है।

आदिवासी युवाओं में दिख रहा प्रेरणादायक जज्बा, 25वीं बार किया रक्तदान, हुआ सम्मानित

रक्तदान के प्रति जागरूकता सकारात्मक बदलाव

PHOTON NEWS JAMSEDPUR : करनडीह के गैंताडीह निवासी रवि मुर्मू ने 25वीं बार रक्तदान किया। बिष्टुपुर धातकीडीह स्थित जमशेदपुर ब्लड सेंटर में शनिवार को उसे सम्मानित किया गया। रक्तदान के बाद जमशेदपुर ब्लड सेंटर के जीएम संजय चौधरी ने उसे मोमेंटो देकर सम्मानित किया व उन्हें बधाई दी। रवि मुर्मू सामाजिक संस्था नई जिंदगी परिवार, जमशेदपुर के सक्रिय सदस्य हैं।वह नियमित रूप से रक्तदान करते हैं।वह नई जिंदगी परिवार के दसवें सदस्य हैं, जिन्होंने यह उपलब्धि अपने नाम किया है। इससे पहले राजेश मार्डी, मनमोहन हांसदा, रामेश्वर हांसदा, माईकल हो, सुखलाल सोरेन, लखन टुडू, सीताराम हेंब्रम, धीरेन मार्डी और मुसाबनी के संजय मुर्मू यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं।

25वीं बार रक्तदान करते वाले रवि मुर्मू को पुरस्कृत करते जीम संजय चौधरी। ● फोटोन न्यूज

नई जिंदगी परिवार के संस्थापक सचिव राजेश मार्डी ने रवि मुर्मू को उपलब्धि के बधाई दिया है। जमशेदपुर ब्लड सेंटर के जीएम संजय चौधरी ने कहा कि आदिवासी युवाओं में रक्तदान के प्रति बढ़ती जागरूकता एक सकारात्मक और प्रेरणादायक बदलाव है। पहले रक्तदान को लेकर उनमें डर और गलतफहमियां थीं, लेकिन अब वे आगे आकर रक्तदान कर रहे हैं। यह बदलाव जागरूकता अभियानों और शिक्षा के माध्यम से संभव हुआ है। रक्तदान से न केवल जरूरतमंद लोगों की जान बचाई जा सकती है, बल्कि यह स्वयं दाताओं के स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है। नियमित रक्तदान से स्वास्थ्य जांच होती रहती है, आयरन का स्तर संतुलित रहता है और हृदय रोगों का खतरा कम होता है। इस जागरूकता के परिणामस्वरूप, आदिवासी समुदायों में न केवल स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार हो रहा है, बल्कि समाज में एकता और सहयोग की भावना भी मजबूत हो रही है। यह बदलाव आदिवासी युवाओं के सक्रिय योगदान और सेवा भावना का प्रमाण है।

आज भाजपा मनाएगी सभी मंडलों में उत्सव

RANCHI : नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार एनडीए सरकार के शपथ ग्रहण की तैयारी अंतिम चरण में है। पूरे देश से नव निर्वाचित सांसद गण दिल्ली पहुंच रहे हैं। साथ ही सभी प्रदेशों से पार्टी के प्रदेश पदाधिकारी, मोर्चों के प्रदेश अध्यक्ष ,जिलों के अध्यक्ष, प्रभारी, लोकसभा, विधानसभा क्षेत्र के संयोजक, प्रभारी सहित हजारों कार्यकर्ता नौ जून को तीसरी बार मोदी सरकार के भव्य शपथ ग्रहण समारोह के साक्षी बनेंगे। इधर, प्रदेश भाजपा ने झारखंड के सभी सांगठनिक मंडलों में शपथ ग्रहण के अवसर पर उत्सव मनाने का निर्णय लिया है। इस संबंध में प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी और प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने सभी मंडलों में आवश्यक दिशा निर्देश दे दिए हैं। बाबूलाल मरांडी ने आज कहा कि झारखंड की जनता ने एनडीए के पक्ष में जनादेश दिया है।

विस्थापन के खिलाफ होगा उलगुलान : बीपी मेहता

पार्टी कार्यालय में पत्रकारों को संबोधित करते बीपी मेहता। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS HAJARIBAGH : पूर्व सांसद और झारखंड विस्थापित संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष भुवनेश्वर प्रसाद मेहता ने कहा कि झारखंड राज्य में जल जंगल जमीन की लूट और विस्थापन के खिलाफ उलगुलान होगा। खुलेआम गैरमजारूआ जमीन एवं जंगल की जमीन की लूट हो रही है जिस पर जिला प्रशासन एवं राज्य सरकार तमाशाबीन बने हुए हैं। मेहतना शनिवार को हजारीबाग स्थित पार्टी कार्यालय में पत्रकार सम्मेलन में कहा कि केवल हजारीबाग में 25 हजार एकड़ जमीन से अधिक जमीन और वन विभाग की जमीन की लूट हुई है। उन्होंने कहा कि आज से पिछले 4 वर्ष पूर्व 500 एक-ड़ जमीन वन विभाग की जमीन पास हुआ था लेकिन आज तक विभाग मौन है कोई कार्रवाई नहीं करती है। जिले के बड़कागांव और केरेडारी, सदर, कटकमदाग हजारीबाग के आसपास के गांव में खास महल के लगभग 20 हजार एकड़ जमीन की लूट हुई है। इस संबंध में कई जांच हुई, जांच की फाइलें जिला प्रशासन के कार्यालय और राज्य सरकार के दफ्तर में दबी रह गई। किसी प्रकार की कोई कार्रवाई आज तक देखने को नहीं मिली है।

वृक्ष धरती पर ईश्वर के प्रतिनिधि

दुनिया के ताकतवर मुल्क अमेरिका में पर्यावरण और जीव विज्ञानियों ने बहुत बार शोध करके यह सिद्ध किया है, वृक्षों में भी महसूस करने और समझने की क्षमता होती है। जैन धर्म भी मानता है, वृक्ष में भी आत्मा होती है, क्योंकि यह संपूर्ण जगत आत्मा का ही खेल है। वृक्ष को काटना अर्थात उसकी हत्या करना है। हरित क्रांति की बात चलती है तो मुझे बरबस भगवान तीर्थंकर महावीर का भावपूर्ण स्मरण आता है। पर्यावरण प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग के इस दौर में भगवान महावीर की प्रासंगिकता बढ़ गई है। इसीलिए भगवान महावीर को पर्यावरण पुरुष भी कहा जाता है। अहिंसा विज्ञान को पर्यावरण का विज्ञान भी कहा जाता है। भगवान महावीर मानते थे कि जीव और अजीव की सृष्टि में जो अजीव तत्व है अर्थात मिट्टी, जल, अग्नि, वायु और वनस्पति उन सभी में भी जीव है, अतः इनके अस्तित्व को अस्वीकार मत करो। इनके अस्तित्व को नामंजूर करने का मतलब है, अपनी मौजूदगी को अस्वीकार करना। दृश्य और अदृश्य सभी जीवों का अस्तित्व स्वीकारने वाला ही पर्यावरण और मानव जाति की रक्षा के बारे में सोच सकता है। जैन धर्म में वनस्थली की परम्परा रही है। चेतना जागरण में पीपल, अशोक, बरगद आदि वृक्षों का विशेष योगदान रहा है। ये वृक्ष भरपूर ऑक्सीजन देकर व्यक्ति की चेतना को जागृत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जैन धर्म ने सर्वाधिक पौधों को अपनाए जाने का संदेश दिया है। सभी 24 तीर्थंकरों के अलग-अलग 24 पौधे हैं। भगवान महावीर और भगवान बुद्ध समेत अनेक महापुरुषों ने इन वृक्षों के नीचे बैठकर ही निर्वाण या मोक्ष को पाया है, इसीलिए वृक्ष धरती पर ईश्वर के प्रतिनिधि हैं। अंधाधुंध वृक्षों के कटान से हमारे जंगल कंक्रीट जंगल में तब्दील होते जा रहे हैं। यदि कटान की यह रफ्तार न थमी तो एक दिन ऐसा भी होगा, जब मानव को रेगिस्तान की चिलचिलाती धूप में प्यासा मरना होगा। जंगल से हमारा मौसम नियंत्रित और संचालित होता है। जंगल की ठंडी आबोहवा नहीं होगी तो सोचो धरती आग की तरह जलने लगेगी। इसमें कोई शक नहीं, मनुष्य के मन में लालच की सीमा बढ़ने लगी है। अधिकतम लाभ और धन पाने की इच्छा के वशीभूत होकर वह इन वृक्षों को काटकर इमारती लकड़ियों आदि के रूप में प्रयोग करने लगा है। वृक्षों के बेरोकटोक काटे जाने से पृथ्वी के दुर्लभ जीव-जंतु भी समाप्त हो रहे हैं। कुछ तो संख्या में गिनने लायक ही रह गए हैं। यदि ऐसा ही चलता रहा तो ये दुर्लभ जीव-जंतु बिल्कुल समाप्त हो जाएंगे। वृक्षों के कटान से वायु में कार्बन डाई ऑक्साइड की मात्रा बढ़ जाती है, जबकि ऑक्सीजन की मात्रा कम हो जाती है। इससे वायु प्रदूषित होकर प्रकृति की स्वाभाविक क्रिया में असंतुलन पैदा कर देती है। परिणामस्वरूप प्रदूषित वातावरण के चलते पर्यावरणीय असंतुलन हो जाता है। इसका मानव स्वास्थ्य पर भी घातक असर पड़ रहा है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि ऑक्सीजन के बिना जीवन असंभव है। भगवान महावीर का आदर्श वाक्य है-मित्ती में सव्व भूएसु। अर्थात सब प्राणियों से मेरी मैत्री है। क्लीन टीएमयू-ग्रीन टीएमयू के अपने संकल्प के प्रति तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी प्रतिबद्ध है। प्रदूषण की चुनौतियों से निपटने के लिए 140 एकड़ में आच्छादित यूनिवर्सिटी कैंपस में बीस हजार से अधिक छायादार-फलदार वृक्षों के संग-संग सुगंधित फूलों के पौधे इसके साक्षी हैं। पर्यावरणविदों के मुताबिक पेड़ 05 डिग्री तक तापमान को कम कर सकते हैं, जो न केवल गर्मी से राहत देंगे, बल्कि एसी के उपयोग को कम करेंगे। पेड़ पर्यावरण को भी स्वच्छ करते है। कार्बनडाई ऑक्साइड सरीखी दूषित वायु को सोखकर जीवनदायिनी वायु ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। वृक्ष वर्षा लाने में अति महत्वपूर्ण होते हैं। टीएमयू कैंपस में बहुमूल्य प्रजाति के वृक्षों में चंदन, कल्पवृक्ष, रुद्राक्ष, बादाम, कपूर आदि लगे हुए हैं। यूनिवर्सिटी में सौर ऊर्जा से लेकर जल संचय तक के पुख़्ता बंदोबस्त हैं। यूनाइटेड नेशन की यह रिपोर्ट हमें चौंकाती है, पृथ्वी की 40 प्रतिशत जमीन प्रदूषित हो चुकी है। 2000 से हर साल सूखा बढ़ता जा रहा है। वैश्विक शोध रिपोर्ट बताती है, एक इंसान के जीवन के लिए 500 पेड़ों की दरकार है, लेकिन पूरी दुनिया में यह आंकड़ा 422 पेड़ों का है। बावजूद इसके भारत का आंकड़ा तो बेहद डरावना है। भारत में एक इंसान के जीवन के लिए महज 28 पेड़ ही हैं। 2024 के तापमान की तपिश को हम ही नहीं, पूरी एशिया झेल रही है। अनगिनत मौतों का आंकड़ा डरा रहा है। इस कड़वी सच्चाई को हम स्वीकारें या अस्वीकारें, लेकिन इस भयावह हालात के लिए हम सब गुनहगार हैं। इसमें कोई शक नहीं है, डेवलपमेंट स्वर्णिम वरदान की मानिंद है, लेकिन भौतिकता की अंधी दौड़ भी पर्यावरण के लिए अभिशाप है।

'राहुल गांधी! देश की अर्थव्यवस्था पर रहम करो'

ANALYSIS

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

एनडीए-नीत भाजपा की मोदी सरकार को लेकर आमजन के बीच फैलाए गए तमाम झूठ के बाद अब देश के उद्योग-व्यापार से जुड़े वर्ग को भ्रमित कर देश की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं, ताकि भविष्य में नई गठित सरकार पर वे अधिक आक्रामक हो सकें। लेकिन अपने राजनीतिक सत्ता के स्वार्थ के चलते वे ये नहीं सोचना चाह रहे आखिर इससे नुकसान किसका होगा? एक सशक्त विपक्ष देश ने इंडी गठबंधन के रूप में दिया है, फिर क्यों वह भारत की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने पर तुले हैं ? हद है, झूठ, कपट और छल की! इस पत्रकार वार्ता में एक घटना और घटी, वह देश के एक प्रतिष्ठित मीडिया संस्थान के संवाददाता के साथ राहुल गांधी द्वारा उसके कार्य को लेकर खड़े किए गए प्रश्न से जुड़ी। संवाददाता ने संसद में हंगामे को लेकर प्रश्न क्या किया, राहुल मंच से भाजपा की टीशर्ट पहन लेने की सलाह देने लगे! निश्चित ही यह मीडिया का बड़ा अपमान है, क्योंकि प्रश्न करना प्रत्येक मीडिया कर्मी का अधिकार है, जब कांग्रेस का सामर्थ्य ही नहीं, प्रश्नों के उत्तर देने का धैर्य नहीं, तब फिर प्रेस वार्ता बुलाने की जरूरत ही क्यों है?

राहुल गांधी ने एक बार फिर देश की अर्थव्यवस्था को कमजोर करने की दिशा में पहल की है, क्या एक सांसद को जिसके बारे में बताया गया है कि उसने अमेरिका की हार्वर्ड यूनिवर्सिटी, कैंब्रिज यूनिवर्सिटी और फिर लंदन में एक मैनेजमेंट कंसल्टिंग फर्म मॉनिटर ग्रुप के साथ अपना प्रोफेशनल सफर शुरू किया। भारत लौटने के बाद अपनी एक टेक्नोलॉजी आउटसोर्सिंग फर्म इं'ङ्क्स्त्र२ री१ॄ्री२ ढ१५ं३ी छ३ा शुरू की, जिसके डायरेक्टर खुद राहुल गांधी बने, अब क्या उन्हें इतना भी नहीं पता है कि शेयर मार्केट जोखिमों के अधीन है? व्यक्ति को अपना रिस्क स्वयं से उठाना होता है। आर्थिक लाभ यदि हुआ तो वह उसका है और नुकसान भी हुआ तो भी वह उसके स्वयं के लिए गए निर्णय पर आधारित है, इसके लिए किसी को दोष नहीं दिया जा सकता, फिर भी वे पत्रकारों के बीच शेयर मार्केट के नीचे जाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दोषी ठहरा रहे हैं। दरअससल, इससे लगता यही है कि वे पिछली एनडीए-नीत भाजपा की मोदी सरकार को लेकर आमजन के बीच फैलाए गए तमाम झूठ के बाद अब देश के उद्योग-व्यापार से जुड़े वर्ग को भ्रमित कर देश की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं, ताकि भविष्य में नई गठित सरकार पर वे अधिक आक्रामक हो सकें। लेकिन अपने राजनीतिक सत्ता के स्वार्थ के चलते वे ये नहीं सोचना चाह रहे आखिर इससे नुकसान किसका होगा? एक सशक्त विपक्ष देश ने इंडी गठबंधन के रूप में दिया है, फिर क्यों वह भारत की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने पर तुले हैं ? हद है, झूठ, कपट और छल की! इस पत्रकार वार्ता में एक घटना और घटी, वह देश

के एक प्रतिष्ठित मीडिया संस्थान के संवाददाता के साथ राहुल गांधी द्वारा उसके कार्य को लेकर खड़े किए गए प्रश्न से जुड़ी। संवाददाता ने संसद में हंगामे को लेकर प्रश्न क्या किया, राहुल मंच से भाजपा की टीशर्ट पहन लेने की सलाह देने लगे! निश्चित ही यह मीडिया का बड़ा अपमान है, क्योंकि प्रश्न करना प्रत्येक मीडिया कर्मी का अधिकार है, जब कांग्रेस का सामर्थ्य ही नहीं, प्रश्नों के उत्तर देने का धैर्य नहीं, तब फिर प्रेस वार्ता बुलाने की जरूरत ही क्यों है? इससे एक बात तो साफ हो गई है कि राहुल अब जो कर रहे हैं वह चुनाव सम्पन्न होने से भी ज्यादा भयंकर है। स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि कांग्रेस की सीटें बढ़ने से उनमें अहंकार भी बढ़ गया है, वह किसी से भी कुछ बोल रहे हैं! यहां वापस मुद्दे पर आते हैं । बात शेयर मार्केट के नीचे जाने और इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी को आरोपित करने की हो रही है। राहुल का आरोप है, 'प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, उनके लिए काम कर रहे एग्जिट पोल्स्टर्स और मित्र मीडिया ने मिलकर देश के सबसे बड़े 'स्टॉक मार्केट स्कैम' की साजिश रची है। 5 करोड़ छोटे निवेशक परिवारों के 30 लाख करोड़ रुपये डूब गए हैं। इसलिए जेपीसी गठित कर इस 'क्रिमिनल एक्ट' की जांच की जाए। जिन फर्जी चुनावी एजेंसियों ने गलत एग्जिट पोल्स दिए उनकी भी इस घोटाले में भूमिका है। इसकी जांच के लिए एक जेपीसी (संयुक्त संसदीय समिति) गठित की जानी चाहिए।'

राहुल के इस बयान के तीन मुख्य अर्थ निकल रहे हैं । एक कि मोदी-शाह ने एक बड़ा स्कैम किया है, दो इसमें मीडिया भी शामिल है, तीन, एग्जिट पोल्स करनेवाली एजेंसियां भी इस स्कैम को रचनेवाली हैं और सबसे बड़ी बात यह कि राहुल इस पूरे घटनाक्रम को बड़े 'स्टॉक मार्केट स्कैम' व 'क्रिमिनल एक्ट' करार दे रहे हैं। ऐसे में आज यह जरूरी हो जाता है कि राहुल गांधी से यह जरूर पूछना चाहिए कि जो निवेशक थे, वह क्या मीडिया संस्थानों और पत्रकारों से पूछ-पूछ कर कंपनियों के शेयर खरीद रहे थे? जिन एग्जिट पोल्स एजेंसियों को राहुल झूठा करार दे रहे हैं, सच तो यह है कि वह भी असत्य साबित नहीं हुई हैं। राहुल गांधी आज शेयर मार्केट को लेकर जो कह रहे हैं, आमजन एवं देश के उद्योग जगत के बीच धारणा इसके उलट भी तो हो सकती है, जो राहुल मतगणना के पहले तक कह रहे थे, ये एग्जिट पोल नहीं मोदी मीडिया पोल है। ये मोदी का पोल है। फैंटेसी पोल है। यहां इसका उलट भी तो हो सकता है, क्योंकि देश एक स्थायी और सशक्त सरकार चाहता है, इंडी गठबंधन जैसा माहौल बना रहा था और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने रविवार (2जून) को इंडी गठबंधन को लेकर साफ बताया था, वे 295 सीटें जीत रहे हैं, तब यह संभावना क्यों नहीं हो सकती कि शेयर मार्केट राहुल के दावे स्थायी सरकार देने से ऊपर गया हो और जब बाजार ने देखा कि सरकार कमजोर बनने जा रही है तो शेयर धड़ाम हो गए हों। फिर क्यों न इस पूरे मामले में राहुल गांधी एवं इंडी गठबंधन के नेताओं को ही दोषी ठहराया जाए! जिन्होंने जीत के बड़े-बड़े दावे किए और आमजन को अपनी दम पर स्थायी सरकार देने का भरोसा दिया था? वैसे हाल ही में जो पीयूष गोयल ने कहा, यहां वही सबसे बड़ा सच है, उन्होंने कहा, कांग्रेस नेता निवेशकों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। राहुल गांधी के आरोप निराधार इसलिए हैं क्योंकि भारतीय खुदरा निवेशक भारतीय स्टॉक एक्सचेंजों के बाजार पूंजीकरण में 2014 में 67-लाख करोड़ से बढ़कर अब 415-लाख करोड़ कमाने पर आ गए हैं, कहना होगा कि यह मोदी के शासन के दस सालों की देन है। इसी वक्त में भारतीय खुदरा निवेशक सबसे बड़े लाभार्थी रहे भारतीय निवेशकों ने वास्तव में चुनावी मतगणना के दिन सहित पिछले कुछ दिनों में बाजार में उतार-चढ़ाव से (विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की कीमत पर) व्यापारिक लाभ कमाया है। उन्होंने कहा कि गांधी मूल्यांकन (बाजार पूंजीकरण) के नुकसान का जिक्र कर रहे थे, जो उन दिनों लेनदेन किए गए शेयरों के मूल्य से लाभ या हानि से अलग था। अभी हाल ही में पिछले तीन दिन लगातार मार्केट ने जो वापसी की है, उसका श्रेय क्या बड़े मन से नए एनडीए गठबंधन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को राहुल गांधी देंगे? क्यों कि मार्केट को फिर से पंख लग गए हैं। लोकसभा चुनाव के नतीजों वाले दिन मार्केट करीब 12 फीसद गिरा था, किंतु देश की राजनीतिक स्थिति साफ होते ही अगले ही दिन मार्केट ने रिकवर करना शुरू कर दिया और एक ही दिन में निवेशकों को करीब 8 लाख करोड़ रुपये का फायदा पहुंचा । क्या राहुल गांधी और उनके समेत पूरी कांग्रेस केंद्र में फिर से मोदी सरकार के आने के मजबूत संकेत को देखते हुए शेयर मार्केट में यह बढ़ोतरी देखने को मिल रही है, उसके लिए भाजपा और मोदी का आभार व्यक्त करेंगे? फिलहाल तो शेयर मार्केट ने दोबारा 75 हजार का आंकड़ा पार कर लिया है । दो दिन में ही निवेशकों को 21 लाख करोड़ रुपये का फायदा हुआ है। दो दिनों में यह 3000 अंक चढ़ चुका है 4 जून को मार्केट बंद होने के बाद बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का ओवरऑल मार्केट कैप 394 लाख करोड़ रुपये था। जो अब 415 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। अभी भारतीय बेंचमार्क सूचकांक सकारात्मक रुख के साथ कारोबार कर रहे हैं। बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी में सात जून को भी 1% से अधिक की बढ़ोतरी हुई है, क्योंकि आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति ने वित्त वर्ष 2025 की अपनी दूसरी बैठक में रेपो दर को 6.5% पर अपरिवर्तित रखने का फैसला किया। क्या राहुल गांधी इस ताजा अपडेट पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी आर्थिक नीतियों के लिए पूरे एनडीए की प्रशंसा करने का सामर्थ्य रखते हैं?

महासागरों में बढ़ते प्रदूषण को रोकना होगा

महासागर इस दुनिया में मनुष्य के जीवित रहने का एक प्रमुख कारण है। महासागर हमें पीने के लिए पानी और सांस लेने के लिए ताजी हवा प्रदान करता है। इसलिए महासागर प्रदूषण का मुद्दा महत्वपूर्ण है। हम अपने जीवन में बहुत कुछ महासागर पर निर्भर हैं। महासागर प्रदूषण एक बड़ी समस्या बनता जा रहा है। हमारे महासागरों में कचरा जमा हो रहा है लेकिन सवाल यह है कि कचरा कहां से आ रहा हैं। आज जब विश्व की कुल जनसंख्या का 30 प्रतिशत तटीय क्षेत्रों में निवास करता है तो ऐसी स्थिति में महासागर उनके लिए खाद्य पदार्थों का प्रमुख स्रोत साबित हो सकते हैं। सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण होने के कारण महासागर अत्यंत उपयोगी हैं। पृथ्वी पर जीवन का अस्तित्व यहां उपस्थित वायुमंडल और महासागरों जैसे कुछ विशेष कारकों के कारण ही संभव हो पाया है। अपने आरंभिक काल से आज तक महासागर जीवन के विविध रूपों को संजोए हुए हैं। पृथ्वी के विशाल क्षेत्र में फैले अथाह जल का भंडार होने के साथ ही महासागर अपने अंदर व आसपास अनेक छोटे-छोटे नाजुक पारितंत्रों को पनाह देते हैं, जिससे उन स्थानों पर विभिन्न प्रकार के जीव-जंतु व वनस्पतियां पनपती हैं। वर्तमान में मानवीय गतिविधियों का प्रभाव समुद्रों पर भी दिखाई देने लगा है। महासागरों के तटीय क्षेत्रों में दिनों-दिन प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है। जहां तटीय क्षेत्र विशेष कर नदियों के मुहानों पर सूर्य के प्रकाश की पर्याप्तता के कारण अधिक जैव-विविधता वाले क्षेत्रों के रूप में पहचाने जाते थे। वहीं अब इन क्षेत्रों के समुद्री जल में भारी मात्रा में प्रदूषणकारी तत्वों के मिलने से वहां जीवन संकट में हैं। तेलवाहक जहाजों से तेल के रिसाव के कारण एवं समुद्री जल के मटमैला होने पर उसमें सूर्य का प्रकाश गहराई तक नहीं पहुंच पाता है। जिससे वहां जीवन को पनपने में परेशानी होती है और उन स्थानों पर जैव-विविधता भी प्रभावित होती है। हर साल 08 जून को दुनिया भर में विश्व महासागर दिवस मनाया जाता है। 1987 में ब्रंटलैंड की एक रिपोर्ट में टिप्पणी की गयी थी की विश्व के जो महासागर हैं उन पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इसी रिपोर्ट से प्रेरित होकर कनाडा ने विश्व महासागर दिवस मानाने का प्रस्ताव रखा। 1992 में कनाडा के इंटरनेशनल सेंटर फॉर ओशन डेवलपमेंट ने इस दिवस को मानाने का प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र के एक सम्मेलन अर्थ समिट में रखा था। 8 जून 2009 को पहला विश्व महासागर दिवस मनाया गया। इसके बाद से प्रतिवर्ष 8 जून को विश्व महासागर दिवस मनाया जाता है। हर साल विश्व महासागर दिवस के अवसर पर विश्व में महासागर से जुड़े विषयों पर विभिन्न आयोजन किए जाते हैं। जो महासागर के सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं के प्रति जागरूकता पैदा करने में मुख्य भूमिका निभाते हैं। महासागर हमारी पृथ्वी पर न सिर्फ जीवन के प्रतीक है बल्कि पर्यावरण संतुलन में भी प्रमुख भूमिका अदा करते है। पृथ्वी पर जीवन का आरंभ महासागरों से माना जाता है। महासागरो में असीम जैव विविधता का भंडार समाया है। पृथ्वी का लगभग 70 प्रतिशत भाग महासागरों से घिरा है। पृथ्वी पर उपलब्ध समस्त जल का लगभग 97 प्रतिशत जल महासागरों में समाया हुआ है। महासागरों की विशालता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि यदि पृथ्वी के सभी महासागरों को एक विशाल महासागर मान लिया जाए तो उसकी तुलना में पृथ्वी के सभी महाद्वीप एक छोटे द्वीप से प्रतीत होंगे। महासागर खाद्य पदार्थों का एक प्रमुख स्रोत होने के कारण हमारी अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। आज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की मदद से महासागरों से पेट्रोलियम सहित अनेक महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधनों को निकाला जा रहा है। इसके अलावा जलवायु परिवर्तन सहित अनेक मौसमी घटनाओं को समझने के लिए समुद्रों का अध्ययन भी महत्वपूर्ण है। पृथ्वी पर जीवन की उत्पत्ति महासागरों में ही हुई है। आज भी महासागर जीवन के लिए आवश्यक परिस्थितियों को बनाए रखने में सहायक हैं। महासागर पृथ्वी के एक तिहाई से अधिक क्षेत्र में फैले हैं। इसलिए महासागरीय पारितंत्र में थोड़ा सा परिवर्तन पृथ्वी के समूचे तंत्र को अव्यवस्थित करने का सामर्थ्य रखता है। प्रशांत महासागर पृथ्वी पर सबसे बड़ा महासागर है। पृथ्वी की सतह का यह लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा है। इस महासागर की गहराई 35 हजार फुट और इसका आकार ट्राईगल यानि त्रिभुजाकार है। प्रशांत महासागर में करीब 25,000 द्वीप हैं। अटलांटिक महासागर क्षेत्रफल और विस्तार की दृष्टि से दुनिया का दूसरे सबसे बड़ा महासागर है। इसके पास पृथ्वी का 21 प्रतिशत से अधिक भाग है। अटलांटिक महासागर का आकार अंग्रेजी के 8 की संख्या के जैसा है। इस महासागर की कुछ वनस्पतियां खुद से चमकती हैं क्योंकि यहां सूर्य की रोशनी नहीं पहुंचती। हिंद महासागर दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा महासागर है। यह धरती का लगभग 14 प्रतिशत हिस्सा है। हिंद महासागर को रत्नसागर नाम से भी जाना जाता है। हिन्द महासागर इकलौता ऐसा महासागर है जिसका नाम किसी देश के नाम पर रखा गया है। अंटार्कटिका महासागरों में चौथा सबसे बड़ा महासागर है। इस महासागर को ऑस्ट्रल महासागर के नाम से भी जाना जाता है। इस महासागर में आइसबर्ग तैरते हुए देखे जाते हैं। अंटार्कटिका की बर्फीली जमीन के अंदर 400 से भी अधिक झीलें हैं। आर्कटिक महासागर पांच महासागरों में सबसे छोटा और उथला महासागर है। इसे उत्तरी ध्रुवीय महासागर भी कहते हैं। सर्दियों में यह महासागर पूर्णतः समुद्री बर्फ से ढका रहता है। महासागरों में बढ़ता प्रदूषण चिंता का विषय बनता जा रहा है।

Social Media Corner

सच के हक में...

श्री रामोजी राव गरू का निधन अत्यंत दु:खद है। वह एक दूरदर्शी व्यक्ति थे जिन्होंने भारतीय मीडिया में क्रांति ला दी। उनके समृद्ध योगदान ने पत्रकारिता और फिल्म जगत पर अमिट छाप छोड़ी है। अपने उल्लेखनीय प्रयासों से उन्होंने मीडिया और मनोरंजन जगत में नवाचार और उत्कृष्टता के नये मानक स्थापित किए। रामोजी राव गरू भारत के विकास को लेकर बेहद भावुक थे। मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे उनके साथ बातचीत करने और उनकी बुद्धिमत्ता से लाभ उठाने के कई अवसर मिले। इस कठिन समय में उनके परिवार, दोस्तों और अनगिनत प्रशंसकों के प्रति संवेदना। शांति।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

ईनाडु न्यूज नेटवर्क/ईटीवी समूह एवं रामोजी फिल्म सिटी के संस्थापक पद्मविभूषण रामोजी राव जी के निधन की दु:खद सूचना प्राप्त हुई है। उनके निधन से मीडिया और फिल्म उद्योग के क्षेत्र में अपूरणीय क्षति हुई है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें तथा शोकाकुल परिजनों को दु:ख की इस घड़ी में संबल प्रदान करें। अंतिम जोहार !

(सीएम चम्पाई सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

आम चुनाव, आयोग और बापू...!

देश लोकतंत्र का महापर्व मनाकर फुरसत हो चुका है। अब नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह को देखने का इंतजार है। इस बार का आम चुनाव कई मायने में खास रहा। सात चरणों में हुए चुनाव के दौरान देश ने अपार गर्मी झेली। मतदाता तेज धूप में नेताओं के भाषण सुनते रहे। चार जून को नतीजे आए। इन नतीजों ने कुछ हद तक चौंकाया भी। पहली बार एग्जिट पोल के अनुमान धराशायी हो गए। जनादेश आने से एक दिन पहले तीन जून को भारत निर्वाचन आयोग ने नई दिल्ली में संवाददाता सम्मेलन में अपने कीर्तिमान भी गिनाए। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने सगर्व कहा कि पहली बार आम चुनाव में 31 करोड़ महिलाओं ने मताधिकार का प्रयोग किया। इस बार घर से ही वोटिंग करने का भी रिकॉर्ड बना है। साथ ही इस बार चुनाव में 31 करोड़ 20 लाख महिलाओं सहित 64 करोड़ 20 मतदाताओं के हिस्सा लेने के साथ विश्व रिकॉर्ड बना है। यह आंकड़ा जी-7 देशों के मतदाताओं का 1.5 गुना जबकि यूरोपीय संघ के 27 देशों के मतदाताओं का 2.5 गुना है। लोकसभा चुनाव-2024 पर कुमार ने काफी कुछ कहा। उन्होंने कहा कि यह उन आम चुनावों में से एक है, जिसमें हमने हिंसा नहीं देखी। उन्होंने सुखद संदेश दिया कि अब जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया जल्द ही शुरू होगी। यह सनद किया जाए कि भारत निर्वाचन आयोग ने अठारहवीं लोकसभा के लिए नवनिर्वाचित सदस्यों की सूची राष्ट्रपति को सौंप दी है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार, निर्वाचन आयुक्त (द्वय) ज्ञानेश कुमार और डॉ. सुखबीर सिंह संधू छह जून को शाम साढ़े चार बजे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलने पहुंचे। उन्होंने राष्ट्रपति को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 73 के संदर्भ में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी अधिसूचना की एक प्रति सौंपी। इसमें लोकसभा के निर्वाचित सदस्यों के नाम शामिल हैं। इसके बाद तीनों राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का आशीर्वाद लेने उनके समाधि स्थल राजघाट पहुंचे। राजघाट पर राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद आयोग का बयान आया। उसे केंद्र सरकार के पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) ने जारी किया। पीआईबी की वेबसाइट पर आयोग का अविकल बयान-"हम यहां राष्ट्र द्वारा हमें सौंपे गए पवित्र कार्य, 18वीं लोकसभा के आम चुनाव सम्पन्न कराने के बाद राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए खड़े हैं। हम भारत के लोगों की इच्छा को लगभग अहिंसक तरीके से उत्प्रेरित करने के बाद अपने दिल में विनम्रता लिए हुए यहां खड़े हैं।" "लोकतंत्र में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है", यह वह स्पष्ट प्रतिबद्धता थी जिसके साथ 16 मार्च, 2024 को 18वीं लोकसभा के चुनावों की घोषणा की गई थी। चुनावी प्रक्रिया को हिंसा से मुक्त रखने की इस प्रतिज्ञा के पीछे हमारी प्रेरणा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी थे। उन्होंने इंसान के बीच समानता की वकालत की और सभी के लिए लोकतांत्रिक अधिकारों की वकालत की। महात्मा के विचारों में, वयस्क मताधिकार " सभी प्रकार के वर्गों की सभी उचित आकांक्षाओं को पूरा करने में सक्षम बनाता है"। मतदान केन्द्रों पर उत्सव के मूड में लंबी कतारें और मतपत्र के माध्यम से अपने भविष्य का फैसला करने का दृढ़ संकल्प महात्मा के पोषित आदर्शों और भारत की सभ्यतागत विरासत का प्रमाण था। आयोग ने पूरे दिल, दिमाग और पूरी ईमानदारी के साथ यह सुनिश्चित करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया है कि सबसे आम भारतीय का मताधिकार किसी भी कीमत पर नकारा न जाए, बल्कि इसे सख्ती से सक्षम बनाया जाए, कि दुनिया की सबसे बड़ी चुनावी प्रतियोगिता लोकतांत्रिक अधिशेष पैदा करे, और हमारे विशाल परिदृश्य में शामिल करोड़ों लोगों के गहन कार्यों में किसी भी रूप में हिंसा की थोड़ी सी भी छाया पड़ने की अनुमति न हो।

तीसरा कार्यकाल

नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने की दिशा में कदम बढ़ा चुके हैं और उन्हें आधिकारिक रूप से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के संसदीय दल का नेता चुन लिया गया है। नेता चुने जाते ही नरेंद्र मोदी ने उचित ही आश्वस्त किया कि वह अपनी अगली सरकार के सभी फैसलों में सर्वसम्मति सुनिश्चित करने का प्रयास करेंगे। वह पहले भी गठबंधन की सरकार चला चुके हैं, मगर इस बार गठबंधन पर उनकी निर्भरता है। ऐसे में, सहयोगी दलों के साथ मिलकर चलना इस कार्यकाल की मांग है। यह अपने आप में सुखद है कि उनकी आगामी सरकार में दक्षिण भारत से चंद्रबाबू नायडू का मजबूत प्रतिनिधित्व रहेगा, तो उत्तर भारत से सबसे बडे. सहयोगी नीतीश कुमार रहेंगे। नायडू और नीतीश कुमार, दोनों को विश्वास में लेते हुए अगर केंद्र सरकार काम करती है, तो जाहिर है, विपक्ष को भी उसे अस्थिर करने के ज्यादा मौके नहीं मिलेंगे। विपक्ष तो इसी ताक में हमेशा रहेगा कि एनडीए में फूट पड़े और भाजपा कमजोर हो। खैर, अब यह भारतीय इतिहास में दर्ज हो गया है कि भाजपा के वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह ने संसदीय दल के नेता के रूप में नरेंद्र मोदी का नाम प्रस्तावित किया और उनके प्रस्ताव का अमित शाह, तेदेपा प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू, बिहार के मुख्यमंत्री व जद-यू प्रमुख नीतीश कुमार और अन्य नेताओं ने समर्थन किया। प्रधानमंत्री के नाम पर गठबंधन में सर्वसम्मति है और अब उनके भावी कार्यकाल की ओर सबकी निगाह रहने वाली है। नरेंद्र मोदी भी अपने तीसरे कार्यकाल का महत्व अच्छी तरह समझ रहे हैं और इसी रोशनी में उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि अगले दशक में भारत के लिए उनका व्यक्तिगत सपना सुशासन, विकास और प्रत्येक नागरिक के जीवन में सुधार पर केंद्रित होगा। उन्होंने यह भी कहा है कि लोगों के जीवन में सरकारी हस्तक्षेप कम करने से हमारा लोकतंत्र ही मजबूत होगा।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

South Africa learning to keep up with a changing world

THE ruling African National Congress (ANC) has recorded its worst poll performance since the end of apartheid in South Africa three decades ago. It has bagged barely 40 per cent of the votes in the recent elections, even as former President Jacob Zuma's newly founded uMkhonto weSizwe (MK) Party secured a vote share of 15 per cent.

South Africa went to the polls on May 29. Voting was held for the formation of Parliament and state Assemblies. The new Parliament will elect the President. Observers have viewed the poll outcome as a sign of the diminishing value of the single-party system. A transition to a coalition government was anticipated, but the scale of the ANC's decline is huge. Will this lead to a more mature polity? Or, like in other African countries, will election outcomes widen fissures? Kenyan President William Ruto, who led the African Union (AU) observer mission, suggested a coalition based on agreement.

Since the end of apartheid in 1994, the ANC has had a majority in both Houses of Parliament. The party's vote share had been in excess of 60 per cent, except in 2019, when it dipped to 57.5 per cent.Though the ANC still has the largest vote share, it lacks a majority to form the government. It is holding talks with other parties over stitching together a ruling coalition. A 14-day window for government formation is open.

While the White-dominated Democratic Alliance (DA) has improved its vote share from 20.77 per cent to 21.69 per cent, the Economic Freedom Fighters (EFF) has seen its share decline from 10.8 per cent to 9.46 per cent. The good performance delivered by Zuma's MK is the major reason why the ANC has lost ground, mainly in KwaZulu-Natal.

With Cyril Ramaphosa as the President, South Africa tried to play a larger role on the world stage. A stable nation would be able to continue to do so. A coalition government, however, would need to harmonise the nuances of foreign policy.

The MK and the EFF are unlikely to have major differences with the existing foreign policy. Their domestic demands may be stronger. A coalition including the DA will lead to a balancing act in foreign policy and perhaps push South Africa to a less strident anti-West position. The DA is a centre-right party with an anti-corruption and economic reform agenda, which is preferred by investors.In the past five years, the salient features of South Africa's policy have included a closer engagement with China and, consequently, with Russia. It has distanced itself somewhat from the Western bloc. After initial criticism of the Russian action against Ukraine, not only did South Africa abstain from voting on UN resolutions pertaining to the conflict, but it also led an African peace initiative to visit both warring countries. This is not in consonance with the position held by the US-led West on Ukraine.

Between 2019 and 2021, South Africa held a non-permanent seat on the UN Security Council and chaired the AU. The challenges posed by the Covid-19 pandemic and the civil war in Ethiopia during that period showed the limitations of South African influence.During its BRICS chairmanship in 2023, South Africa played a role that was aligned with China's push for rapid expansion of the grouping. It is uncertain if the new members — Ethiopia, Saudi Arabia, the UAE, Iran and Egypt — are beholden to South Africa in any way. If South Africa was trying to project itself as a leader of the Global South, it failed as it couldn't persuade Argentina and Indonesia to join the bloc.South Africa, which will take over as the G20 president in 2025, will become the fourth country in a row from the South (after Indonesia, India and Brazil) to chair the multilateral body before the US assumes its presidency in 2026. It remains to be seen whether South Africa will play the role of a Global South leader or a Chinese-influenced president.

South Africa has been taking the lead in the World Trade Organisation in conjunction with India in regard to issues of importance in the countries of the Global South. On the West Asian crisis, it has stepped out of the course to attack Israel through the International Court of Justice, invoking the Genocide Convention.

Tolerance & acceptance count in polarised times

Vivekananda denounced sectarianism, bigotry and fanaticism. He would been appalled at the utterances of some leaders during the election campaign.

At the conclusion of his much-publicised meditation at the Vivekananda Rock Memorial in Kanniyakumari recently, Prime Minister Narendra Modi said: "Swami Vivekananda, a leader of spiritual renaissance, has been my ideal, my energy and the source of my spirituality." Modi is only one of the countless Hindus to be inspired by Swamiji since he entered the nation's consciousness in the 1890s, primarily through his impactful speech on the Hindu faith at the Parliament of Religions in Chicago in 1893. His message to the Hindus, and the youth in particular, to be strong but also compassionate, is of everlasting significance. The question is whether Modi's spirituality is on all fours with the ideals that Vivekananda firmly believed in, lived by and espoused.

Vivekananda and his companions established the Ramakrishna Mission to spread the ideas and ideals of their masters, Ramakrishna Paramahansa, and Sarada Maa. The mission has carried forward their spiritual teachings. It is good that the Prime Minister has rejuvenated himself with this spiritualism as he will begin his third term but, for the first time, leading a full-fledged coalition government.The core of Vivekananda's understanding of the Hindu way of life was expressed by him in his address at the inauguration of the Parliament of Religions. Calling Hinduism the "mother of religions", he said: "I am proud to belong to a religion which has taught the world both tolerance and universal acceptance. We believe not only in universal toleration, but we accept all religions as true. I am proud to belong to a nation which has sheltered the persecuted and the refugees of all religions and all nations of the earth… I will quote to you, brethren, a few lines from a hymn which I remember to have repeated from my earliest boyhood, which is everyday repeated by millions of human beings: 'As the different streams having their sources in different paths which men take through different tendencies, various though they appear, crooked or straight, all lead to Thee'." He went on to add: "Sectarianism, bigotry and its horrible descendent, fanaticism, have long possessed this beautiful earth. They have filled the earth with violence, drenched it often and often with human blood, destroyed civilisation and sent whole nations to despair. Had it not been for these horrible demons, human society would be far more advanced than it is now." He concluded with the fervent hope that fanaticism and persecution would end.I have extensively quoted from Swamiji's address because his message on central Hindu beliefs is particularly relevant to our polarised times. If 'tolerance' and "accepting all religions as true" are the essence of the Hindu faith, it logically follows that all Hindus should accept these propositions and live by them without linking them to the beliefs of the adherents of other faiths. And, political leaders who have been inspired by them should demonstrate their commitment to these ideals through the correct implementation of their policies instead of just mouthing slogans. This obviously can never mean that Hindus should meekly accept deliberate contempt or distortion of their great faith.

The election campaign of the BJP, in particular, drifted away, in part, from the path of tolerance and acceptance. The political class should carefully consider how to preserve the values of tolerance and acceptance even during an election campaign. A model/moral code of conduct can only be upheld if these values are not abandoned during campaigning. Yes, the cut and thrust of arguments and forcefully putting forth views which support a party's thinking and programmes are part of politics and electioneering. Yes, campaigns can generate heat through criticism and even sarcasm, but should they go beyond all that? Certainly, Swamiji would have been appalled at the utterances of some of the leaders during the campaign.In a recent article, Modi wrote that as he continued with his meditation at the rock memorial, "the heated political debates, the attacks and counter-attacks, the voices and words of accusations, they all vanished into a void". The point is that all people are not as spiritually evolved as he is. They cannot forget unkind words. The words remain in memory, gnawing away at their emotions and their sense of self-worth. It can even be asserted that historical wrongs cannot be corrected by causing anguish among large sections of people. Other ways to address them have to be found.

Swamiji denounced sectarianism, bigotry and fanaticism. These characteristics are not the monopoly of any faith. The Constitution, too, mandates that all Indians will be treated equally. It obliges political leaders to make equality the foundational principle of governance. It is insufficient that all sections of the people be given equal access to the advantages of economic schemes for they need the assurance of living their lives without fear and with dignity. They should also have a sense of participation in governance. Some of the political utterances during the campaign sailed close to the characteristics that Vivekananda had denounced.

There is little doubt that ideological battles will continue in India. The past decade has witnessed Modi and the Sangh Parivar's attempts at putting their stamp on the country. In his speech to the party's faithful after the election results, Modi asserted that his campaign to make India great would go on. The Parivar wishes to make India great in keeping with its lore of India's ancient glory. There has been a concerted attempt to change the public culture of India. Naturally, public culture evolves. The Indo-Persianate culture gave way to one infused with British practices. Now, the Parivar derides all that which emerged during Nehru's India. These changes really do not matter so long as India's public culture contains the values which Swami Vivekananda mentioned in his Chicago address. This can only mean that tolerance and acceptance be extended to all faiths and their adherents in India. That was lamentably absent in some of Modi's campaign speeches.

Delhi's water crisis

SC orders smooth flow from HP via Haryana

THE Supreme Court's directive to Haryana to ensure that the additional water Himachal Pradesh has agreed to supply reaches Delhi underscores the issue of water politics in India. Since HP does not share a border with Delhi, the water must be routed through the Wazirabad Barrage in Haryana. Amid a scorching heatwave, Delhi is grappling with a water crisis. The court's call for an apolitical approach to water distribution highlights the fundamental need for cooperation and rational resource management among states.

Delhi relies heavily on neighbouring states for its water supply, making it vulnerable to inter-state disputes and inefficiencies in water management. The matter has been contentious for years, reflecting deeper systemic issues in water governance. Haryana has frequently been accused of withholding Delhi's fair share, citing its own water needs and lack of clear mechanisms to measure surplus supplies from HP. These disputes escalate during summers, leading to legal battles. The Upper Yamuna River Board (UYRB), meant to mediate in such cases, has been criticised for its ineptitude, highlighting the need for a cooperative, transparent approach to water management. The ongoing crisis not only threatens public health but also highlights the necessity for sustainable and equitable water management practices.

Meanwhile, the Delhi government also needs to fix its inefficiencies, including water wastage — which is reported to be over a shocking 50 per cent due to leakage, theft and the tanker mafia — and crack down on illegal connections. Simultaneously, efforts must be intensified to spur robust inter-state cooperation and effective implementation of agreements facilitated by bodies like the UYRB. This requires an apolitical, collaborative approach to water management that prioritises the needs of all citizens. Sustainable water practices must become the norm to prevent future crises and ensure equitable distribution of this precious resource.

Opposition parties must keep INDIA intact

The bloc has done well to disprove Modi-Shah's prediction of a runaway victory for the NDA

NARENDRA Modi has won his third term as the Prime Minister. It was not the cakewalk that the exit polls had predicted. The BJP managed just 240 seats, well below the half-way mark of 272. It will have to accommodate its partners in the NDA in order to govern. The Telugu Desam Party (TDP), the Janata Dal (United) and others together picked up 50-odd seats; this will pose a problem for Modi in allocating Cabinet portfolios.The NDA, which includes the parties that had a pre-poll understanding with the BJP, secured more than a hundred seats less than the 400-mark that Modi had set. He is still the most capable political leader in the country, but his authority has diminished. He will have to rethink his strategy of governance, particularly how he treats political opponents and the minorities.

Modi used the 'Hindu majority versus Muslim minrity' card to gain electoral victory. It worked in 2014 and 2019. But with this modified mandate, he will have to change his approach. Clearly, it is not a winner anymore. He needs to discipline the fringe elements in the Sangh Parivar who had free rein in the first 10 years of his reign and had tasted blood. Taming them will take some doing. It is not easy to rebottle the genie once it is released.

Modi will have to concentrate on jobs and unemployment. This should be his first and foremost concern in his third term. His meditation at the Vivekananda Rock Memorial must have filled him with thoughts of things to do and also, I hope, things he should not do. All that will need to be revised in the light of the harsh message that Indian voters have delivered. He will have to start with the basics — education and health.

Here, he should draw lessons from his opponent, Arvind Kejriwal, and the Aam Aadmi Party. That party has made major strides in both fields. Unless the productivity of our labour force is raised by many notches, we will not be able to match our neighbour to our east, which has stolen a march of 50 years or more on us. For productivity to improve, the levels of education and health of the lowest economic brackets have to be lifted by their bootstraps.

Modi also needs to moderate his dislike for those he calls 'urban Naxals'. Most of them come from affluent families but have developed an outsized concern for the poor and the dispossessed. Last week, I wrote about Alpa Shah and her book on the 16 Bhima Koregaon accused. Two or three of the 'BK 16' were deeply concerned for the tribals. Eight were Dalits fighting for the empowerment of their community. None had shown any violent streak. None had pushed their followers into activities that could be classified as violent. Yet, they had been incarcerated for years under the draconian UAPA. Modi should give the green signal for the release on bail of those still in jail. That would signal a change of heart that is urgently needed.With the BJP failing to secure a majority on its own, stability is not assured. Chandrababu Naidu's TDP and Nitish Kumar's JD(U) do not share the BJP's Hindutva ideology. What is needed now is course correction on the lines spelt out by me earlier. That course correction is necessary to retrieve Modi's fast-fading reputation as a 'once-in-a-lifetime' leader with the qualities that befit a statesman.The INDIA bloc had come together to oust Modi from power. Its members were aware that when he ruled from his vantage position as the elected leader, he was likely to crush them one by one, like he had disposed of the old leaders in his own party and kept upcoming leaders guessing. Modi is a natural-born leader with a sharp instinct for survival. He is not going to allow this 'defeat' to demoralise him. thin air after its defeat in the polls. Taking a cue from his own wisdom, these leaders should think positively. They have fought a valiant battle and should not consider this electoral loss as a defeat.

They have disproved Modi's and Shah's prediction of a runaway victory for the NDA as a gross miscalculation. It could even be interpreted as a slap on the face of the two leaders. The BJP enjoys only 37 per cent backing of the Indian people. The NDA collectively is slightly better at 41 per cent. The majority of the Indian electorate is not with Modi and his ideology.Keeping this in mind, INDIA constituents need to stick together for survival. Sharad Pawar, once Maharashtra's strongman, predicted that smaller parties in INDIA would merge with the Congress. I doubt if that would happen. An up-and-coming leader like Kejriwal has his sights on the PM's chair. There is no chance of his party merging with the Congress, which AAP has already reduced to irrelevance in the national capital territory. Incidentally, AAP's own performance in these elections was quite miserable.The Election Commission of India (ECI) was the recipient of much flak, mostly uncalled for but some well-deserved.

Its hesitation to rein in the PM, particularly for vituperative remarks bordering on the scandalous, was the real cause of the epithets hurled at the commission. The loss of credibility of the ECI is the biggest negative outcome of this year's Lok Sabha polls. That could have been avoided in the 'Mother of Democracy'.The exit polls were unanimous in proclaiming the BJP as runaway winner of the Lok Sabha polls. I had calculated that the BJP would win but not with such a wide margin. The less affluent sections of the country's population were solidly behind Modi. The domestic help, security guards and others of the same economic bracket, hailing from UP, Uttarakhand and Bihar, were solidly pro-Modi.The BJP had lost traction among those who had benefited the most from its economic policies. I am not referring here to the captains of industry and the businessmen at the top of the corporate ladder, but to their high-salaried employees.

ven the monthly dole of 5 kg of rice or wheat for each 'below poverty line' ration-card holder seemed to have swayed them. The direct transfer of subsidy to individual bank accounts, the pension payments to widows and welfare grants to women for education or their marriage expenses — all these played on the minds of the less fortunate, without whose votes victory was out of the question.

The salaried and, more than them, the intellectual class, which would normally have supported a right-wing dispensation, had begun questioning the government's approach to human rights and freedom of speech. Some of the political moves against its adversaries also came up for scrutiny. The BJP lost the votes of these people, but the loss was compensated by the freshly minted votes of the poor.

Adani Green Energy secures 20-year PPA with Sri Lanka

NEW DELHI. Adani Green Energy is said to have secured a 20-year power purchase agreement (PPA) with Sri Lanka for the development of two wind projects.According to a report, the agreement, finalised by the Sri Lankan government, encompasses projects with a total capacity of 484 megawatts (MW) to be constructed in the towns of Mannar and Pooneryn.Adani Green will be compensated at a rate of $0.0826 per kilowatt hour (kWh) for the electricity generated.This marks Adani Group's second major investment in Sri Lanka, following their involvement in the West Container Terminal project at Colombo port.In April 2024, Adani Green Energy Limited announced a significant expansion plan with a planned investment of Rs 2.3 trillion ($27.6 billion) to boost its solar and wind power generation capacity by 2030.This ambitious strategy includes an additional Rs 50 billion dedicated to renewable projects across India.These investments aim to propel Adani Green towards achieving a 45 GW operating portfolio by 2030, a substantial increase from their current 10.9 GW capacity.Demonstrating their commitment to renewables, Adani Green recently commenced operations at a 551 MW solar power plant in Khavda, Gujarat, India.This facility is already supplying power to the national grid, and the company envisions transforming Khavda into the world's largest solar park with a projected capacity of 30 GW.

ACs to ice cream: E-tail booms in cruel summer

MUMBAI. From ACs to beauty products and even snacking items, consumers are increasingly going online to fill their shopping carts as heatwaves nudge them to stay indoors, at least during the peak afternoon hours.Online sales for Voltas through Amazon and Flipkart, for instance, have grown by 190% year-on-year between March-May 2024. The company's sales through its own website have grown by almost 60% YoY between April and May, a company spokesperson said.

The demand for ACs and coolers on Flipkart has almost doubled this May over the year-ago period. While the southern and eastern parts of the country dominated demand in April, the north (largely metros and tier-1 cities) - which has been reeling from a severe heatwave - joined its eastern counterparts to drive demand for cooling products for the platform in May. "Premium segments of 2 ton and higher have gained momentum...brands like Voltas, Godrej, Lloyd, Haier and Onida have gained share," said a company spokesperson.On Amazon, orders for coolers surged from cities like Mumbai, Ahmedabad, Kolkata, Pune and Hyderabad. For Panasonic India, 5-star inverter ACs contribute to 55% of its online AC sales, which is higher than industry average, said Fumiyasu Fujimori, MD at Panasonic Marketing India.

E-commerce platforms - with their convenience of doorstep deliveries - continue to find traction among households, particularly when making large purchases. Meanwhile, for daily essentials, small-ticket as well as impulse purchases, quick commerce has become the go-to avenue.Parle's sales through quick commerce platforms like Blinkit, Swiggy Instamart and Zepto have shot up and the segment has seen a 10-15% incremental growth due to the heat, said vice-president Mayank Shah."The shopping that happens between 10-11am during the day to 6-7pm in the evening has moved online. Consumers are refraining from stepping out. As a consequence, even the online players are having to deploy more manpower and that can be a challenge," Shah said.Manish Bandlish, MD at Mother Dairy, said that demand for its ice creams, curd and dairy beverages across online channels has grown upwards of 60% in May, even higher than modern trade which has seen a growth of 40% during the period. For several others too, the trend has been similar.

Sensex jumps 1,619 points as foreign funds buy

MUMBAI. With the BJP-led alliance set to be sworn in on Sunday, Dalal Street investors are coming back in droves to revive the bull rally. On Friday, after a muted start of the session, investors, led by foreign funds, took the sensex to a new all-time high, at 76,795 points and closed a tad off that at 76,693, up 1,619 points or 2.2%.

The RBI decision to maintain a status quo on rates and an upward revision in the growth projections for the current fiscal year also helped the rally. Good monsoon forecast added to the positive cues for investors to support the rally. Short covering during the closing hour of the session added some points to the index, market players said.

On the NSE, the nifty too recorded a new all-time high mark of 23,320 points and closed at 23,290 points, up 469 points or 2.1%. The rally in the last three sessions has more than wiped out the record 4,390 point crash on Tuesday when general election results were announced.Markets shrugged off weak global cues as investors cheered RBI's higher growth forecast for FY25 in its credit policy announcement, which propelled sensex to a fresh all-time high on massive broad-based buying support," Prashanth Tapse, Senior VP (Research), Mehta Equities said.

"Also, the arrival of monsoon rains on time and expectations of its even spread across the country raised hopes of softening inflation going ahead. With the election uncertainty now over and the NDA most likely to form the government, investors are hopeful that the action will now shift to reforms and the upcoming Budget."For a change, Friday's rally was supported by foreign funds who recorded a net inflow of Rs 4,391 crore, while domestic funds were net sellers at Rs 1,290 crore, end-of-the-session data on BSE showed.The day's rally added Rs 7 lakh crore to investors' wealth with BSE's market capitalisation now at Rs 429.5 lakh croreThe day's session also saw volatility reducing substantially with India VIX, the measure of volatility, dropping to one-month low of 16. This was a sign of reduced anxiety among investors over the formation of the new government at the Centre, market players said.Going forward, a host of global and local factors are expected to drive the market. After the European Central Bank announced interest rate cut for the first time in nearly five years, hopes have revived that the US Fed might follow suit in its September meeting, said Siddhartha Khemka, Head - Retail Research, Motilal Oswal Financial Services. "Next week focus will be on allocation of key cabinet portfolios such as finance, defence, roads, energy, commerce, and railways."

ixigo IPO to Open on June 10: Check Subscription Dates, Price, GMP, Lot Size, Allotment, Listing

NEW DELHI. ixigo IPO: The initial public offering of Gurugram-based Le Travenues Technology Ltd, which operates travel booking platform ixigo, is going to be opened for public subscription on June 10. The Rs 740.10-crore mainboard IPO will be closed on June 12. Ahead of the IPO, ixigo has mobilised Rs 333 crore from anchor investors.The price band of the ixigo IPO has been fixed at Rs 88 to Rs 93 per share.ixigo IPO: Subscription, Allotment And Listing DatesThe ixigo IPO will remain open between June 10 and June 12. Its allotment will likely be finalised on June 13, while its listing will take place on both BSE and NSE on June 18.

ixigo IPO: Price and Lot Size

The price band of the ixigo IPO has been fixed at Rs 88 to Rs 93 per share.Investors need to apply for a minimum of 161 equity shares and in multiples thereof. Hence, the minimum investment by retail investors would be Rs 14,973 (161 (lot size) x Rs 93 (upper price band)).

ixigo IPO: Category-Wise Quota

The issue has been reserved up to 75 per cent for qualified institutional buyers (QIBs), 15 per cent for non-institutional investors (NIIs), and 10 per cent for retail investors.

ixigo IPO GMP Today

According to market observers, unlisted shares of Le Travenues Technology Ltd, or ixigo, are trading Rs 28 higher in the grey market as compared with its issue price. The Rs 28 grey market premium or GMP means the grey market is expecting a 30.11 per cent listing gain from the public issue. The GMP is based on market sentiments and keeps changing.

'Grey market premium' indicates investors' readiness to pay more than the issue price.

ixigo IPO: Risks

The offer price, market cap-to-revenue multiple, and P/E ratio may not reflect the company's market price at listing or afterward.ixigo's train ticketing services are based on their arrangement with IRCTC. Termination of the company's agreement with IRCTC may halt train

ticketing services and significantly harm their operations, cash flow, financial condition, and business prospects.

The Rs 740-crore ixigo IPO is a combination of a fresh issue of equity shares worth Rs 120 crore and an Offer For Sale (OFS) of 6.66 crore equity shares to the tune of Rs 620 crore, at the upper end of the price band, by existing shareholders.

Under the OFS, SAIF Partners India IV Ltd, Peak XV Partners Investments V (formerly known as SCI Investments V), Micromax Informatics Ltd, Placid Holdings, Catalyst Trusteeship Ltd, Madison India Capital HC, Aloke Bajpai and Rajnish Kumar will be selling shares.Proceeds worth Rs 45 crore from the fresh issue will be used to fund the company's working capital requirements and Rs 26 crore will be utilised for investments in technology as well as data science, including on cloud and server hosting, technology on artificial intelligence and customer engagement.Additionally, funds will be used to support inorganic growth through acquisitions, and for general corporate purposes.

The company said that 75 per cent of the issue size has been reserved for qualified institutional buyers (QIBs), 15 per cent for non-institutional investors and the remaining 10 per cent for retail investors. Investors can bid for a minimum of 161 shares and in multiples thereof.Launched in 2007 by Aloke Bajpai and Rajnish Kumar, Le Travenues Technology is the country's leading online travel aggregator, which helps travellers to plan, book and manage their trips across rail, air, buses and hotels.

ONGC seeks global know-how for its oil field

The service provider will be chosen through the ongoing ICB process, with bids due by September 15, 2024.

NEW DELHI. Oil and Natural Gas Corporation (ONGC) is seeking a proven international technical service provider to boost production from its maturing Mumbai High field in the Arabian Sea.

The company launched an international competitive bidding (ICB) process on June 1, 2024, to identify the service provider. The ICB is open to all international oil and gas majors with an annual revenue exceeding $75 billion."As a custodian and operator of Mumbai High Field, ONGC is keen to collaborate with a global 'Technical Service Provider'. The service provider would be contracted for ten years, extendable by another five years," said the company in a social media post.The service provider will be chosen through the ongoing ICB process, with bids due by September 15, 2024. Mumbai High, a giant multi-layered field, began production in 1976 and is currently in its mature stage. ONGC has implemented various initiatives to enhance production over the years.

"Mumbai High is one of the prime assets of ONGC and significant upside is still to be unlocked here if ONGC applies best-in-class reservoir management technologies and adopt globally-best operational and management practices," said the company.

Insurance marketplace Bima Sugam expected to be launched by April 2025

NEW DELHI . The first phase of Bima Sugam, a one-stop online solution for all insurance needs, is expected to be launched next year around April 2025.n a meeting chaired by IRDAI chairman Debasish Panda to review the status of Bima Sugam project on Friday, it was informed that filing formalities for the incorporation of the entity have been completed. The entity would be incorporated as a Section 8 (non-profit) company under the name 'Bima Sugam India Federation'.

The meeting was attended by the CEOs of life, general and health insurance companies, along with the Life and General Insurance Councils.

A statement by the General Insurance Council said the process of appointing the MD & CEO, along with other key managerial personnel for the Bima Sugam entity, is nearing completion. The business structure of Bima Sugam and

updates from various sub-groups, including operations and technology, were also reviewed during the meeting. Panda stated that Bima Sugam is a revolutionary project for the Indian insurance sector and is poised to democratise and universalise insurance in India and possibly one of the first initiatives of its kind across the world.

Tapan Singhel, chairman of the General Insurance Council, says the collective efforts of all stakeholders are critical, and they are confident that the platform will play a pivotal role in achieving Insurance for All by 2047. The meeting included discussions on recently notified health insurance regulations/master circular, which have been revamped by the regulator to ease the overall experience of the policyholders.

Airlines under scrutiny for taxing no-show passengers

The issue revolves around whether airlines can rightfully keep taxes, including GST, when a passenger fails to board a flight.

NEW DELHI. In a recent development, the Directorate General of Goods and Services Tax Intelligence (DGGI) has initiated investigations into airlines retaining taxes collected from customers in cases of no-show by passengers, sources told TNIE.

The issue revolves around whether airlines can rightfully keep taxes, including GST, when a passenger fails to board a flight. The sale of airline tickets is subject to GST, with economy class tickets taxed at 5% and business class tickets at 12%.However, concerns have been raised regarding the taxation of consideration collected from passengers who do not avail of the airline service due to a no-show scenario, as per government sources.

Abhishek A Rastogi, founder of Rastogi Chambers, emphasised that in instances of no-show, where the passenger does not utilise the airline

service, the question arises as to whether the taxes collected should be refunded to the customer.

Additionally, he said, "While economy class ticket is taxed at 5%, business class ticket is taxed at 12%. In no-show, the customer has not availed any service or in other words, has not availed the service of an airline passenger. Accordingly, the issue remains whether the consideration collected by (airline) be taxed at 0%, 5/12% or 18%."

With one airline already having paid tax following DGGI scrutiny, the industry awaits further regulatory actions and potential probes into tax recovery from other airlines.The debate continues on whether airlines should refund GST collected from no-show passengers, sparking discussions on the appropriate tax rate for consideration retained in such cases.

Ideally, the airline must refund the GST collected from the customer as the airline service was never provided. Further, from the consideration towards service received, the tax, if any, must be calculated on the retained amount at the rate to which such retention amount pertains to," stated Rastogi.

RBI unveils 14 goals for its centenary celebrations in April 2035

MUMBAI. From positioning itself as the model central bank of the Global South to capital account liberalization to the globalization of the rupee and reviewing the monetary policy framework, the Reserve Bank, which is in the final decade of its inception to hit the century-mark in 2035, has unveiled a roadmap for the centenary celebrations with 14 aspirational goals.The monetary authority kicked off the 90th foundation day celebrations on April 1, 2024. The Reserve Bank of India was established on April 1, 1935 as a private stock company by the British but in accordance with the provisions of the Reserve Bank of India Act, 1934. The RBI was initially headquartered in the then Calcutta, and was permanently moved to Bombay in 1937.The other key goals, aimed at enhancing the country's footprint across the world, include the deepening financial inclusion, which in the past decade has seen tremendous success not just in its territorial jurisdiction but globally as well; widening the financial inclusion, building safeguards against payment frauds, and addressing the balance between price stability and economic growth from an emerging market economy perspective among others."As the Reserve Bank approaches the centenary year, RBI@100, it will gear up even more to remain future-ready for our fast-growing economy," said Governor Shaktikanta Das said Friday while announcing the review of the monetary policy.He said the central bank has drawn up strategies for the next decade, which include policy actions to position the RBI as "a model central bank of Global South" and appealed to observers of the economy and financial system to closely examine these action plans.Global South typically refers to the regions and countries such as India, Brazil, Mexico, China, Latin America, and Africa that are underdeveloped economies or low income economies.

"This is not a static document as we are living in a dynamic world. Our endeavour will be to continually update it as may be required," Das said.

The RBI@100 roadmap enlists as many as

14 key goals, which are more aspirational in nature and aim at refining the monetary policy communication and address spillovers to emerging markets from private and public debt overhang in systemically important economies.

These goals also include internationalization of the country's financial sector, more financial sector reforms will be undertaken to expand domestic banking in line with economic growth, and position three to five domestic banks among the top 100 globally in terms of size and operations.

The monetary authority also plans to deepen and modernise financial markets, institutions, and infrastructure, and support the International Financial Services Centres Authority to make Gandhi Nagar Gift City a leading global financial centre.

To safeguard users against payment frauds, the RBI plans to widen and deepen consumer awareness, and make payment systems safer and more secure. It also plans to identify and implement solutions for proactive prevention and quick redressal of fraud complaints.

The RBI also intends to deepen and universalise digital payment systems by a phased implementation of Central Bank Digital Currency (e-Rupee), and internationalise the payment systems-–UPI/RTGS/NEFT; and to make supervision of regulated entities a global model, deepen financial inclusion, expand credit availability, liberalise the capital account, and internationalise the rupee.Further, the central bank is also planning to set up a financial sector cloud infrastructure, ensuring transformational shifts in data collection, processing and storage, and to develop a secure global financial messaging hub.

Vande Bharat Express Average Speed Down From 84 Kmph To 76 Kmph In 3 Years: RTI

New Delhi: The average speed of Vande Bharat trains has decreased from 84.48 kmph in 2020-21 to 76.25 kmph in 2023-24, the railway ministry said in a response to an RTI query.Railway officials said not only Vande Bharats but many other trains are also maintaining cautionary speed at places were "huge infrastructural work" is underway. "Besides this, some Vande Bharat trains have been launched in difficult terrain areas where there are speed restrictions due to geographical reasons or extreme weather conditions," a railway official said.Citing the example of the Vande Bharat train between Mumbai CSMT and Madgaon, an official of the Central Railway Zone said, "Most of the Konkan railway area is 'ghat' section where trains pass through low height mountain ranges. It is a difficult terrain area where increasing speed could compromise safety." "Things become very challenging during the monsoon season when we have to keep the maximum speed for all trains at 75 kmph," he added.

The RTI applicant, Madhya Pradesh-based Chandra Shekhar Gaur, said, "The data, obtained through the RTI, shows that the average speed of Vande Bharat trains was 84.48 in 2020-21, which decreased to 81.38 kmph in 2022-23. It further deteriorated in 2023-24 to 76.25."Launched on February 15, 2019, the Vande Bharat is a semi-high speed train which can run at a maximum speed of 160 kmph. However, it cannot go beyond 130 kmph anywhere in the country, except on the Delhi-Agra route, due to unsuitable track conditions."There are certain segments of tracks between Delhi and Agra which were developed in 2016 for India's first semi-high speed train Gatiman Express to run at 160 kmph. Only on those segments, the Vande Bharat also runs at 160 kmph speed. Rest of the places, its maximum speed is either 130 or less than," another railway official said.He said the railways has been upgrading tracks to meet

the speed requirement of the Vande Bharat and "it is because of these reasons there are cautions at various places". "Once these upgrades are over, we will have trains which will go up to 250 kmph," the official said.

Some of the routes on which the Vande Bharat's speed is worse than its overall average speed are Dehradun-Anand Vihar (63.42 kmph), Patna-Ranchi (62.9 kmph) and Coimbatore-Bangalore Cantt (58.11 kmph).

An expert engaged in track construction said the first Vande Bharat was launched in February 2019 and it has been more than five years since then, but the railways is yet to replace tracks on any route so that the train can run at its maximum operating speed of 160 kmph."The railways' argument is that since infrastructure work is going on, it restricts the speed of Vande Bharat trains. But this is also true that in five years, it has failed to lay tracks suitable for running semi-high speed trains," the expert said requesting anonymity.

However, the railway ministry maintains that Vande Bharat trains are very popular and till March 31, more than 2.15 crore people have travelled by it.

The Vande Bharat lists a number of features such as Kavach protection, faster acceleration and semi-high speed operation up to 160 kmph, fully sealed gangway for free passenger movement, automatic plug doors, reclining ergonomic seats and comfortable seating with revolving seats in executive class, better ride comfort among others.

Prashant Kishor on why BJP's poll setback not an end to Hindutva politics

New Delhi: Poll strategist Prashant Kishor has said that the BJP will not abandon its Hindutva politics despite its lower than expected outcome in the Lok Sabha elections.In an exclusive interview with India Today TV, Kishor emphasised that he had previously predicted that the inauguration of the Ram Temple in Ayodhya would not secure additional vote for the BJP.

"I have said that I have made mistakes in my assessment, but I was the first one who had said in January that no incremental vote from the Ram Mandir would go to the BJP. But that doesn't mean Hindutva is over," he said.The BJP, which entered the Lok Sabha elections with a '400-paar' aim for its coalition bloc NDA, managed to win 240 seats on its own. Its NDA allies pushed the coalition's total to 293 seats, thus managing to retain majority.However, the BJP suffered shocking setbacks in the Hindu heartland state of Uttar Pradesh, where the party, along with its NDA allies, could manage only 36 seats out of 80. The BJP even lost the election on Faizabad seat, where the Ram Mandir is located.

Likening Hindutva politics to coffee, Prashant Kishor said, "Hindutva, which is the core of the BJP, is like coffee to them. The froth has diminished somewhat in this election, but it doesn't mean the BJP will abandon Hindutva."He further predicted that Hindutva politics would persist with some "degrees of tinkering".

Reflecting on the BJP's history, Prashant Kishor noted the party continued its Hindutva politics even after losing power in the 2004 elections under then Prime Minister Atal Bihari Vajpayee."If they didn't abandon it after the defeat in 2004, why would they abandon it now?" he said.

Ramoji Rao: The man who transformed the Indian media landscape

New Delhi: Cherukuri Ramoji Rao, a towering figure in the Indian media and film industry and the founder of Ramoji Film City, died at 87 in Hyderabad early on Saturday. He was renowned for his entrepreneurial prowess and contributions to media conglomerates.

Born on November 16, 1936, into an agricultural family in Andhra Pradesh's Pedaparupudi, Ramoji Rao grew up with a strong connection to farming. He pursued his education in literature and later became a successful businessman and media entrepreneur.He married Ramadevi with whom had two sons, Suman Prabhakar and Kiran Prabhakar.

He was the head of the Ramoji Group, which included the world's largest film production facility, Ramoji Film City near Hyderabad, Eenadu, a Telugu newspaper, ETV Network, and film production company Usha Kiran Movies.His other business ventures included Margadarsi Chit Fund, Dolphin Group of hotels, Kalanjali shopping mall, Priya pickles and Mayuri Film Distributors.Ramoji Rao was a recipient of several honours and awards for his contribution to Telugu cinema and media, including Padma Vibhushan (2016), National Film Award for Best Feature Film in Telugu for 'Nuvve Kavali' (2000), four Filmfare Awards South and five Nandi Awards.

In the past few years, Ramoji Rao battled and recovered from colon cancer.On June 5, the 87-year-old was admitted to Star Hospitals in Hyderabad's Nanakramguda after experiencing high blood pressure and breathlessness.Despite prompt medical intervention, including the installation of a stent and intensive care in the ICU, Ramoji Rao's condition worsened and he died at 4:50 am on Saturday.Several political leaders, including Prime Minister-elect Narendra Modi, extended their condolences and praised him for his work in the media and film industry.

Chhattisgarh man chops off his finger, offers it at temple after NDA's victory

New Delhi:A 30-year-old man in Chhattisgarh's Balrampur chopped off his finger and offered it to Goddess Kali at a temple after the BJP-led NDA won a majority in the Lok Sabha polls.On June 4, Durgesh Pandey, a BJP supporter, went into depression when he came to know that the Congress was leading in the initial trends of the Lok Sabha elections. He then went to the Kali temple and prayed for the BJP's victory.Later, when Pandey saw the BJP emerging as the single largest party and NDA crossing the majority mark of 272, he was overjoyed and again went to the Kali temple where he chopped his left hand finger and offered it to the goddess.

After that, he then tried to stop the bleeding by tying a cloth around the wound. However, it only worsened over time. The severity of his condition prompted his family to rush

him to the Community Health Centre in Samari.The medical staff provided emergency first aid but deemed it necessary to refer him to the Ambikapur Medical College due to the extent of his injury.At the medical college, doctors performed an operation to stop the bleeding. Unfortunately, due to the delay in treatment, they were unable to reattach the severed part of his finger.

Despite this, Pandey's condition is now stable and he is out of danger."I was disturbed to see the Congress leading in the initial trends. The Congress supporters were very excited. I visited the Kali temple in my village, which the entire village has faith in. I also had faith in it and made a vow," Pandey said."When the BJP was winning the elections that evening, I went to the temple, chopped my finger and offered it. The BJP will now form the government, but I would have been more happy if they (NDA) crossed the 400 mark," he added.

In a closely-fought election, the NDA won 293 of 543 Lok Sabha seats, with allies like TDP's N Chandrababu Naidu and JD(U)'s Nitish Kumar helping the alliance to scrape past the majority mark. The Opposition INDIA bloc defied predictions and put up a strong show, winning 234 seats.Narendra Modi is set to take oath as the Prime Minister for a record third time on Sunday evening in a high-profile ceremony where foreign leaders are expected to attend.

Suspected Insurgents Attack Police Outposts, Burn Homes In Manipur's Jiribam

Imphal/New Delhi: Suspected insurgents who came in three-four boats in a river in Manipur's Jiribam district attacked many police outposts and set homes on fire, police sources told NDTV. The attack started at 12.30 am in Jiribam's Chotobekra, on the banks of the Barak river, a police officer posted there told NDTV."Chotobekra outpost was burned down at 12.30 am," the officer said, adding the suspected insurgents then attacked the police outposts (OPs) in Lamtai Khunou and Modhupur.Jiribam is 220 km from the state capital Imphal and is on the border with Assam. National Highway-37 passes through this district. There are many Kuki villages in the hills surrounding the highway.

Another officer posted at a police OP in Borobekra in Jiribam subdivision, a few kilometres from

Chotobekra, said the suspected insurgents began attacking this OP at 2.30 am."They came in boats, and attacked the OPs in the dark," the officer said, requesting anonymity.The suspected insurgents attacked many villages along the river, police sources said. They confirmed the visuals of suspected insurgents setting homes on fire and celebrating on camera as from the attacks that happened this morning.The Assam Rifles on Friday evacuated 250 members of the Meitei community living on the outskirts of Jiribam town, a day after ethnic tension flared up over the killing of a 59-year-old man, allegedly by Kuki insurgents.

Leishabithol, from where the Meitei families were evacuated, is near the hills where the Kuki tribes are dominant, while interior Jiribam has a large Meitei presence. Though no incident was reported from the area on Friday, the residents raised concern about their safety, which led to their evacuation, local administration officials in Jiribam had told NDTV.The families can return once the situation cools down and enough security forces reach there, the officials said, adding there are not enough forces in the area as many had left for election duties.

N Chandrababu Naidu To Take Oath As Andhra Chief Minister On June 12

New Delhi: Telugu Desam Party Leader K Raghu Rama Krishna Raju informed that TDP chief Chandrababu Naidu will take oath as Andhra Pradesh Chief Minister on June 12 at 4.55 pm.

"Nara Chandrababu Naidu will take oath as Andhra Pradesh CM on 12th June at 4.55 pm... It's a very pleasant moment for the people of Tamil Nadu, the way Prime Minister Narendra Modi has appreciated our leaders Chandrababu Naidu and Pawan Kalyan. Both our state leaders have shown a lot of respect towards Modi Ji. Of course, we need a lot of support from the Centre considering the destruction caused by former CM Jagan Mohan Reddy," said TDP chief Chandrababu Naidu.When asked did TDP has placed any specific demands of ministries in PM Modi's cabinet.I don't think so because that is not my subject to comment. But our party leader is not the kind of person who demands. I think by virtue of his good relations he can extract as much as he can but he never demands," said Raghu Rama Krishna Raju.Meanwhile, TDP supremo N Chandrababu Naidu said that Narendra Modi is the "right leader at the right time" for India as he affirmed TDP's support to the National Democratic Alliance (NDA) on Friday.Mr Naidu also proposed the name of Narendra Modi for the post of Prime Minister highlighting his vision of Sabka Saath, Sabka Vikas, and Viksit Bharat and urged to never miss the 'good opportunity for India.'"NDA govt under the leadership of PM Modi has taken initiatives in the last 10 years. Narendra Modi has a vision and a zeal, his execution is very perfect. He is executing all his policies with a true spirit. Today, India is having the right leader at the right time, and that is Narendra Modi. This is a very good opportunity for India, if you miss it now, we will miss forever. That is where we are having a wonderful opportunity," Mr Naidu said while addressing the NDA MPs meeting at the Samvidhan Sadan of the Parliament building on Friday."Now I proudly propose the name of Narendra Modi ji on behalf of Telugu Desam Party for the post of Prime Minister of this great nation. Through his vision of Sabka Saath, Sabka Vikas, and Viksit Bharat and through the collective efforts of NDA we can become a zero poverty nation that is possible only through Narendra Modi," he added.

Aiswarya S Menon: Vande Bharat Loco Pilot Who Is Invited To PM Modi's Oath Ceremony

Narendra Modi will take oath as the prime minister for a third consecutive term on Sunday evening.

New Delhi: Aiswarya S Menon, a senior assistant loco pilot of the Chennai Division of Southern Railway, will be among 8,000 special guests at the swearing-in ceremony of Prime Minister Narendra Modi and his new government on Sunday, officials said.Currently working on Vande Bharat trains, Ms Menon has completed more than 2 lakh footplate hours piloting various trains such as the Vande Bharat Express and Jan Shatabdi. he has also worked on the Chennai-Vijayawada and Chennai-Coimbatore Vande Bharat Express services since their introduction.

Ms Menon has received accolades from senior officials for her agility, alertness, and comprehensive knowledge of railway signalling.She will be among railway employees who have been invited to attend PM Modi's third oath ceremony, to be held at the Rashtrapati Bhavan on Sunday evening.

Asia's First Loco Pilot To Attend PM Modi's Oath Ceremony

Surekha Yadav, Asia's first woman loco pilot, will also attend the oath-taking ceremony of Prime Minister Narendra Modi.Ms Yadav, who is piloting the Vande Bharat train from Chhatrapati Shivaji Maharaj Terminus-Solapur, is reportedly among ten loco pilots invited for the ceremony.She became India's first female train driver in 1988 and is also the first woman loco pilot of the semi-high speed Vande Bharat Express.Sanitation workers, transgenders, and labourers who worked on the Central Vista Project will also be among the special guests at the swearing-in ceremony of the new government, sources told NDTV.Arrangements are being made for over 8,000 guests at Rashtrapati Bhavan,

sources said.Narendra Modi will take oath as the prime minister for a third consecutive term on Sunday evening after President Droupadi Murmu invited him to form the government on Friday.The president is scheduled to administer the oath of office and secrecy to the prime minister and other members of the Union Council of Ministers at 7:15 pm on Sunday at the Rashtrapati Bhavan.

Various South Asian leaders have been invited to the ceremony. Bangladesh Prime Minister Sheikh Hasina and Sri Lankan President Ranil Wickremesinghe have already confirmed their presence.Invites have also been reportedly sent to Nepal Prime Minister Pushpa Kamal Dahal 'Prachanda', his Bhutan counterpart Tshering Tobgay, and Mauritius PM Pravind Jugnauth.

In 2014, the leaders of the SAARC (South Asian Association for Regional Cooperation) countries attended PM Modi's first swearing-in ceremony, and in 2019, leaders of the BIMSTEC (Bay of Bengal Initiative for Multi-Sectoral Technical and Economic Cooperation) countries attended the event.

NEWS BOX

Virat Kohli and Anushka Sharma take stroll on the New York streets

Star India batter Virat Kohli was accompanied by his wife and Bollywood actress Anushka Sharma, as they were out for a stroll on the streets of New York. It was a rainy day in New York as the couple were spotted in Garden City. Kohli and Anushka, popularly referred to as 'Virushka' by the fans, soon got into their car and left. Anushka accompanied Kohli to the Americas as the star batter joined the Indian team in their quest to win the T20 World Cup 2024.

Kohli enjoyed his day-off as the Indian team had a 4-day gap between their first game against Ireland on June 5, Wednesday and their next encounter against Pakistan on June 9, Sunday. Meanwhile, the other Indian players have also been making the most of their time in the Americas. Recently, Rishabh Pant, Mohammed Siraj, Avesh Khan, alongside Yuvraj Singh visited Michelin star chef Vikas Khanna's restaurant in New York.

Indian team in New York

The Indian team had registered a comfortable win over Ireland by 8 wickets as they started off their campaign on a winning note. Kohli opened alongside captain Rohit Sharma on a spicy pitch at the Nassau County International Cricket Stadium in New York. However, Kohli managed to score only 1 run from the 5 balls that he faced as he got a top-edge off Mark Adair's short of a length, outside-off delivery. However, Rohit and Rishabh Pant's 54-run stand ensured India chased down a 97-run target within 12.2 overs.India's focus shifts to the high-octane clash against Pakistan that will be played at the same venue, whose pitch has been much-discussed lately due to its uneven bounce and unpredictable nature. The ICC has acknowledged that the two pitches used so far at the Nassau County International Cricket Ground in New York have been substandard and are striving to "remedy" the issue for the remaining T20 World Cup games at the venue.The fans eagerly await the much-anticipated clash between the arch-rivals. India hold an edge over Pakistan in the T20 World Cups, having won 6 out of 7 encounters sice 2007.

Kane Williamson graceful in defeat, lauds Afghanistan's thumping win over New Zealand

New Zealand team's captain Kane Williamson was graceful in accepting defeat against Afghanistan as he congratulated the team for their emphatic win. Afghanistan demolished New Zealand as they registered a thumping win by 84 runs against the Kiwis at the Providence Stadium, Guyana in West Indies on June 8, Saturday. This was Afghanistan's first-ever win over New Zealand in the T20Is, and they achieved it in a dominating style. The Rashid Khan-led side have turned up a true force in the T20 World Cup 2024 as they have 2 wins in a row and that too with a brilliant net-run-rate.Williamson, while speaking at the post-match presentation, admitted that the Kiwis were outplayed by resurgent Afghanistan in all the departments.

"Congratulations to Afghanistan, they simply outplayed us in all facets. To get a total like

that on a fiddly surface, they kept wickets in hand and played it beautifully. Not good enough from us. Quick turnaround, we have to regroup quickly and onto the next challenge. The boys were focused and were working hard in preparation for this game, but it was not our best performance. We will chat about it, review and move on quickly. It (the games) comes thick and fast, and we need to be better," Williamson said.New Zealand bagged their biggest defeat in terms of runs for New Zealand in T20 World Cups. Fazalhaq Farooqi started in a similar fashion like he did against Uganda as the Black Caps found themselves reeling at 28 for 3. Soon Rashid came into the fray and bamboozled the New Zealand batters to pick a four-wicket haul alongside Farooqi.

NZ's sloppy fielding

Williamson was critical of the team's performance with the bat as well as their sloppy fielding."With the bat in hand, you want to get a partnership together. They were excellent. The skill they have was certainly on show. The fielding in the first ten overs, it is difficult on a wicket like that when you are not putting things together in the field," Williamson said. NZ vs AFG, T20 World Cup: Highlights | ScorecardNothing went New Zealand's way as they looked a bit rusty on the field, which led to a 103-run stand between Ibrahim Zadran and Rahmanullah Gurbaz, who scored a match-winning 80.

India vs Pakistan: Rohit Sharma survives another injury scare in training in New York

Rohit Sharma took a blow to his hand while training on Friday

- Rohit was okay to continue after a quick check from India's physios
- India take on Pakistan in a big-ticket match on Sunday, June 9

New Delhi. India captain Rohit Sharma was hit on his hand while training on Friday in New York,. However, the senior campaigner brushed it off and continued batting, much to the relief of his teammates, the support staff, and Indian cricket fans. Rohit looked focused after the nasty hit days ahead of the big-ticket T20 World Cup 2024 match between India and Pakistan at the Nassau County Cricket Stadium in New York.

T20 World Cup: Full Coverage | Complete Schedule

Rohit Sharma was hit on his fingers when a ball delivered by one of India's throwdown specialists jumped off a good length on the practice pitches in the training facility in New York. Rohit was attended to by the Indian physios in the middle of the training strip. The batting practice was halted for a couple of minutes, but Rohit was okay to continue batting in the middle.This was the second time Rohit Sharma has taken a nasty blow after he was hit on his hand, near the biceps, during India's opening match against Ireland in New York. Rohit was retired hurt after he hit a match-winning fifty against Ireland. Rohit played down the impact of the injury saying he just felt a bit sore before taking the precautionary call to walk off the pitch.India players sweat it out for close to three hours on Friday. Virat Kohli looked cheerful in the middle as he kept the mood in the training session light ahead of the high-pressure game. India hammered Ireland by 8 wickets in their opener. On the other hand, Pakistan were stunned by USA in a Super Over thriller in Dallas on Thursday in one of the biggest upsets in the history of the men's T20 World Cup.Notably, the pitch at the Nassau County Cricket Stadium has come under the scanner for the uneven bounce that has been on display in the matches so far. Balls pitching in a good length and taking off have caused problems for the batters. While Rohit was hit on the hand, Rishabh Pant, who batted at No. 3 for India against Ireland, also took a few blows

to his body.Former England captain Michael Vaughan was one of the fiercest critics of the pitch at the newly-built 34,000-seater in New York as he called it unfit for international cricket.Notably, the ICC released a statement on Friday, acknowledging the uneven nature of the pitch in New York and promised better surfaces for the upcoming games, including India's big-ticket game against Pakistan, scheduled for Sunday, June 9."T20 Inc and the ICC recognise that the pitches used so far at the Nassau County International Cricket Stadium have not played as consistently as we would have all wanted. The world-class grounds team have been working hard since the conclusion of yesterday's game to remedy the situation and deliver the best possible surfaces for the remaining matches," the ICC said in a statement.

Real Madrid winners, Manchester City better to watch: Lionel Messi picks favorites

Argentinian football icon Lionel Messi opines Manchester City are a better footballing team when it comes to gameplay, while Real Madrid are better when it comes to results. Messi believes that Pep Guardiola's City side are good to watch, while Madrid are the better winners.

New Delhi. Argentina's football icon and eight-time Ballon D'or winner Lionel Messi considers Pep Guardiola's Manchester City to be a top side when it comes to gameplay, but hails Real Madrid better when it comes to results. The former FC Barcelona forward picked rivals Real Madrid to be the better side in terms of results, while heaping praise on City as one of the most attractive sides to watch amongst other European clubs. Carlo Ancelotti-managed Madrid extended their European dominance after beating Borussia Dortmund on June 2 to clinch what was their 15th UEFA Champions League title.

Madrid's UCL 2023-2024 glory campaign also saw them beat City in the Quarter-Finals following an intense penalty shoot-outs. Although City were clearly dominant when it came to possession, shots on target and the rest of the match statistics, it was Los Blancos who ultimately had the winning laugh. When it comes to domestic success, Guardiola won a record-fourth consecutive Premier League for the 2023-2024 season, while Madrid were also crowned this season's La Liga winners. In recent European football terms, the clash between Madrid and City has been hailed as one of the biggest and one of the most highly-valued in the last 6 years, to say the least.

Speaking to Infobae, the current Inter Miami forward chose his pick for the "current best team in the world" where he could not shy off from singing praise for his former Barcelona manager, Guardiola.

"If you speak in terms of results, it is [Real] Madrid, the current Champions [League] holders... If you speak in terms of play, I personally like Guardiola's City. I think that any team where Guardiola is will be special because of the way he is, the way he trains, the way he works and how he makes his teams play. At the level of play for me, City is the best, and in terms of results, Madrid," Messi said.

Messi played under Pep Guardiola in FC Barcelona for five seasons, from 2008 to 2012, and their close-knit relationship, even beyond that tenure, is not secret to the football world. Currently, Messi-led Argentina is in preparation for the upcoming 2024 Copa America in the USA, where they will be fighting top national sides to defend their title.

T20 World Cup: Rejuvenated Bangladesh pile up agony on Sri Lanka with Dallas win

Dallas. Bangladesh held their nerves to pull off a two-wicket win in a thriller against arch-rivals Sri Lanka at the Grand Prairie Stadium in Dallas in a Group D match of the men's T20 World Cup 2024 on Friday, June 7. Bangladesh successfully chased down a paltry target of 125, but only after surviving a scare. Senior batter Mahamadullah showed nerves of steel as he arrested a slide and took Bangladesh past the finish line for a win in their first game of the tournament.

SL vs BAN, T20 World Cup: Highlights | Scorecard

On the other hand, Sri Lanka have lost two in two and are reeling at the bottom of the Group D points table. Wanindu Hasaranga's men lost their tournament opener to South Africa in which they were shot out for just 77. Sri Lanka came up with a better batting show, but it was not enough to stop Bangladesh from winning the entertaining encounter.Leg-spinner Rishad Hossain, pacer Mustafizur Rahman and young Towhid Hridoy, who hit 40 off 20 balls, proved to the heroes for Bangladesh in their win. It was a crucial boost in confidence for Bangladesh as Najmul Hossain Shanto's men had been woeful in the lead-up to the T20 World Cup, losing a T20I series to the USA last month.

SRI LANKA IMPLODE DRAMATICALLY

Earlier in the day, Sri Lanka suffered a massive collapse, losing their last 7 wickets for just 54 runs in 11.1 overs. Experienced Sri Lanka batters threw it away in a disappointing effort.Bangladesh were clinical with the ball, led by their senior pacer Mustafizur Rahman, who was fresh from picking a six-wicket haul against USA. The Chennai Super Kings pacer picked 3 wickets and ave away just 17 runs in his 4-over spell.

Young leg-spinner Rishad Hossain picked three wickets in a miserly spell of 22 runs in four overs. The leg-spinner dismantled the middle-order, picking up the wickets of Dhananjaya de Silva, Charith Asalanka and captain Wanindu Hasaranga. The leg-spinner bowled with incredible control at the Grand Prairie Stadium pitch, which had something for everyone, including the spinners.

Sri Lanka, who were shot out for just 77 in their first match against Souuth Africa in New York, came up with an improved batting show, at least in the first 10 overs of their game against Sri Lanka on Friday.

Pathum Nissanka took on the responsibility of doing well in the powerplay, hitting a six and 7 boundaries for his 28-ball 47. He lost his opening partner Kusal Mendis as early as the third over of the contest, but Nissanka kept pushing the score in the powerplay.

USA's Saurabh Netravalkar gears up for 'emotional' encounter against India

New Delhi. From having supportive bosses at a leading tech firm, Oracle to continuing his passion for coding as well as bowling. This is the story of Mumbai-born Saurabh Netravalkar, who has become an overnight sensation following his heroics for the USA team against Pakistan. Netravalkar was given the responsibility to bowl the Super Over against Pakistan and defend 19 runs. He held his nerve till the end to hand the USA team a historic win. He became an overnight sensation as people got to know the many talents of Netravalkar, who had also represented India at the Under-19 level.

Netravalkar admitted that playing against India would be emotional and also hailed his former Mumbai teammate Suryakumar Yadav for rising through the ranks to play for India."I know all of them and Surya (Yadav) and myself have played together for Mumbai U15s, U-17, U-19s. It is so good to see what he has achieved and it will be nice to catch up with them. Playing against India would be truly emotional," Netravalkar told PTI.Suryakumar and Netravalkar together played the Ranji Trophy in 2013 for Mumbai. He had also put up a heart-warming message on his Instagram story to hype Netravalkar following his Super Over heroics. Netravalkar, who played for India at U-19 level along with the likes of KL Rahul and Mayank Agarwal, shifted his base to the US after not getting enough opportunities in the Indian cricket scene.

Love for bowling and coding

Netravalkar, who is a software engineer as well, talked about his love for coding alongside bowling."I have never felt the pressure. When you love something, it is never a job for you. So when I am out there on the field, I love bowling and trying to out-think a batter. When I am coding, I love doing that and hence it never feels like work."Actually, we just flew down from Dallas to New York. I will be honest that it has been quite overwhelming. I wish I could personally thank each and everyone for their lovely messages. I feel blessed," Netravalkar said.The 32-year-old pursued his master's degree from an Ivy League college i.e. Cornell University and landed a lucrative job at Oracle. However, he continued his passion for cricket and made his debut for the USA team in 2019 and had also captained the side earlier.However, Netravalkar would matter-of-factly state that while opportunities in professional cricket are improving in the US, his primary source of income remains his day job at Oracle.

SL vs BAN: Bangladesh happy with win over rivals as Hasaranga blames batting failure

New Delhi. The South Asian rivalry between Sri Lanka and Bangladesh lived up to its hype as the Grand Prairie Stadium, Dallas witnessed a thrilling encounter on June 8, Saturday. Bangladesh clinched the thriller by 2 wickets against Sri Lanka as they managed to chase down 125 runs with 6 balls to spare. Both the captains reflected on the result as Bangladesh captain Najmul Hossain Shanto expressed delight over his team's win. Meanwhile, Sri Lankan captain Wanindu Hasaranga blamed the team's batting performance for their loss.During the post-match presentation, Shanto hailed Litton Das for his batting and his partnership alongside Towhid Hridoy.

"Everybody's body language was great, we gave our 120%. For the last 10–15 days we have been making plans and all the fielders are doing their job. I think they bowled really well, but on a wicket like this we should have won that easily. Very important for Litton, he's been struggling a bit, but he showed his skill today. I think he batted really well. Hridoy was really courageous, the way he played that over really helped us," Shanto said.

SL vs BAN: As it happened

A brilliant bowling effort from Bangladesh bowlers managed to restrict Sri Lanka at 124 for 9. However, Sri Lankan bowlers also made early inroads to keep the chase alive as they were reeling at 28 for 3. Hridoy and Litton's stand of 63 runs ensured Bangladesh stayed ahead in the chase. Hridoy played a blazing knock of 40 runs from 20 balls as he took on Hasaranga for 3 sixes on the trot. However, Hasaranga had the last laugh as he managed to dismiss him on the very next ball.Hasaranga was critical of his team's

batting performance and reckoned that the bowlers could have won the match for the team had the batters put up a total of 150 or 160 runs.

T20 World Cup: Full Coverage | Complete Schedule"Our batters batted really well in the first 8–10 overs. After that, in the middle overs, I think we batted badly. We all know our bowling attack is our strength. Especially if batters put up 150-160, our bowling attack can win games. In the last two games, the batters didn't do the job. It's tough. First two games we've lost. We bowled with four main bowlers. I think our four genuine bowlers did their job but, unfortunately, we had to make four overs with our all-rounders," Wanindu said.

Sri Lanka made an impeccable turnaround when Bangladesh needed only 34 runs from 51 balls with 7 wickets in hand. Nuwan Thushara scalped 4 wickets and brought down the equation to 11 runs needed from last 12 balls. Mahmudullah held his nerve till the end to give Bangladesh a nervy win.

NEWS BOX

Denmark's Prime Minister Mette Frederiksen attacked in public, man arrested

Copenhagen, Denmark's Prime Minister Mette Frederiksen walked away following an assault by a man in central Copenhagen on Friday and had no outward signs of harm, a local resident told Reuters.

"Prime Minister Mette Frederiksen was beaten on Friday evening at Kultorvet (square, red.) in Copenhagen by a man who was subsequently arrested. The Prime Minister is shocked by the incident," her office said in a statement without giving further detail.Police said on social media platform X they had arrested a man and were investigating the incident but declined to give further details."She seemed a little stressed," Soren Kjergaard, who works as a barista on the square, told Reuters after seeing the prime minister being escorted away by security following the assault.The assault comes two days before Danes head to the polls in the EU election. Three weeks ago, Slovakia's Prime Minister Robert Fico was seriously injured in an assassination attempt.

Danish Minister of Environment Magnus Heunicke said on X, "Mette is naturally shocked by the attack. I must say that it shakes all of us who are close to her."

Harvey Weinstein lawyers argue he was denied fair trial in appeal of LA rape conviction

NEW YORK: Harvey Weinstein's lawyers argue in an appeal that he did not get a fair trial when he was convicted of rape and sexual assault in Los Angeles in 2022 and sentenced to 16 years in prison. The brief filed Friday with California's Second District Court of Appeal comes six weeks after his similar landmark #MeToo conviction and 23-year prison sentence in New York were overturned by the state's highest court.

The California appeal argues the trial judge wrongly excluded evidence that the Italian model and actor he was convicted of raping had a sexual relationship with the director of a film festival that had brought both Weinstein and the woman to Los Angeles at the time of the alleged attack.

Weinstein's lawyers argued that the judge deprived him of "his constitutional rights to present a defence and led to a miscarriage of justice."

The attorneys say the judge was wrong to allow jurors to know about Weinstein's previous, now-vacated conviction in New York, and that the jury was unfairly prejudiced by testimony from women about alleged assaults Weinstein was not charged with. Similar testimony led to his overturned conviction in New York, where the 72-year-old is being held as Manhattan prosecutors plan to retry him.

"The introduction of this excessive, cumulative, and remote evidence of prior sexual assaults' simply signaled to the jury that the Defendant was a bad man who should be convicted of something irrespective of whether the prosecution proved its case," the filing said.At his California trial, Weinstein was charged with sexually assaulting four women, but a jury convicted him of an attack on just one, Evgeniya Chernyshova, who testified that Weinstein appeared uninvited at her hotel room during the LA Italia Film Festival in 2013.Weinstein's lawyers argue that Superior Court Judge Lisa B. Lench was wrong to prevent his defence from showing the jury Facebook messages that showed Chernyshova and the festival's founder, Pascal Vicedomini, had a sexual relationship.

The messages would have shown that both were perjuring themselves when they testified that they were only friends and colleagues, the brief argues. And it would have bolstered defence arguments that the woman was not even in her hotel room but was with Vicedomini at the time of the alleged attack.

The arguments are similar to those made by Weinstein's attorneys in a motion for a ne trial that Lench rejected before his sentencing.Weinstein has since hired appellate attorneys including Jennifer Bonjean, a Chicago-based lawyer whose appeal in Bill Cosby's sexual assault case got his conviction in Pennsylvania permanently thrown out.

Chernyshova went only by Jane Doe 1 during the trial. The Associated Press doesn't typically name people who say they've been sexually abused unless they come forward publicly, as Chernyshova did after the trial. She consented via her lawyer to the AP using her name.

Some Florida Panhandle beaches are temporarily closed to swimmers after 2 reported shark attacks

SEACREST. Two reported shark attacks Friday led authorities to temporarily close beaches to swimmers in Walton County, on the Florida Panhandle.

The first attack happened in the afternoon when a woman was injured by a shark near Watersound, the county sheriff's office said. She was taken to a medical facility for treatment.Later in the day, firefighters responded to an incident near Inlet Beach "following multiple reports of a teenager injured by a shark," the sheriff's office said.

"The water is now closed to the public in Walton County," the office wrote in a social media post.

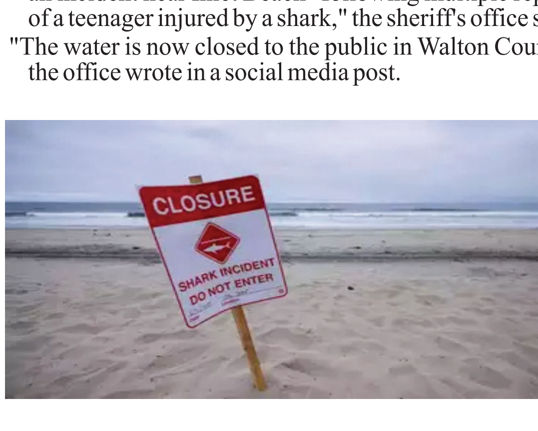

The condition of the two people and the extent of their injuries were not immediately available.Also Friday, in Hawaii, a woman was seriously injured in an apparent shark attack in the waters off the island of Oahu, officials said.Shark attacks are rare, according to experts.

There were 69 unprovoked bites last year worldwide, and 10 of those were fatal.

The fast-changing global stance on Palestinian state

World On a single day, Spain, Norway and Ireland joined 143 of the 193 member-states of the United Nations in recognising a Palestinian state. Spain has said its recognition applies to a unified Palestinian state that includes the Gaza Strip and West Bank under the Palestinian Authority, with East Jerusalem as the capital. Slovenia, Malta and Belgium are expected to follow soon.

There are differences in the conditions of recognition, of course. Norway has decided to plant a full-blown embassy in Occupied Palestine, joining only five other countries to have done so. Most of the other Palestine-supportive nations are asking for a vaguely-defined two-state solution, with Spain asking for a pre-1967 border for Palestine with the capital in East Jerusalem. No country, however, has opted for a one-state solution in which 5.3 million Palestinians and 9.1 million Israelis would agree to live in a society where they both have equal rights.

The current melee seems to have cloaked the emergence of a divisive new geopolitical alignment within the US-led 'Coalition of Common Challenges' centred on Israel-Gaza and Russia-Ukraine. Fifteen of the 32 nations in the US-led NATO have already recognised or are on the brink of recognising the Palestinian state. All the 27 European Union member-states are players in the international sanctions imposed against Russia after its war on Ukraine in February 2022. Türkiye is the only NATO member not on this list. And therein lies a tale: that of countries that are generally within the US's vast and heavy-handed sphere of influence who are charting their own foreign-policy ways—even at the cost of riling the US.

Advertisements

The possibility of their being concerned with the pecuniary downside of being attached to the US by the hip is high. The sanctions against Russia are malfunctioning. Russia remains a healthy economy, in spite of the fact that the combined GDP of NATO member states is about $51 trillion, over 20 times Russia's GDP, and NATO member-states spent $1.3 trillion on defence in 2023, 10 times what Russia spent. Despite the fluctuations in its costly war with Ukraine, the country's GDP grew by 2.8 percent in 2024, despite, as NATO grieved, "Western sanctions intended to impede Moscow's war effort". Meanwhile, the Gaza war has kneecapped Israel. According to the IMF, Israel's real GDP growth this fiscal will be 1.6 percent, less than half the estimate of 3.3 percent and down from 2.9 percent in 2023. With a further slide envisaged ahead, it is imprudent for stable economies to be roped to a ship with a big hole in its hull, even if that ship is bolstered by a far huger ship bristling with enough treasure to stave off a meltdown.n addition to this, there also appear to be incorporeal elements at play in this new directionalism—a theory of political flexibility and adaptability to emergent conditions—away from US geopolitical centripetality and what is called destinationism, an idée fixe about an ideal condition. And these elements include statal appropriateness. The growing global stance against Israel has to do with political morality—an overstretched idea, given the corruptness of politics in general, but gaining surprising currency—while the limited opposition to Russia is predicated on pure geopolitics. In short, an eclectic collection of countries around the world is seeing Russia as a nation they can do a moral-economic business with but Israel as too feral to be in the comity of nations.

This nova geopolitica is being resisted by the US's staunch allies (and colonial states), but with increasing reluctance. Britain has confessed that it is considering recognition of a Palestinian state, but France has said while the subject is not "taboo", it is not the time yet, while Germany is standing firm against the idea.

Former astronaut William Anders, who took iconic Earthrise photo, has died in Washington plane crash

SEATTLE. Retired Maj. Gen. William Anders, the former Apollo 8 astronaut who took the iconic "Earthrise" photo showing the planet as a shadowed blue marble from space in 1968, was killed Friday when the plane he was piloting alone plummeted into the waters off the San Juan Islands in Washington state. He was 90. His son, retired Air Force Lt. Col. Greg Anders, confirmed the death to The Associated Press.

The family is devastated," Greg Anders said. "He was a great pilot and we will miss him terribly."William Anders has said the photo was his most significant contribution to the space program, given the ecological philosophical impact it had, along with making sure the Apollo 8 command module and service module worked.The photograph, the first color image of Earth from space, is one of the most important photos in modern history for the way it changed how humans viewed the planet. The photo is credited with sparking the global environmental movement for showing how delicate and isolated Earth appeared from space.Arizona Sen. Mark Kelly, who is also a retired NASA astronaut, wrote on the social

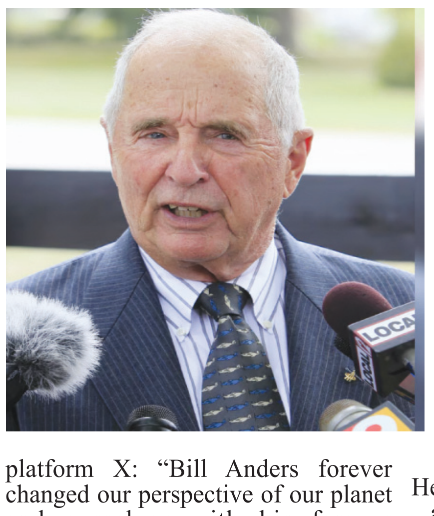

platform X: "Bill Anders forever changed our perspective of our planet and ourselves with his famous Earthrise photo on Apollo 8. He inspired me and generations of astronauts and explorers. My thoughts are with his family and friends."

A report came in around 11:40 a.m. that an older-model plane crashed into the water and sank near the north end of Jones Island, San Juan County Sheriff Eric Peter said.Only the pilot was on board the Beech A45 airplane at the time, according to the Federal Aviation Association.The National Transportation Safety Board and FAA are investigating the crash.

William Anders said in an 1997 NASA oral history interview that he didn't think the Apollo 8 mission was risk-free but there were important national, patriotic and exploration reasons for going ahead. He estimated there was about one in three chance that the crew wouldn't make it back and the same chance the mission would be a success and the same chance that the mission wouldn't start to begin with. He said he suspected Christopher Columbus sailed with worse odds.

He recounted how earth looked fragile and seemingly physically insignificant, yet was home."We'd been going backwards and upside down, didn't really see the Earth or the Sun, and when we rolled around and came around and saw the first Earthrise," he said. "That certainly was, by far, the most impressive thing. To see this very delicate, colorful orb which to me looked like a Christmas tree ornament coming up over this very stark, ugly lunar landscape really contrasted."

Crackdown on dissent: Two Vietnamese Facebook users arrested over democratic freedom abuse

Two well-known Vietnamese Facebook users, ex-reporter Truong Huy San, 62, and lawyer Tran Dinh Trien, 65, have been arrested by the police in Vietnam on charges of "abusing democratic freedoms to infringe upon the interests of the state", according to a government statement released on Saturday.The arrests come as a major leadership reshuffle in the Communist-ruled country is settling down.

Although Vietnam has undergone extensive economic reform and has become increasingly open to social change, the ruling Communist Party maintains strict control over the media and tolerates little criticism.The government's statement indicated that San and Trien had posted articles on Facebook that infringed upon

the interests of the state and the lawful rights and interests of organizations and individuals, without providing further details.San and Trien's Facebook accounts, which had hundreds of thousands of followers, disappeared from the platform less than a week ago, leading to speculation about their arrest. Their posts often criticized the administration and law enforcement authorities.The announcement of their arrests follows the National Assembly's approval of a new police minister and the naming of a new state president and parliament speaker more than two weeks ago amidst heightened political turbulence.

The government's statement also mentioned that the police had searched the homes of San and Trien and that further investigation was ongoing.

Philippines bans imports of poultry products from Australia due to bird flu

MANILA. The Philippines' agriculture ministry said it was banning the imports of birds and poultry products from Australia because of a bird flu outbreak in Australian states.

Imports from Australia of wild and domestic birds, including poultry meat, day-old chicks, eggs, and semen will be immediately stopped, the ministry said on Saturday.As of April, Australia ranked as the Philippines' fourth-largest source of imported chicken meat, accounting for 4% of its total volume of chicken imports.

Israel bombs another school in Gaza, kills 28 in strikes on refugee camps

The Israel-Hamas war has so far killed more than 36,731 Palestinians in Gaza since October 7. In a statement, the Gaza health ministry said some 77 Palestinians were killed and 221 injured in the past 24 hours.

World As the war between Israel and Hamas continues to rage, the Israeli military bombed another United Nations-run school in northern Gaza on Friday, killing three people. The attack comes a day after a similar strike on a school in Gaza's center killed at least 33 people.Further, 28 people, including children, were killed in Israeli airstrikes overnight across central Gaza on Friday. Residents said tanks that have taken control along the borderline with Egypt made several raids towards the west and the center of the southern city, wounding several residents, news agency Reuters reported.

ISRAEL-HAMAS WAR: THE LATEST

A day after an Israeli airstrike at a school in Gaza killed at least 33 people, the Israeli military on Friday bombed another school compound in northern Gaza, killing three people. In both airstrikes, the Israeli army said Hamas terrorists were operating from within the schools. On Friday, Israel also released the names of 17 terrorists it said were killed in Thursday's strike.

Twenty-eight people, including children, were killed in Israeli airstrikes overnight across central Gaza. Strikes hit the Nuseirat and Maghazi refugee camps and Deir al-Balah and Zawaiyda towns on Friday. Israel's army said its troops had killed dozens of terrorists hiding in tunnel shafts and also destroyed infrastructure in the area.A drone launched from Lebanon, likely by the Hezbollah terror group, landed in an open area in the Jezreel Valley, near Nazareth, in northern Israel on Friday afternoon, The Times of Israel reported. An interceptor missile was launched and sirens sounded in towns adjacent to Nazareth soon after the attack.

Hours later, Israeli fighter jets struck a Hezbollah rocket launcher and other infrastructure in southern Lebanon earlier on Saturday. Troops also shelled several locations with artillery and mortars to "remove threats", the military said. The Israel Defense Forces said a siren in the northern community of Matat was triggered by two rockets launched from Lebanon.

Pro-Palestinian activists demanding an end to the war in Gaza and American support for Israel plan to surround the White House during a weekend protest, prompting additional security measures, including anti-scale fencing. Reuters said the demonstrations were planned on Saturday, marking eight months of Israel's war in Gaza.United Nations Secretary-General Antonio Guterres has added Israel's military to a global list of offenders for committing violations against children in 2023, said Israel's UN envoy Gilad Erdan, describing the decision as "shameful." Hamas and Palestinian Islamic Jihad will also be listed, said a diplomatic source, speaking on condition of anonymity. The global list is included in a report on children and armed conflict that Guterres is due to submit to the UN Security Council on June 14.Jerusalem has fumed over the announcement with Prime Minister Benjamin Netanyahu saying, "The UN has put itself on the blacklist of history today when it joined the supporters of the Hamas murderers. The IDF is the most moral army in the world and no delusional decision by the UN will change that."US Secretary of State Antony Blinken will travel to the Middle East next week, the US State Department said on Friday, as Washington tries to put pressure on Israel and Hamas to accept a ceasefire proposal that President Joe Biden laid out last week. In his eighth visit to the region since Hamas attacked Israel on October 7, the diplomat will visit Egypt, Israel, Jordan and Qatar and meet with their senior leaders.The White House has said it was still awaiting an official response by Hamas to the latest hostage deal and ceasefire proposal for Israel's war against Hamas in Gaza.

THE PHOTON NEWS

www.thephotonnews.com
Sunday, 09 June 2024

Krithi Shetty's

Red Top And Black Skirt Is Perfect Date Wear

Krithi Shetty is one of the most popular names in the South film industry. She made her debut in the Telugu film industry with the National Film Award-winning film Uppena. The film was directed by Buch Babu Sana and starred Vijay Sethupathi in the lead role opposite Panja Vaisshanv Tej. It was released in 2021.Krithi Shetty has now set the red carpet on fire with her stunning look for the promotions of her upcoming film Manamey. The actress opted for a daring and beautiful cutout dress with a halter neckline that stole the show. The dress featured a bold red top with a contrasting black skirt, creating a unique and eye-catching silhouette.

Krithi paired the dress with red heels to elongate her legs and a high ponytail for an elegant and sophisticated touch. Delicate silver pearl earrings gave her a touch of elegance while bold red lipstick and matching red eyeliner accentuated her features. The subtle yet impactful makeup perfectly complemented the bright dress and made Krithi look phenomenal. With Manamey hitting the theatres on June 7, Krithi is raising the bar for promotional fashion.Recently, Krithi Shetty was seen wearing a spotted floral sleeveless dress. She poses in front of a white canvas, casting shadows in the background. Exuding elegance, the actress chose minimal accessories like earrings, a ring and a bracelet. The actress's makeup is subtle yet captivating, featuring rosy cheeks, a delicate stroke of eyeliner, contoured cheeks, and a shade of pink lipstick that enhances her natural beauty. She poses differently for each snap.The fans of the actress flocked to the comments section of the post to compliment her beauty and wish luck for the success of her upcoming film. Netizens flooded the comment section with love and fire emojis.

After her debut, Krithi Shetty has never looked back and has shared the screen with stars like Nani, Sai Pallavi, Nagarjuna and Naga Chaitanya. The actress not only makes headlines with her films but also can make heads turn with her attire.

Payal Rajput's

Fashion Game On Point In Floral Co-ord Set

Actress Payal Rajput has been a popular face in the Indian television and film industry. She was seen in many well-known TV serials and movies. Payal started her acting career with the Hindi television serial Sapnon Se Bhare Naina in 2010. In 2017, she made her film debut with the Punjabi film Channa Mereya. The actress debuted in the Telugu film industry with the film RX 100, highly praised by the audience. Besides her acting, she is also an active social media user.The actress often posts her glamorous pictures on social media. Each of her photos is loved by her fans. The RX 100 fame actress recently posted a picture on her Instagram handle. The picture surfaced on the Internet soon after it was posted. Payal looked gorgeous wearing a floral Co-ord Set along with a white crop top. She wore light makeup teamed up with perfectly drawn eyebrows, black smoky eyes, and a mat pink lip shade. Payal also wore a white sneaker with some multi-coloured shades which gave her a sporty look.The actress posted the picture on Instagram and captioned it, "Worry less. Smile more!" According to her post, her dress was designed by How When Wear Clothing and shoes by Hamsterlondon.com. Her make up was done by Sujatha. The picture received massive attraction from netizens, garnering more than 46,000 likes and millions of comments.

Her fans flooded the comments section expressing their love for the actress. One user wrote, "There are not enough words to describe your beauty, Payal!" while another user wrote, "I love seeing your pictures every day. Today you are looking bold and awesome." A third user wrote, "There is nothing more beautiful in this world than your smile. Looking gorgeous!"Actress Payal Rajput will be seen in Rakshana under the direction of Prandeep Thakore, releasing today. The music is composed by Mahati Swara Sagar and the cinematography is done by Anil Bandari.

Aditi Rao Hydari Gets Cozy With Fiance Siddharth In a Pool In Unseen Video From Their Vacation

Aditi Rao Hydari and Siddharth are one of the most adorable couples. They were recently in Tuscany to enjoy some quality time together. On Friday, Siddharth took to his Instagram handle to share a video, which featured several glimpses of their vacation.In the clip, the couple was seen enjoying some scenic places in Tuscany, where they also went on a bicycle ride. The reel also featured several photographs in which Aditi was seen posing with her fiance. In one of the clicks, Siddharth was seen taking a selfie with the love of her life. Another photo featured the actress holding Siddharth close. In the thumbnail of the video, Siddharth and Aditi were seen getting cozy as they took a selfie in a swimming pool.

In the caption of his video, Siddharth referred to Aditi's Heeramandi character and wrote, "#UndertheTuscanSun Feat. Bibbo Jaan & Karan Singhania ❤ @aditiraohydari. Memories for a Lifetime and Beyond… Until next time Italia❤ ." Watch it here:

Needless to say, the video has left Aditi and Siddharth's fans in complete awe. Soon after the post was shared, fans rushed to the comments section to shower love on the couple. "And they both are just ageing like a fine wine ✨," one of the fans wrote. "They said Romeo and Juliet But I heard Siddhu & Aditi," added another. "Setting new benchmark for couple goals," a third comment read.Aditi Rao Hydari and Siddharth's love story is not secret. Their romance blossomed during the filming of the 2021 movie Maha Samudram. Since then, they have been together. In March this year, reports of their secret wedding made headlines after Great Andhra claimed that the two took wedding vows at the Sri Ranganayakaswamy temple in Srirangapuram, Wanaparthy District, Telangana.

However, later, Aditi revealed that they are not married but engaged. On March 28, 2024, she dropped an engagement photo with Siddharth. In the picture, they held each other close as Aditi flaunted a diamond ring whereas Siddharth sported a gold band on his ring finger with magenta detailing. Captioning the photo, Aditi wrote, "He said yes! E. N. G. A. G. E. D."

Varun Dhawan Makes 1st Appearance With Daughter In His Arms, Takes Wife Natasha Dalal Home

Varun Dhawan and Natasha Dalal welcomed their first child, a baby girl on June 4 at Mumbai's Hinduja Hospital. Today afternoon, the couple made their first public appearance with their baby girl, as they headed home fro the hospital. A video of the same has now gone viral.Varun was seen cradling his baby girl, wrapped in a cute baby pink sheet. His wife Natasha was seen accompanying him as they entered their car. Popular paparazzo Viral Bhayani shared the video and wrote, "New parents in town, Dhawan parivar ki Lakshmi."

Ever since the arrival of the baby girl, Varun has been over the moon. Amid all the heartfelt wishes pouring in, the actor took to his social media handle to welcome his daughter with a heartfelt post. The post was also accompanied by a gratitude note.The heartfelt video, featured an illustration of Varun's pet dog Joey who was seen holding a placard that read 'Welcome Lil sis'. The video post also read, "Baby Dhawan, Proud parents Natasha and Varun, Proud Family – 'Dalals and Dhawans'. Expressing his joy, Varun wrote, "Our Baby Girl Is Here," and added, Thank u for all the good wishes for the mama and the baby.'The post also read, "We are overjoyed with this new blessing in our lives. During this special time, we request the media to give us our privacy. Thank you for your support and understanding."Interestingly, Varun had himself expressed that he wanted to have a baby girl some day. On Karan Johar's Koffee With Karan 5, Varun, who shared the couch with Alia Bhatt opened up on having a baby girl some day in the future. During a rapid-fire round, while naming a few actors, Karan asked Varun, "What do the following have that you don't?" When the filmmaker mentioned Shahid Kapoor's name, he shared, He has a baby girl.